3-12 an University of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

स∘ 20]

नई बिल्ली, शनिबार, मई 19, 1979/बेशाब 29, 1901

No. 20] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 19, 1979/VAISAKHA 29, 1901

इस मान में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संस्थान के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—सम्ब 3—उप-सम्ब (ii)

PART II-Section 3-Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) मारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक बावेश और प्रक्षिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

श्रादेश

नई दिल्ली, 2 ग्रंप्रेल, 1979

का० आ० 1574.—यन , निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में दूए तिमल ताडु विधानसभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 204-ग्रकपुकोट्टाई सभा निर्वाचन के ते चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एन० मीनीवामन रोयापालायाम (पो०), तास्लुक तिस्मगलम, जिला मदुरई (मिल नाडु) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रोकित रीति से धपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने मे ग्रमफल रहे हैं;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीववार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस भ्रमफलता के निए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, श्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असकलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

मतः ग्रब, उक्त प्रधितियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्हारा उक्त श्री एन० मीनीवासन की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान मभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रायेण की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत धोषित करता है।

मिं भ न न वि भ न / 204/77 (23)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 2nd April, 1979

S.O. 1574.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri N. Seenivasan, Royapalayam (P.O.), Tirumangalam Taluk, Madurai District, (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative assembly held in June, 1977 from 204-Aruppukottai assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri N. Seenivasan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/204/77/c23)]

ल दें स

नई विल्ली, ६ मप्रेल, 1979

कः श्वार 1575.---पतः, निर्वाचन प्रायोगका समाधान हो गया है कि जून, 1977 में बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 248- कींच निर्वाचन से बुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गोपाल प्रसाद, श्राम - श्रजमतगंज, पोस्ट - परैया, जिला - गया (बिहार), लोकप्रति- निर्वाचन प्रधिनियम, 1951 सथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा घपेकित धपने निर्वाचन स्थां का कोई भी लेखा दाचिल करने में असफल रहे हैं:

भीर यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रंथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या त्यायोजित्य नहीं हैं.

ग्रतः ग्रवः, उक्त ग्रांशनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतत्वारा उक्त श्री गोपाल प्रसाद को संसद् के किसी सवन के या किसी राज्य की विधान समा ग्रवश विधान परिषद् के सवस्य कृते जाने और होने के लिए इस ग्रावेण की सारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्याहत बोषित करता है।

[सं० विहार-वि० म०/248/77(स)]

New Delhi, the 6th April, 1979 ORDER

S.O. 1525.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gopal Prasad, Village Ajmatgani, P.O. Paraiya, District Gaya, Bihar, a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 248-Konch constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gopal Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/248/77(6)]

सर्वेश

का बा 1576.—यतः निर्वाचन प्रायोगका नमाधाकहो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 248-कोंच निर्वाचन-कोत से जुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नवल किशोर सिंह, ग्राम एवं पोष्ट-उनकुषा भाया कोंच, जिला—गया (बिहार), लोक प्रतिनिधिस्व प्रशिनियम 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेकित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं,

श्रीर यतः उक्त उम्मीदवार में, उसे सम्यकः सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन भाषोग का यह भी संसाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है,

श्रतः श्रधं, उक्त श्रधिनियम की घारा 10क के ध्रमुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्वारा उक्त श्री नवल किणोर सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस धारेश की नारीच से सीन वर्ष की कालाचिक के लिए निर्देशित चोचित करता है।

[सं० विहार- वि०स०/248/77/(७)]

ORDER

S.O. 1576.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nawal Kishore Singh, Village and P.O. Tankupa, Via Konch, District Gaya, Bihar, a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 248-Konch constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nawal Kishore Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

By Order,

[No. BR-LA/248/77(7)]

भावेश

का॰ आ॰ 1577.—पतः निर्धाचन आयोग का समाक्षान हो गया है कि जून, 1977 में द्वुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 248-कोच निर्वाचन के से चुनाव अधने वाले उम्मीववार मु॰ रेयाजउद्-वीत, ग्राम, कोंच, पोस्ट-कोंच, जिला-गया (बिहार), लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपेक्षित अपने निर्वाचन क्यों का कोई भी लेखा दाखिल करने में अभफ ल रहे हैं,

त्रीर यत. उक्त उस्मीयवार ने, उसे सक्ष्यक् सूचका दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पव्टीकरण नहीं दिया है स्रीर निर्वावन भाषोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है,

ग्रतः ग्रवः, जक्त ग्रांधनियम की धारा 10कं के ग्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतक्द्वारा जक्त मु० रेयाज उद्दीन की संसद के किसी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रंथवा विधान परिषक् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश को नारीखा से तीन वर्ष की कलावधि के लिए निरहित कोषित करना है।

[सं विहार-वि० स०/248/77(8)]

ORDER

5.0. 1577.—Whereas the Election Commission is satisfied that Md. Rayazuddin, Village and Post Konch, District Gaya, Bihar, a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 24-Konch constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the fallure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Md. Rayazuddin to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. BR-LA/248/77(8)]

नई विल्ली, 7 धप्रैल, 1979

का बार 1578 --- यतः, निर्वाचन श्रामोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 248-कोंच निर्वाचन क्षेत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नन्द कुमार सिंह, ग्राम-मुद्देरा पोस्ट-मुद्देरा, थाना कोच, जिला-गया (बिहार) लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1953 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा प्रपेक्ति धपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में प्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उन्मीदवार ने, उसे सन्यक् मूचना दिए जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण अवका स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन भाषोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्योप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है;

मतः, सथ, उनत प्रिथितयम की धारा 10क के प्रमुसरण में निर्वाचन भायोग एतव्हारा उनत श्री नन्य कुमार सिंह को संसय के किसी भी सवन के या किसी राज्य की विद्यान सभा विधान परिषद् के सवस्य चुने जाने और होने के लिए इस भावेश की नारीच से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दाहन वोचित करता है।

[सं० विहार-वि० स०/248/77(9)/]

New Delhi, the 7th April, 1979

S.O. 1578.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nandkumar Singh, Village and Post Murera, P.S. Konch, District Gaya, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 248-Konch constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all/as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nandkumar Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/248/77(9)]

मई विस्ती, 20 घप्रैल, 1979

का०आ० 1579.—यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रवेण विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 51-वरेली केन्ट निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्भीववार श्री छोटे लाल, मोहल्ला सेमलखेशा, वरेली, जिला बरेली (उत्तर प्रवेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भवेकित भ्रमने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाख्यिल करने मे भ्रमकल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदक्षार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस मसफलना के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलता के लिए कोई पर्योग्त कारण या न्यायोधिस्य नहीं है;

मनः, प्रवा, उक्त प्रधिनियमं की धारा 10-क के धनुसरण में निविचन प्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री छोटे लाल की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रयवा विधान गरिषद के सवस्य चुने जाने और होने के लिए इस घादेण की नारीश्रा से नीन वर्ष की कालावधि के निए निर्माशः चौषित नरना है।

[सं० उ०प्र०-वि० म०/51/77(1)]

New Delhi, the 26th April, 1979

S.O. 1579.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chhotey Lal, Mohalla-Samal Khada, Bareilly, District Bareilly, Uttar Pradesh, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 51-Bareilly cantonment constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rule made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chhotey Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. UP-LA/51/77(1)1

नई विश्लो, 27 धप्रैल, 1979

काः आः 1580.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधात हा गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन कें लिए 327-लिलिपुर निर्वाचन केंन्न से चुनान लड़ने वाले उन्मोदनार श्री शिवार चन्त्र जैन, सरायपुरा, लिलिपुर (उत्तरप्रवेश) लोक प्रिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रयेक्तित प्रयने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखाल करने में धसफल रहे हैं;

त्रीर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्मक भूत्रमा विए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पर्धीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भाषोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्याभी चित्य नहीं है;

मतः, भ्रम, उनत अधिनियम की धारा 10-क के अनुमरण में निर्वाचन आयोग एतर्व्वारा उक्त श्री णिखर चन्द्र औन को मंसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेश की नारीख से तीन वर्ष की कासावधि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[सं० उ०प्रा०-वि०स०/327/77(3)]

New Delhi, the 27th April, 1979

S.O. 1580.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shikar Chand Jain, Saraipur, Lalitpur, Uttar Pradesh, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 327-Lalitpur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rule made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shikar Chand Jain to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

काश्याः 1581.—यतः, तियांचन आयोग का समाधान हा गया ह कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 332—कोन्च (भ्रश्याः) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ते वाले उम्मीद्यार अपुत्नु राम, काशी नगर, कोन्च, जिला जालीन (उत्तर प्रदेख) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमी द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययो का कार्ड भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ते, सम्यक मूचना दिए जाने पर भी, इस श्रासफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उन के पास इस श्रासफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या त्यायी सिन्य नहीं है;

ग्रनः, प्रवं, उत्तत श्रीधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्देवारा उकत श्री पुन्नू राम की ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सवस्य चुने जाने और होने के लिए इस भादेंग की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्महन घोषित करता है।

শিত ত**্স**্ত-বিত্সত/332/77(2)]

S.O. 1581.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Punu Ram, Gandhi Nagar, Konch, District Jalaun, Uttar Pradesh, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 332-Lonch (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Punu Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/332/77(2)]

का॰ गिं करने में हुए तिमलनाडु विधान मायोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तिमलनाडु विधान गमा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 6-पुरासावाल्कम, निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वान उम्मीवबार क्षी जयराम आया आबू, 19, पाएहक्कल वीरास्वामी स्ट्रीट, प्रयानाथरम, मद्रास-23 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन अनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्धाचन क्यों का लेखा दाखिल करने में असफल रहें हैं;

और यतः, उभत उम्मीदबार ने, उसे सम्यक सूचना विये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है और, निविचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

मतः, श्रम, उक्त सिधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्व्वारा उक्त श्री जयराम आया बायू को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथया विधान परिषद् के सदस्य जुने जाने और होने के लिए इस आएंश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करना है।

[सं० त**्ना०-वि**०स०/6/77(32)]

S.O. 1582.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jayaram Aya Babu, 19, Packakkal Veeraswamy Street Ayanavaram, Madras-23, a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu legislative assembly held in June, 1977 from 6-Burasawalkam assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jayaram Aya Babu to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/6/77/(32)]

का०आ० 1583. — यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाड़ विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 17-तिस्वोद्दियुर, निर्वाचन-भेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पी० जान सं० 158, कैनाल स्ट्रीट, वेंकटेसपुरम न्यू कालोमी, बाइटन्स रोड, मद्रास-12 (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 सथा तद्धीन बनाए गए नियमों व्वारा भ्रपेक्षित रीति से श्रपने निर्वाचन ध्ययों का लेखा वाखिल करने में भ्रसकल रहे हैं;

और, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये ग्रम्यावेदन पर विचार करने के पत्त्वाल निविजन मायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीवित्य सहीं है;

मतः, ग्रमः, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्माचन आयोग एतद्व्यारा उक्त श्री पी० जान को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य के विधान सभा अभवा बिधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित धोषित करता है।

[सं० स०गा०-वि०स०/17/77(33)]

S.O. 1583.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri P. John, No. 158, Canal Street, Venkatesapuram New Colony, Brightons Road, Madras-12 (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in June, 1977 from 17-Tiruvottiyur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representations made by the said candidate, the Election Commission is further satisfled that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri P. John to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

काल्आ 1584.—यहः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए समिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 17-तिस्वोटिटयुर निर्वाचन-केंग्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पी० चिन्नास्थामी, 28-ए, क्विजनाइकोइल स्ट्रीट, इरानशुर, मद्रास-57 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तब्हीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति ये अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में धमफल रहे हैं;

और, उक्त उम्मीक्ष्यार वृक्षारा वियं गये घश्यावेदन पर विश्वार करने के पश्चात्, निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उमके पाम इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है;

भनः भन्न, उक्न भिधिनियम को धारा 10-क के भ्रनुसरण में निर्वाचन आयोग एक्षव्वचारा उक्त श्री पी० किलास्वामी को संसव के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भन्नवा विधान परिवद् के सदस्य जुने जाने और होने के लिए इस आदेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

> [सं० त्त०ना०-चि०स०/17/77(34)] बी० नागस्**व**मण्यम, समिव

S. O. 1584.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri P. Chinnaswamy, 28-A. Bijanaikoil Street, Eranavur, Madras-57, a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in June, 1977 from 17-Tiruvottiyur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereus, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri P. Chinnaswamy to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/17/77/(34)] V. NAGASUBRAMANIAN. Secy.

सुद्धि-पक्ष

कां॰आ 1585.—भारत के राजपन्न ग्रसाधारण भाग H—खण्ड 3 उप-खण्ड (ii), सं॰ 166 में शारीख 18 ग्रप्रैंस, 1979 पृष्ठ 403 पर प्रकाकित का॰था॰ 210(भ्र) के क्य में भारत नियंधिक श्रायोग की प्रविस्थाना सं॰ 282/1/ म॰प्र०/79 में:——

- (1) लाईन सं० 7 में, "विस्तार के कारण में" शब्दों के स्थान पर "विस्तार के वर्णन में";
- (2) लाईन सं० 13 में, "(1) 73-चरहट के स्थान पर, "(1) 73-च्रहट";
- (3) लाईन सं० 18 में, "गोपवनाम" के स्थान पर, "गोपवजनास";
- (4) मद 3 के मामने "75-गोपदानाम" के स्थान पर, "75-गोपद-बनास"; और "सधा" के स्थान पर "तथा";
- (5) मद 4 के सामने "76-धौनी (ग्र-जिज्ञान)" के स्थान पर, "76-धोहनी (ग्र-जिज्ञान)", के और गोपवनवास तहसील ''' के स्थान पर, "गोपवनवास तहसील '''', पढा जाएगा ।

[सं० 282/1/एम०पी०/79/2777]

के० गणेशन, उप सचिव

- S. O. 1585.—In the English version of the Election Commission's Notification No. 282/1/MP/79, dated 7th April, 1979, published in the Extraordinary issued of the Gazette of India, Part II—Section 3(ii) dated 18th April, 1979 as S. O. 210(E)—
 - (i) At page 404 against item (3) in the last line after the words "Majhauli RIC", the word "in" shall be inserted; and
 - (ii) at the end of the Notification, the words and comma "By order", shall be inserted.

[No 282/1/MP/79/2777] K. GANESAN, Under Secy. (Legal))

गृष्ठ मंद्रालय

(कामिक ग्रौर प्रश.सणिक सुधार विमाग)

गई दिल्ली, 4 मई, 1979

काल्जा 1586. चण्ड प्रक्रिया संब्रिता, 1973 (1974 का 2) की घारा 24 की उप धारा (8) द्वारा प्रदस्त ग्राक्तियों का प्रयोग करसे हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्व्दवारा, दिल्ली किमेय पुलिस स्थापना नियमित मामला संख्या 6/73-सील्फ्राईल्यूल (क) नथा 7/73-सील्फ्राईल्एल (क) से उत्पन्न नथा उड़ीसा उच्च न्यायालय में लिम्बत खाल एचल केल मेशताब द्वारा वायर प्रापराधिक पुनरीक्षा याचिका संख्या 1978 को 207 तथा 1978 को 208 और श्री एमलकेल रहमान द्वारा दायर प्रापराधिक पुनरीक्षा याचिका संख्या 1978 की 242 का संचालन करने के लिए श्री जील्एसल बोहोदार, प्राधवकता को विक्रेष लोक ग्रामयोजक के रूप में नियुक्त करती हैं।

सिं० 225/57/78-ए०**वी०डो**०(II)-(ii)]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms

New Delhi, the 4th May, 1979

8.0. 1586.—In exercise of the powers conferred by subsection (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri G.S. Bohidar, Advocate, Orissa High Court as a special Public Prosecutor for the purposes of conducting Criminal Revision petitions Nos. 207 of 1978 and 208 of 1978 filed by Dr. H.K. Mehtab, and criminal revision petition No. 242 of 1978 filed by Shri M.K. Rehman, and arising out of Delhi Special Police Establishment Regular Case Nos. 6|73-CIU-CA) and 7/73-CIU (A) and pending in the High Court of Orissa.

[No. 225/57/78-AVDH-(ii)]

नई विल्ली, 5 मई, 1979

का बार 1587.—वण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रवस्त क्षिणयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एत्य्य्वारा, विस्ती विश्वेष पुलिस स्थापना नियमित मामला संख्या 6/73—सी ब्याई०यू०(क) तथा 7/73—सी ब्याई०यू०(क) से उत्पन्न तथा उड़ीमा उच्च न्यायालय में लिम्बत डा०एच०के० मेहलाब द्वारा दायर प्रापराधिक पुनरीक्षा याचिका संख्या 1978 की 207 तथा 1978 को 208 और श्री एम०के० रहमान द्वारा दायर प्रापराधिक पुनरीक्षा याचिका संख्या 1978 की 242 का संवालन करने के लिए श्री शंकर दास बनर्जी, बार-एट-ला, कलकरता को विशेष लोक प्राध्योजक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं॰ 225/57/78-ए॰षी॰ष्टी॰(II)-(i)] टी॰ कें॰ सबसणियन, अवर संचित्र

New Delhi, the 5th May, 1979

S.O. 1587.—In exercise of the powers conferred by subsection (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri Shankar Das Banerji, Bar-at-Law, Calcutta, as special Public Prosecutor for the purpose of conducting Criminal revision petitions Nos. 207 of 1978 and 208 of 1978 filed by Dr. H. K. Mehtab, and criminal revision No. 242 of 1978 filed by Shri M. K. Rehnam and arising out of Delhi Special Police Establishment Regular Case Nos. 6/73 CIU(A) and 7/73-CIUA) and pending in the High Court of Orissa.

[No. 225/57/78-AVD-II(i)] T. K. SUBRAMANIAN, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्य विमाग)

नई दिल्बी, 20 फरनरी, 1979

स्राय-कर

का०जा० 1588.—केन्द्रीय सरकार, घाय-कर द्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 10 की उपजारा (23-ग) के खण्ड (V) व्यारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए "श्री मनाकुला विभयागर देवस्थानम् पोडिचेरी" को निर्धारण वर्ष 1978-79 के लिए और से उसत बारा के प्रयोजनार्च बाजसूचित करती है।

[सं॰ 2731/फा॰सं॰ 197/95/78-मा॰फ॰(ए1)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 20th February, 1979

INCOME-TAX

\$.O. 1588.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies 'Sri Manakula Vinayagar Devasthanam, Pondicherry' for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1978-79.

[No. 2731/F. No. 197/95/78-IT(AI)]

नई दिल्ली, 28 मार्च, 1979

माय-कर

कांश्वां 1589.— नेप्प्रीय सरकार, श्राय-कर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'तवात सचवंड श्री हुजूर एवचलगर साहिव मान्डेड' को निर्धारण वर्ष 1971-72 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रविद्वित करती है।

[सं० 2756/फा०सं० 197/64/78-मा०क०(ए1)

New Delhi, the 28th March, 1979 INCOME-TAX

S.O. 1589.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies 'Takhat Sachkhand Sri Hazur Abchalnagar Sahib Nanded' for the purpose of the said section for and from the assessment year 1971-72.

[No. 2756/F. No. 197/64/78-IT(AI)]

नई विल्ली, 9 धर्मैल 1979

म्राय-कर

का०आ० 1590.—केन्द्रीय सरकार, प्राय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (V) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, "कैंगोलिक चर्च, धानडुकू" को निघरिण वर्ष 1977-78 के लिए और ने उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रशिस्चित करती है।

[सं॰ 2764/फा॰सं॰ 197/161/78—मा॰फ॰ (ए 1) जै॰ पी॰ शर्मा, निदेशक New Delhi, the 9th April, 1979

INCOME TAX

S.O. 1590.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies 'Catholic Church, Dhanduka' for the purpose of the said section for and from the assessment years 1977-78.

[No. 2764/F. No. 197/161/78-lT(AI)]

J. P. SHARMA, Director

(भाविक कार्य विभाग)

(बेफिन प्रभाग)

नर्ष विस्सी, 2 मई, 1979

ना॰ जां॰ 1591.—भारतीय जीव्यीयिक विकास वैक प्रधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 9 की उपधारा (1) के बंध (ग) तथा बंड (क) के उपबंद (1) के प्रमुसरण में, केश्वीय सरकार, एतद्व्वारा उक्त उपबंड के प्रयोजनों के लिए, प्ररूपाचल प्रदेश इन्ध्रस्ट्रीयज डेक्लपर्मेंट कारपोरेशन लिमिटेड को प्रधिसुचित करती है।

[संख्या 13-38/78-माई०एफ०-I[] बी० सी० पटनायक, निवेशक

(Department of Economic Affairs) (Banking Division)

New Delhi, the 2nd May, 1979

S. O. 1591.—In pursuance of sub-clause (i) of clause (a), and clause (c) of sub-section (I) of section 9 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government hereby notifies the Arunachal Pradesh Industrial Development and Financial Corporation Limited for the purposes of the said sub-clause and clause.

[F. No. 13-38/78-IF.I]]
B. C. PATNAIK, Director

केषीय जत्याव तथा तीका सुरुक समाहरतालय

भूवनेस्वर, 2 मई, 1979

उत्पादन-शुक्क

का०आ॰ 1592.—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियमावसी, 1944 के नियम 5 में प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के प्रधिकारियों को जो सहायक समाहर्ता के पद से नीचे के नहीं हैं। समाहर्ता को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क 1944 नियम 93 उपनियम (b) (iii) में प्रवत्त का प्राधिकार देता है।

[मिश्रिसूचना सं• 1/79-सी०सं • IV-16-4-सीई-79/14833-को] एव० भूमखोयो. समाहस्ती

Collectorate of Central Excise & Customs

Bhubaneswar, the 2nd May, 1979

CENTRAL EXCISE

S. O. 1592.—In exercise of the powers conferred on me by Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I hereby authorise the Central Excise officers not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise to exercise the powers of Collector under sub-rule (b) (iii) of Rule 93 of the Central Excise Rules, 1944.

H. VUMKHATHANG, Collector

[NOTIFICATION NO. 1/79 C. No. IV-16-4-CE-79/14833-B]

वर्गणच्य नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय (वाणिष्य विकाग)

आहेग

नई दिल्ली, 19 मई, 1979

भा०मा० 1593—केन्द्रीय सरकार की राय है कि भारत के निर्याप क्यापार के विकास के लिए ऐसा करना प्रावस्थक तथा समीचीन है भीर निर्यात (क्यालिटी नियंत्रण ग्रीर निरीक्षण) ग्रीधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, विश्वत उपकरण तथा उपमाधन निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण ग्रीर निरीक्षण के मधीन होंगे;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के तीचे विमिष्टिट प्रस्ताय बनाए हैं और उन्हें निर्यात (क्वाफिटी नियंक्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेज विया है;

श्रतः, श्रव, उक्त उप-नियम के श्रनुसरण में, पथा भारत सरकार के बाणिक्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० प्राठ 2304 तारीच 16 पूलाई, 1977 का अधिकमण करते हुए केन्द्रीय सरकार उससे संभाव्यतः प्रभावित होने वाले लोगों की जानकारी के लिए उक्त प्रस्तावों को अकाणित करती है।

2. सूचना दी जाती है कि यदि कोई व्यक्ति उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आपत्ति या सुझाव भेजना साहता है तो वह उन्हें इस आदेश के राजपळ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर निर्यात निरीक्षण परिषद 14/1-बी, एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता-1 को भेज सकता है!

प्रस्ताम

- यह अधिसुचित करना कि विद्युत उपरकण तथा अपनाधन निर्मात से पूर्व निरीक्षण के अधीन होंगे;
- 2. इस ब्रादेश के उपाबंध 1 में दिए गए विद्युत उपकरणों तथा उपसाधनों के निर्यात (क्यांसिटी नियंद्रण और निरीक्षण) नियम, 1978 के प्रारूप के ब्रनुसार क्वांसिटी नियंद्रण और निरीक्षण के ऐसे टाईप के रूप में बिनिविष्ट करना जो ऐसे उपकरणों तथा उन साधनों को, निर्यात से पूर्व ; लागु होगा,
- (3) (क) सुसंगत भारतीय मानक विनिर्धेगों या कोई अध्य राज्दीय मानक विनिर्देशों को;
- (ख) अंतर्राष्ट्रीय विद्युत तकनीक श्रायोग की तिकारियों या मानकों को, मान्यता प्राप्त संस्थाओं के मानकों अववा किसी भी देश के मंत्रालय, सरकारी विभाग या उन उपक्रमों द्वारा अनुमोदित विनिर्देशों को;
- (ग) उन जिनिर्वेशों को जो जड़ (क) तथा (आ) के प्रंतर्गत नहीं प्राते हैं किन्तु निर्यात कर्ता द्वारा बोबित ऐस माननों की परीक्षा एवं भ्रनुमोबन के प्रयोजन के लिए निर्यात निरीक्षण परिवद द्वारा नियुक्त विशेषकों के पैनल द्वारा भ्रनुमोबित हैं, विश्वत के उपकरणों तथा उपसाधनों के लिए सार्विधक जिनिर्देशों की मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता वेता।
- (4) श्रंतरिष्ट्रीय स्थापार के दौरान एँसे विश्वत उपकरणों पथा उपसाधनों के निर्यात को तब तक प्रतिविद्ध करना जब तक कि उसके साथ (निर्यात क्वालिटी नियंसण और निरीक्षण) श्रिष्ठिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के श्रंतर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित या मान्यतायान प्रमिकरणों में में किस किसी के द्वारा, आरी किया गया इस श्राणय का प्रमाण-पत्न न हो कि विश्वत उपकरणों सवा उपसाधनों का परेवण क्वालिटी निवंसण धौर निरीक्षण में संबंधित सर्वी

- को पूरा करना है तथा बिह निर्यात सोग्य है या उन पर उक्न भछि-नियम की धारा 3 के श्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्य का चिन्ह मुद्रा लगा हुआ है ;
- 2. डम श्रावेण की कोई भी बात भावी श्रेताओं की भू मार्ग, बायु मार्ग या जल मार्ग द्वारा बिजली के उपकरणों तथा उपन्माक्षमों के उन तमुमों के निर्यात को लागू महीं होगीं जिनका पीत पर्यन्त निःशृस्क मूल्य एक सौ पञ्जीस (125) रुपए से अधिक नहीं है।
- 3. इस प्रावेश में "विज्ञुत उपकरणों तथा उपकाश्चनों में नीचे दी गई धनुसूची में विनिर्विष्ट उल्पाक्षों में से कोई भी उत्पाद प्रभिन्नेत हैं।

उपार्वधः ।

निर्यात (भवालिटी निर्वत्रण और निरीक्षण) **प्रधिनियम,** 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अधीन बनाए जाने वाले प्रस्ताबित नियमों का प्रारूप)

- 1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भः (1) इत नियमों का नाम विद्युत उपकरणों तथा उपसाधनों का निर्मात (क्वालिटी निर्मन्नण ग्रीर निरीक्षण) नियम, 1978 है।
 - (2) ये प्रकाशन की नारीख को प्रवृत्त होंगे।
- परिभाषाएं:—इन नियमों, में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:—
- (क) "प्रधितियम" से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) प्रभिन्नेत है;
- (ख) "प्रमिकरण" से, प्रिधिनियम की धारा 7 के प्रधीन केम्ब्रीय सरकार द्वारा बम्बई, कलकत्ता. कोचीन, विल्ली तथा मद्रास में स्थापित प्रमिकरणों में से कोई अधिरकरण या सान्यताप्राप्त कोई प्रत्य संगठन अभिन्नेत है;
- (ग) "विद्युत उपकरणों भया उपसाधनों" से इन नियमों से प्रनृबद प्रमुखी में विए गए उत्पादों में से कोई उत्पाद प्रभिन्नेत है।
- 3. निरीक्षण का प्राघार तथा प्रक्रिया:——(1) निरीक्षण यह सुनि-श्चित करने की दृष्टि से किया जाएगा कि निर्यात के लिए प्राथित विद्युत उपकरण तथा उपनाधन परिणिष्ट II या परिकिष्ट III में विनि-दिष्ट निर्यक्षण स्तर का प्रयोग करके उत्पादित किए गए हैं या उनकी क्वालिटी, प्रविनियम की धारा 6 के प्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्य विनिर्देशों के प्रमुख्य हैं।
- (2) विश्वृत उपकरणों तथा उपसाधनों के निरीक्षण के लिए निम्नलिखित योजनाधों में ने कोई योजना धपनाई जाएगी, प्रचति:~
 - (क) स्वयं प्रमाणीकरण:---
 - (1) कोई भी विनिर्माण एकक, जो परिशिष्ट II में सुचीव स मानवण्डों को पूरा करता है निर्यात निरीक्षण परिवद समम जैम्बसं (पांचवीं मंत्रिल), 113, महाँच कवें रोड, सम्बर्ध, 400004 के क्षेत्रीय कार्यास्थ्य को प्रावेदन देगा।
 - (2) परिवद द्वारा नियुक्त पैनलों में से कोई पैनल ऐसे एकक में जाएगा तथा यह निर्धारित करेगा कि क्या वहां प्रभावशाली क्वालिटी निश्चित पद्धति संतोषजनक रूप में चल रही है या नहीं।
 - (3) उन एककों को, जो पनल द्वारा मनुमोदित हैं, उन्हें उनके निर्यात परेकणों की निर्यात योग्यता का प्रमाण पत्न कारी करने योग्य बनाने के लिए, श्रिष्ठिनियम की धारा 7 के भ्रश्वीन माग्यता दी जाएगी।

- (4) ऐसी मान्यता एक वर्ष की प्रश्नीय के लिए विश्विमाण्य होगी तथा उसके पश्चात प्रभावी क्वालिटी सुनिश्चित पद्धित के जारी गृहने के आधार पर पुनः स्वीहन की जाएगी; परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार की राय है कि किसी भी विनिम्त्रिण एकक को दी गई कोई भी मान्यता जन हित में वापिस के ली जानी चाहिए तो केन्द्रीय सरकार उस एकक को एक उपयुक्त अवसर देने के पश्चान अधिनियम की धारा 7 के अधीन ऐसी मान्यता वापिस ले सकती है।
- (श्र) प्रक्रियागत क्वासिटी नियंक्षण (1) को भी विनिर्माण-एक जिसके पास उपाबंध III के प्रमुसार प्रक्रियागत क्वासिटी नियंतण की पर्याप्त क्यवस्था है, नीचे दिस गए, परिषद के निकटनम भावेदन करेगा:——

निर्यात निरीक्षण परिषद 14/1-बी, एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता-700001 बेबीय कार्यालय:---

- निर्यात निरोक्षण परिषद अमन चैम्बर्स, गांचवीं मंजिल, 113, महाचि की बें रोड, बम्बई-400004.
- निर्यात निरोधण परिषद मनोहर बिल्डिंग, महारमा गोधी रोड, एनोकुलम, कोचीन-682001
- निर्मात निरीक्षण, परिचव
 म्युनिसिपल मार्केट बिल्डिंग,
 सरस्वती सार्ग,
 करोल बाग, नई विल्ली-110005
- (4) निर्यात निरीक्षण तब बिनिर्माण एकक को जाने का प्रबन्ध करेगा तथा यह निर्धारित करेगा कि प्रक्रियागत क्वालिटी निर्यंत्रण पद्धति संतोवजानक रूप में कार्य कर रहा है या नही।
 - (ग) परेषण के अनुसार निरीक्षण:

कोई भी जिनिर्माण एकक जो स्तम्भ ('क) तथा (ख) में जिनिरिष्ट मिपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है, निरीक्षण के लिए निर्मात परेषणों, किसी भी ग्रिभिकरण को, यह सुनिण्यत करने के लिए उद्देश्य से देगा कि उसके द्वारा विनिर्माता उत्पाद प्रधिनियम की धारा 6 के प्रधीन केल्द्रीय सरकार द्वारा मान्य विनिर्देशों के श्रनुस्प है या नहीं। एसे जिनिर्माण एक नैमिक तथा स्वीहृत परीक्षणों के संबंध में ग्रावस्यक परीक्षण सुविधाओं का प्रबन्ध करेंगे। उनसे प्रकार टाइप परीक्षणों के लिए श्रमण-परीक्षण प्रमाण पद्म प्रस्तुत करने की भी श्रमेक्षा की आएगी।

- (3) निम्नलिखित प्रक्रिया निचुत उपकरणो तथा उपसाक्षनो के निरीक्षण तथा प्रमाणन के लिए श्रपनाई जाएगी, ग्रथित:——
 - (क) उप नियम (2) के स्तम्भ (क) के स्रधीन स्वयं प्रमाणीकरण योजना के स्रंतर्गत भान्य कोई विनिर्माण एकक, उसके द्वारा विनिर्मित निर्यात परेषणों की निर्यात योग्यता का प्रमाण-पद्म जारी करेगा।
 - (ख)(1) विद्युत उपकरणों तथा उपसाधनों के निर्धात करने का इक्छुक कोई निर्धात कर्ता (स्वयं प्रमाणीकरण योजना के प्रधीन मान्य विनिर्माण एककों से भिक्ष) प्रपने ऐसा करने के ग्राज्य की सुखना खिखित रूप में देगा तथा ऐसी

- गुक्ता के साथ ऐंगे संबंखित निर्याण संविद्या में दी गई गभी तकनीकी विशेषताओं का विदरण देतें हुए विनिर्देशी का घोषणा पस्न किसी भी अभिकरण को देगा जिससे कि वह उप-नियम (1) के स्तम्भ (ख) तथा (ग) के धनुसार निरीक्षण कर सके।
- (2) वह उसी समय ऐसी सूचना की एक प्रति निरीक्षण के लिए प्रभिकरण के निकटनम परिषद कार्यालय को देगा।
- (ग) उप नियम (2) के खंड (ख) के प्रधीन अनुमोदित एककों द्वारा वितिमित उत्पादों के निर्यात के लिए निर्यात कर्ता ऐसी सूचनाओं के साथ एक घोषणा यह भी करेगा कि निर्याथ के लिए आगयित विद्युत उपकरण नथा उप-माधनों का विनिर्माण उपायन्छ III में अधिकथित प्रजालिटी निर्यक्षणों का प्रयोग करके किया गया है तथा परेषण, इस प्रयोजन के लिए मान्य विनिर्देगों की अपेक्षाओं को पूरा करता है।
- (व) खंड (ध) या खंड (ग) के प्रधीन प्रत्येक सूचना तथा भीषणा, विनिर्माता के परिसर से परेषण के भेजे जाने से कस से कम दो सप्ताह पहले, प्रभिकरण तथा परिषद के कार्यालये में अवस्य पहुंच जानी चाहिए।
- (ङ) निर्मातकर्ता भ्रभिकरण को परेषण पर नगाए जाने वाले पहचान चिन्ह भी देगा।
- (क) खंड (ख) या खंड (ग) के प्रधीम सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर, प्रभिकरण: (i) उप नियम (2) के खंड (ख) के प्रधीन प्रनुपोदित एककों द्वारा विनिर्माता बस्तुप्रों का निर्यात करने वाले निर्यातकर्ता की दशा में, अपना यह समाधान कर लेने पर कि विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान, एकक ने उपाजन्य III के प्रतर्गत दिए गए पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रणों का प्रयोग किया है नथा इस संबंध में परिषद द्वारा जारी किए गए निदेशों, यदि कोई हों, का प्रमुमरण किया है तो वह नीन दिन के भीनर यह घोषणा करते हुए प्रमाणपत्र जारी करेगा कि विद्युत उपकरणो तथा उपसाधनों का परेषण निर्यात योग्य है। किन्तु प्रमिकरण कालिक नरीक्षणों द्वारा यह सुनिक्चित करेगा कि विनिर्माण परिसरों पर पर्याप्त निर्यंत्रण का प्रयोग किया जाता है, तथा
- (2) उप नियम (2) के खंड (ग) के प्रधीन घाने वाले एककों द्वारा विनिर्मित वस्तुओं का निर्यात करने बाले निर्यातकर्ता की दशा में, विद्युत उपकरणों नथा उपसाधनों का निरीक्षण यह मुनिश्चित करने के विचार से करेगा कि उत्पाद इंग प्रयोजन के लिए मान्य विनिर्देशों के घनुरूप है।
- छ(।) निरीक्षण की समाप्ति के पक्षात घर्षिकरण तुरन्त परेषण के पैकेओं को इस ढंग से पैक करेगा कि यह सुनिश्चित हो जाए कि सीलबंद पैकेओं में हस्तक्षेप न किया आ सके।
- (2) परेवण ग्रस्त्रीकृत हो जाने की दशा में, यदि नियंतिकर्ता चाहे तो, ग्रमिकरण परेवण को मुद्राबंद नहीं करेगा।
- (3) किन्तु ऐसे मामलों में, निर्यात कर्ता प्रस्वीकृत के विश्व प्रपील करने का हकवार नहीं होगा।
- (ज) यदि अभिकरण का यह समाक्षान हो जाता है कि विश्वृत उपकरणों तथा उपसाधनों का परेषण इन नियमों के अधीन उपेक्षाओं के अमुरूप है तो यह निरीक्षण की समाप्ति से सात दिन के भीतर निर्यात क को यह घोषणा करते हुए प्रमाण-पत्न आरी करेगा कि परेषण निर्यात योग्य है;

परस्तु जहा प्रधिकरण का इस प्रकार समाधान नहीं हा पाता, वहां वह उक्त सात दिन की प्रविध के भीतर इसके लिए कारणों की सूचना देते हुए श्रस्थीकृति पत्र जारी करेगा।

- (म) प्रभिकरण जब भी थ्रौर जहां श्रवेक्षा करें निर्मानकर्ता, निरीक्षण नथा परीक्षण के लिए परेषण में से बिछन उपकरणों नथा उपराधनों के निशृल्क नथुने देशा । किन्तु एसे नमूने कार्य हों जाने के पण्चान श्रभिकरण क्षारा लौटा दिए जायेंगे।
- 1. मान्य जिन्ह निषकाना तथा उसकी प्रक्रिया: भारतीय मानक संस्थान (प्रमाणीकरण जिन्ह) श्रिष्ठित्यम, 1952 (1952 का 36) भारतीय मानक संस्थान (प्रमाणीकरण जिन्ह) नियम 1955 तथा भारतीय मानक संस्थान (प्रमाणीकरण जिन्ह) जिल्यम 1955 के उपश्रंथ विद्युत उपकरणों तथा उपलावनी पर निर्यात में पूर्व मुद्रा लगाने या मान्य जिन्ह जिपकाने की प्रक्रिया के संबं में यथा संभव लागू तथे तथा क्ष प्रकार जिल्हित विद्युत उपकरणातथा उपनाधन नियम 3 के श्रतमंत किसी भी निरीक्षण के यथीन नहीं होंगे।
- 5 निर्राक्षण स्थान . इन नियमों के ब्राधीन निरीक्षण चिनिर्माण के या अन्य परिनरों पर किया काएगा जहां परीक्षण तथा निरोक्षण के लिए पर्याप्त सुविधाए उपलब्ध है ।
- 6 निरीक्षण णुल्क निर्यातकरा श्रिभकरण को निरीक्षण फीम निम्न-विक्रित रूप में देश —~
 - - 5 में 25 लाख रूपए, प्रति वर्ष तक के लिए निर्धात के लिए, --2,500 रूपए प्रतिवर्ष ।

 - 50 स 100 लाख रुपए प्रति वर्ष तक के निर्यात के लिए ---10,000 रुपए प्रतिवर्ष।
 - 100 लाख रूपण्प्रतिवर्ष से अधिक के नियति के लिए --20,000 रुपण् प्रतिवर्ष ।
 - (ख) प्रक्रियागत आस्थित नियंत्रण योजना के प्रधीन एककों के लिए:---
 - प्रत्येक परेषण के लिए पोत प्रयंन्त निःशुल्क मूल्य के प्रस्येक मौ स्थए के लिए बीस पैस की बर से, कि तु एक सौ क्षपए से कम नहीं।
 - (ग) परेषण के अनुसार निरीक्षण योजना के अधीन एकको के लिए:
 - प्रस्थेक परेषण के लिए, पांत प्रयंत्त तिः णुल्क मूल्य के प्रत्येक एक मी रुपए के लिए पचान पैसे की दर से, किन्तु एक सौ रुपए से कम नहीं।
 - श्रवील. (1) तियम 3 के स्रवीत श्रिक्तरण द्वारा प्रमणात्र देन के इन्कार में व्यक्ति कोई व्यक्ति उसके द्वारा ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने से दम दिन के भीतर केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाए गए कम में कम तीन व्यक्तियों के विशेषज्ञों के पैनल को, श्रपीन कर मकेगा।
 - (2) पैनल के विशेषज्ञों की कुल सदम्यता दो तिहाई स्रशासकीय सदस्य होंगे।
 - (3) पैनल की गणपूर्ति तीन से होगी।
- (4) अपील प्राप्त होने के पन्द्रह् दिन के भीतर निषटा दी आएमी।

112 GI/79-2

अनुर्मेध 📙

(नियम 3 देखिए)

रवर्ष प्रमाणीकरण के मानद०इ

- (i) एकक के पास सभी संक्रियाओं के लिए प्रभावी तथा व्यापक क्वालिटी नियंत्रण व्यवस्था होनी चीहिए ।
- (ii) उच्च रुदर पर क्वालिटी नियंत्रण व्यवस्था का प्रधान ज्येष्ठ स्थर का कोई सक्षम यक्तनीकी व्यक्ति होना चाहिए यथा उसे उस श्राधकारी को रिपॉट न देनी हो जो जन्मादन का प्रभारी है।
- (iti) एकक के पास न केकन उसके उत्पाद के लिए प्रपितु कथ की गई समस्त कच्छी सामग्री तथा संघटकों के लिए, बिस्तृत कम्पनी मानक होने चाहिए । ऐसे कम्पनी मानक संबंधित भारतीय मानक बिनि-देशों की क्वालिटी से निस्त स्तर के नहीं होने बाहिए ।
- (iv) एकक के पास नैमिक तथा स्वीकृति परीक्षणों, साथ ही, यथा-संभव टाइप परीक्षणों के लिए भी, अपनी सुविधाएँ होनी पाहिए। इसके प्रतिरिक्त एकक के पास, उसके द्वारा प्रयुक्त मेजी पर, प्रभावणाली मौसम संबंधी नियंत्रण रखने के लिए आवश्यक उपस्कर होने चाहिए।
- (v) एकक के पास, मानक विनिर्देशों के श्रनुसार उसके उत्पादन की श्रनुरूपना को मुनिष्चित करने के लिए, परीक्षाण नथा निरीक्षण के लिए स्पष्टन: श्रीक्षकियन काई योजना होनी चाहिए, जिस में उन गुणधर्मों का जिनका परीक्षण किया जाना हो तथा ऐसे परीक्षण की बारम्बारना का उल्लेख होना चाहिए। परीक्षण की योजना का श्रास्तित्व ही पर्यापन नहीं है, प्रतिनु एकक को अपनी दक्षता के बार्र में स्थतन्त्र पैनल का समा-धान करना होगा।
- (vi) निर्यात किया जाने वाला साल, तथा स्थयं प्रमाणीकरण के अधीन प्रमाणित किया जाने वाला माल, सम्बद्ध भारतीय मानक या प्रन्य कोई मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय मानको के अनुक्ष होना चाहिए।
- (vii) एकक के पास भारत की और विदेशी मंडियों में कम से कम तीन वर्ष की भवांच का, निरन्तर उपभोक्ता संतुष्टि भ्रभिलेख होना चाहिए डिजाइन, विनिर्माण नथा पैकिंग की शिकायते कम से कम होनी चाहिए और ऐसी शिकायत को दशा में एकक को सुधार के लिए प्रभावी तथा सकारात्मक उपाय करन चाहिए और उपभोक्ताओं की सतुष्टि सुनिध्यित करनी चाहिए ।
- (viii) महायक एककों द्वारा प्रस्थेक निर्यात की खगा में जो भारत में श्रो० इ० विनिर्माताओं को भी माल भेजते हैं, उसके पास इस बाबत कोई श्रिभिलेख होना चाहिए कि उसने कम से कम तीन वर्ष की श्रवधि तक उन्हें क्यालिटी माल का श्रदाय किया है।
- (ix) ऋषर दिए गए मापों के अतिरिक्त यूनिटों को उल्लिखित उत्पाद प्रक्रिया नियंत्रण से अपेका होगी ।

उपबंध III

(नियम 3 देखिए)

प्रक्रियागत क्यालिटी नियंत्रण

निर्यात के लिए प्राणीयत विश्वृत उपकरणों तथा उपसाधनों की निर्वालिटी विनियत्ति। द्वारा विनियणि के विभिन्न स्तरों पर निस्तलिखित निर्यन्नणों का प्रयोग करके मुनिश्चित की जाएगी ।

- क्य की गई सामग्री तथा घटक नियंत्रण :
- (क) त्रितिमाना प्रयुक्त किये जाने वाले घटकों या सामग्री की विजेषनाश्रों नया सहायनाश्रों सहित विस्तृत विमाश्रों को समाविष्ट करते ४ए, क्रय विनिर्देश ग्रधिकथित करेगा ।

- (ख) स्वीकृत परेषणों के साथ या तो कथ विनिर्वेशों की प्रपेक्षा की पुष्टि करने हुए उत्पादक का परीक्षण प्रसाणपत्न होगा प्रथवा ऐस परीक्षण प्रसाण-पत्न के प्रभाव में, कथ विनिर्वेशों से इसकी प्रमुक्ष्पता की जोच करने के लिए प्रत्येक परेषण में से नमूनों की नियमित जाँच की जाएगी। उत्पादनकर्ता परीक्षण-प्रसाणपत्न की गुढ़ता सत्यापित करने के लिए पांच परेषणों में से कम से कम एक की जाँच की जाएगी।
- (ग) भ्राने वाले परेषणों का निरीक्षण तथा परीक्षण, साँक्षियकी नमूना योजना के भ्रनुसार क्रम विनिर्देशों से भ्रनुक्रपता सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा ।
- (घ) निरीक्षण तथा परीक्षण किए जाने के पण्णात् स्वीकृत प्रस्वीकृत माल या घटकों के पृथक्करण के लिए तथा प्रस्वीकृत माल या घटकों के निपटान के लिए स्थवस्थित पद्मतियां प्रपनाई जाएकी ।
- (इ.) उपरोक्त नियंक्षण के संबंध में पर्याप्त अभिलेख व्यवस्थित रूप ने रेखा जाएगा।
- 2. प्रक्रिया नियंत्रण
- (क) विनिर्माता, विनिर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए व्यौरेवार प्रक्रिया विनिर्देश मधिकथित करेगा ≀
- (ख) प्रक्रिया विनिर्देश में ग्रधिकथित प्रक्रियाम्रों को नियंत्रिय करने के लिए उपस्कर या उपकरणों की पर्याप्त सुविधाएं होंगी ।
- (ग) विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान प्रयुक्त नियंत्रण के सस्यापन की संभावनाओं को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त ग्रामिलेख रखा जाएगा ।
- 3. उत्पाव मियंत्रण :
- (क) मानक विनिर्देशों के ग्रनुसार उत्पाद का परीक्षण करने के लिए विनिर्माता के पास या तो ग्रपनी परीक्षण सुविधाएँ होंगी या उसकी पहुंच वहां तक होगी जहाँ ऐसी सुविधाएँ विद्यमान हैं। इसके लिए पर्याप्त ग्रिमिलेख रखा जाएगा ।
- (ख) परीक्षण के लिए नमूना (जहां कही भी अनेभित हो) अभि-लिखित भन्नेषण पर भाषारित होगा ।
- (ग) प्रधिकथित निरीक्षण जांच सूची के अनुसार प्रत्येक समुख्यय की अंच जाएगी ।
- मौसम संबंधी नियंत्रण

जत्पादन तथा निरीक्षण में प्रयुक्त गाजों तथा उनकरणों की कालिक जाँच या ग्राणणोधन किया जाएगा तथा ग्राभितेख, बृत-कार्ड के रूप में रखे जाएगे ।

- परिरक्षण नियंत्रण :
- (क) विनिर्माता, उत्पाद की मौसमी परिस्थितियों के प्रतिकृत प्रभाव से सुरक्षित रखने के लिए व्यौरेत्रार विनिर्देश प्रक्षिकथित किए जाएंगे ।
- (ख) भंजारकरण एवं मिभवहन, दोनों के दौरान. उत्पाद को मुरिक्षत रखा जाएगा ।
- पैकिंग नियंद्रण :

उपर्यक्त उत्पाद की पैकिंग के लिए विनिर्देश श्रधिकथित किया जाएगा।

अनुसूची

(बिबुत उपकरण तथा उप-साधन)

- 1. हॉट फ्लेट
- 2. केतली
- 3. स्टोव तथा पका भौधन
- 4. पानी गर्म करने के लिए हीटर (भण्डारकरण, निमञ्जन तथा तत्वाल प्रकार के)

- 5 टोस्टर
- 6. कमरा गर्म करने का यंत्र (विकरण तथा गर्म हवा फेंकने वाला)
- 7. पानी गर्म करने का यंत्र
- सास थेन
- 9. खाद्य मिश्रक (द्रव भिश्रक, मिश्रक तथा ग्राइन्डर)
- 10. ग्रांशमर्दंक
- ा: केश मुखाने का यंत्र
- 12. काफी परकोलेटर
- 13. इस्त्री
- 14. कपडें धोने की मशीनों
- 15. शेवर
- 16. सुबाह्य लैंप स्टैंड तथा वैकिट
- 17. बोस्टता नियामक
- 18. हीटिंग ऐलिमेंट तथा हीटिंग पैड
- । 9 उपकरणों के <mark>लिए</mark> ताप स्थासी
- 20. पलग तथा सोंकेट
- 21. संयोजक तथा एडेप्टर
- 22. सभी प्रकार के स्थिच
- 23. फयुज तथा फयुज युनिष्ट
- 34 सर्राकट ब्रेकर
- 25. स्टार्टर
- 26. **रिले**
- 2.7. टर्मिनल बलाक
- 28. विलमक
- 29. मेलक
- 30. संघारित्र
- 31. प्रतिरोधक

[सं० 6(37)/76-नि०नि० मधा नि०उ०]

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION

(Department of Commerce)

ORDER

New Delhi, the 19th May, 1979

S.O. 1593.—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India and that in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) electrical appliances and Accessories shall be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by Sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2304 dated the 16th July. 1977 the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestions with respect to the said proposas may forward the same within forty five days of the date of publication of this order in the Gazette of India, to the Export Inspection Council, 14/1B, Ezra Street, Calcutta-1.

PROPOSALS

- (1) To notify that electrical appliances and accessories shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) To specify the type of quality control and inspection in accordance with the draft Export of Electrical

Appliances and Accessories (Quality Control and Inspection) Rules, 1978 set out in annexure I to this order as the type of quality control and inspection, which shall be applied to such electrical appliances and accessories prior to export;

- (3) To recognise-
 - (a) the relevant Indian Standard specifications or any other national standard specifications;
 - (b) IEC recommendations or standards recognised association standards and specifications approved by a Ministry, a Government department or a public undertaking of any country.
 - (c) the speifications which do not fall under clause (a) and (b) above but are approved by a panel of experts appointed by the Export Inspection Council for the purpose of examining and approving such standards declared by the exporters as contractual specifications as the standard specifications for electrical appliances and accessories.
- (4) To prohibit the export in the course of international trade of such Electrical Appliances and Accessories unless the same are accompanied by a certificate issued by any one of the agencies recognised or established by the Central Government under section 7 of the Export (Quality Control and inspection) Act. 1963 (22 of 1963) to the effect that the electrical appliances and accessories satisfy the conditions relating to quality control and inspection and are export-worthy or carry a mark or seal recognised by the Central Government under section 8 of the said Act;
- 2. Nothing in this order shall apply to the export by land sea or air of bonafide samples of electrical appliances and accessories to prospective buyers, the f.o.b. value of which does not exceed rupees one hundred and twenty five.
- 3. In this order "electrical appliances and accessories" shall mean any of the products mentioned in the Scheduled given below.

SCHEDULE

(Electrical Appliances and Accessories)

- 1. Hot Plates.
- 2. Kettles.
- 3. Stoves and Cooking Ovens.
- 4. Water Heaters (Storage, immersion and instant types)
- 5. Toasters.
- 6. Room Heaters (Radiators and Hot Air Blowers).
- 7. Water Boilers.
- 8. Sauce Pans.
- 9. Food Mixers (Liquidizers, Blenders and Grinders).
- 10. Massagers.
- 11. Hair Dryers.
- 12. Coffee Percolators.
- 13. Irons.
- 14. Clothes Washing Machines.
- 15. Shavers.
- 16. Portable Lamp Stands and Brackets.
- 17. Voltage Regulators.
- 18. Heating Elements and Heating Pads.
- 19. Thermostats for Appliances.
- 20. Plugs and Sockets.
- 21. Connectors and Adaptors.
- 22. Switches of all types.
- 23. Fuses and Fuse Units.
- 24. Circuit Brakers.
- 25. Starters.
- 26. Relays.

- 27. Terminal Blocks.
- 28. Isolators.
- 29. Contactors.
- 30. Capacitors.
- 31. Resistors.

ANNEXURE-I

(Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963)

- 1. Short title and commencement: (1) These rules may be called the Export of Electrical Appliances and Accessorles (Quality Control and Inspection) Rules, 1979.
- (2) They shall come into force on the date of their publication.
- 2. Definitions: In these rules, unless the context otherwise requires:—
 - (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
 - (b) "agency" means any of the Agencies established at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras or any other organisations recognised by the Central Govt. under section 7 of the Act;
 - (c) "Electrical appliances and accessories" shall mean any of the products mentioned in the schedule appended to these rules.
 - 3. Basis and procedure for inspection:
 - (1) The inspection shall be carried out with a view to ensuring that Electrical Appliances and Accessories intended for export, have been produced by exercising the levels of control specified in Annexure II or Annexure III or the quality or the same conforms to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act.
 - (2) Any one of the following schemes of inspection shall be adopted for electrical appliances and accessories, namely:—
 - (a) Self-Certification: (i) Any manufacturing unit fulfilling the norms listed in Angexure-II shall apply to the Regional Office of Export Inspection Council, Aman Chambers (4th Floor), 113, M. Karve Read, Bombay-400004.
 - (ii) Any one of the panels appointed by the Council shall visit such unit and assess as to whether effective quality assurance system is operating satisfactorily.
 - (iii) The units that are approved by the panel shall be recognised under section 7 of the Act, enabling them to issue certificates of export-worthines, for their export consignments.
 - (iv) Such recognition shall be valid for a period of one year, and shall be renewed thereafter based on the continuance of the effective quality assurance system.
 - Provided that if the Central Government is of opinion that any recognition gran'ed to any manufacturing unit should, in the public interest be withdrawn, the Central Government may, after giving a reasonable opportunity to that unit, withdraw, the recognition under seition 7 of the Act.
 - (b) In-process quality control: (i) Any manufacturing unit having adequate in-process quality control as per Annexure III shall apply to the nearest office of the Council, given below:

Export Inspection Council, 14/1B. Ezra Street, Calcutta-700001. - -- ----

Regional Offices :-

- Export Inspection Council, Aman Chambers, 4th Floor, 113, Maharshi Karve Road, Bombay-400004.
- Export Inspection Council, Manohar Building, Mahatma Gandhi Road, Ernakulam, Cochin-682011.
- Export Inspection Council, Municipal Market Bldg.,
 Saraswati Marg.
 Karol Bagh,
 New Delhi-110005.
- (ii) Export Inspection Council shall then arrange a visit to the manufacturing unit and assess as to whether an effective in-process quality control system is operating satisfactorily.
- (c) Consignmentwise inspection: Any manufacturing unit not satisfying the requirements specified in clauses (a) and (b), hall over to any agency their export consignments for inspection which shall be done to ensure that the products manufactured by it conforms to the specification recognised by Central Government under section 6 of the Act. However, such manufacturing units shall arrange for necessary testing facilities in respect of routine and acceptance tests. They shall also be required to produce independent test certificates for type tests.
- (3) The following procedure shall be followed for inspection and certification of electrical appliances and accessories, namely:—
 - (a) Any manufacturing unit recognised under self-certification scheme under clause (a) of sub-rule (2), shall issue certificate of export worthiness for export consignments, manufactured by it.
 - (b) (i) Any exporter (other than those manufacturing units recognised under self-certification scheme) intending to export electrical appliances and accessories shall give intimation in writing of his intention so to do and submit along with such intimation a declaration of the specifications giving details of all technical characteristics as stipulated in the export contract relating to such export, to any one of the agencies to enable it to carry out inspection in accordance with clause (b) or clause (c) of sub-rule (2).
 - (ii) He shall at the same time endorse a copy of such intimation for inspection to the office of the Council nearest to the office of the agency.
 - (c) For export of products manufactured by units approved under clause (b) of sub-rule (2) the exporter shall also submit alongwith such intimations a declaration that the electrical appliances and accessories intended for export has been manufactured by exercising quality control as laid down in Annexure [II] and that the consignment conforms to the requirements of the specifications recognised for this purpose.
 - (d) Every intimation and declaration under Clause (b) or clause (c) shall reach the office of the agency and the Council not less than two weeks prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises.
 - (e) The exporter shall also furnish to the agency the identification marks applied on the consignment.
 - (f) On receipt of the intimation and declaration under clause (b) or clause (c) the agency;
 - (i) in the case of an exporter exporting products manufactured by units approved under clause (b) of sub-rule (2) on satisfying itself that during the process of manufacture the unit, had exercised adequate quality compose as provided under Amerure III and followed the instrutions, if any, issued by the Council in this regard, shall within three days issue a certificate

- declaring the consignment of Electrical Appliances and Accessories as exportworthy. However, the Agency shall, assure through periodic inspections that adequate controls are exercised at the manufacturing premises; and
- (ii) in case of exporter exporting products manufactured by units falling under clause (c) sub-rule (2), shall carry out inspection of electrical appliances and accessories with a view to ensuring that the products conform to the specifications recognised for the purpose.
- (g) (i) After completion of inspection, the agency shall immediately seal packages in the consignment in a manner so as to ensure that the scaled packages cannot be tampered with.
- (ii) In case of rejection of consignment, if the exporter so desires, the consignment may not be sealed by the agency.
- (iii) In such cases, however, the exporter shall not be entitled to prefer any appeal against the rejection.
- (h) If the agency is sa'isfied that the consignment of electrical appliances and accessories complies with the requirements under these rules it shall within seven days of completion of inspection, issue a certificate to the exporter declaring that the consignment is exportworthy;
- Provided that where the agency is not so satisfied, it shall within the said period of seven days issue a rejection letter communicating the reasons therefor.
- (i) As and when required by the agency, the exporter shall supply free of charges for inspection and testing samples of electrical appllances and accessories from export consignment. Such samples shall, however, be returned by the agency after done with,
- 4. Affixation of recognised mark and procedure thereof: The provisions of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 (36 of 1952), the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 and the Indian Standards Institution Certification Marks) Regulations, 1955 shall so far as may apply in relation to the procedure of affixation of the recognised mark or seal on electrical appliances and accessories prior to export and electrical appliances and accessories so marked shall not be subjected to any inspection under rule 3.
- 5. Place of Inspection: Inspection under these rules shall be carried out at the manufacturing or other premises where adequate testing and inspection facilities are available.
- 6. Inspection fee: Inspection fee shall be paid by the exporter to the agency as under:
 - (a) For units under self-certification scheme:
 - Rs. 1,000 per annum for exports of Jess than Rs. 5 lakhs per annum.
 - Rs 2,5000 per annum for exports of over Rs. 5 to 25 lakhs per annum.
 - Rs. 5,000 per annum for expor's of over Rs. 25 to 50 lakhs per annum.
 - Rs. 10,000 per annum for exports of over Rs. 50 to 100 lakhs per annum.
 - Rs. 20,000 per annum for exports exceeding Rs. 100 lakhs per annum.
 - (b) For units under inprocess quality control scheme:
 - At the rate of twenty paise for every hundred rupees of f.o.b value subject to a minimum of rupees hundred only for each consignment.
 - (c) For units under consignmentwise inspection scheme:
 - At the rate of fifty paise for every hundred rupees of f.o.b. value subject to a minimum of rupees hundred only for each consignment.
- 7. Appeal: (1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under rule 3 may within tending of the receipt of the communication of such refusal by him, orters an appeal to a panel of experts, consisting of not less than three persons that may be consituted by the Central Government.

- (2) The panel shall consist of at least two-third of non-officials of the total memberships of the panel of experts.
 - (3) The quorum for the panel shall be three.
- (4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipts.

ANNEXURF-U

(See rule 3)

Norms of Self-Certification

- The unit should have an effective and comprehensive quality control set up covering all operations.
- (ii) The quality control set up should be headed by a competent technical person at a senior level and he should not be reporting to an officer who is in charge of production.
- (iii) The unit should have detailed company standards not only for its products but also for the entire range of raw materials and components that are bought out. Such company standards should not be lower in quality to that of the relevant Indian Standard Specifications.
- (iv) The unit must have its own facilities for routine and acceptance tests and to the extent possible, type tests as well. Further the unit should have necessary equipment for exercising an effective metrological control over the gauges used by them.
 - (v) The unit should have a clearly laid down scheme of testing and inspection indicating the characteristics to be tested and the frequency of testing to ensure conformity of its production to the standard specifications. The existence of a scheme of testing alone would not be sufficient but the unit should be able to convince an independent panel about its efficacy.
 - (vi) The goods to be exported and to be certified under self-certification should conform to the relevant Indian Standard or any other recognised national standard.
- (vii) The unit should have a record of continuous consumer satisfaction in India and in the overseas markets for a minimum period of 3 years. Incidents of complaints of design, manufacture and packaging should be minimum and in the event of any such complaint the unit should have taken effective and positive measures of improvement and ensured customer satisfaction.
- (viii) In the case of direct exports by ancillary units, who are also supplying to O.F. manufacturers in India there should be a consistent record of quality supplies to them for a minimum period of 3 years.
- (ix) Apart from the norms prescribed above, the units will also be required to have the stipulated in-process quality control.

ANNEXURF III

(See rule 3)

In-process Quality Control:

The quality of the electrical appliances and accessories intended for export shall be ensured by the manufacturer by effecting the following controls at different stages of manufacture.

- 1. Brought out materials and components control:
 - (a) Purchase specifications shall be laid down by the manufacturer incorporating the properties of materials or components to be used and the detailed dimensions thereof with tolerances.
 - (h) The accepted consignments shall be either accompanied by a producer's test certificate corroborating the requirement of the purchase specifications or in the absence of such test certificates, samples from each consignment shall be regularly tested to check up its conformity to the purchase specifications. The producer's test certificate shall be counterchecked attenst once in five consignments to verify the correctness.

- (c) The incoming consignments shall be inspected and tested for ensuring conformity to purchase specifications against statistical sampling plans.
- (d) After the inspection or test is carried out, systematic methods shall be adopted in segregating the accepted and rejected materials or components and in disposal of rejected materials or components.
- (e) Adequate records in respect of the abovementioned controls shall be systematically maintained.

2. Process Control:

- (a) Detailed process specifications shall be laid down by the manufacturers for various processes of manulacture.
- (b) Equipment or instrumentation facilities shall be adequate to control the processes as laid down in the process specifications.
- (c) Adequate records shall be maintained to enable the verification of the controls exercised during the process of manufacture.

3. Product Control:

- (a) The manufacturer shall either have his own testing facilities or shall have access to such testing facilities existing elsewhere to test the product as per the standard specification. Adequate records thereof shall be main ained.
- (b) Sampling (wherever required) for testing shall be based on a recorded investigation.
- (c) Each and every assembly shall be checked against a laid down inspection check list.

4. Metrological Control:

Gauges and instruments used in the production and inspection shall be periodically checked or calibra ed and records shall be maintained in the form of history cards.

5. Preservation Control:

- (a) A detailed specification shall be laid down by the manufacturer to safeguard the product from adverse effects of whether conditions.
- (b) The product shall be well preserved both during storage and during transit.

6. Packing Control:

A specification shall be laid down for packing the aforesaid products.

SCHEDULE

(Electrical Appliances and Accessories)

- 1. Hot Plates.
- 2. Kettles.
- 3. Stoves and Cooking Ovens.
- 4. Water Heaters (storage, immersion and instant types).
- 5. Toasters.
- 6. Room Heaters (Radioators and Hot Air Blowers).
- Water Boilers.
- 8. Sauce Pans.
- 9. Food Mixers (Liquidizer, Blenders and Grinders).
- 10. Massagers.
- 11. Hair Dryers.
- 12. Coffee Percolators.
- 13. Irons.
- 14 Clother Washing Machines.
- 15. Shavers.
- 16. Portable Lamp Stands and Brackets.

- 17. Voltage Regulators.
- 18. Heating Elements and Heating Pads.
- 19. Thermostats for Appliances.
- 20. Plugs and Sockets.
- 21. Connectors and Adaptors.
- 22. Switches of all types.
- 23. Fuses and Fuse Units.
- 24. Circuit Breakers.
- 25 Starters.
- 26. Relays.
- 27. Terminal Blocks.
- 28. Isolators.
- 29. Contactors.
- 30. Capacitirs.
- 31. Resistors.

[No. 6(37)/76-EI&EP]

का० आ० 1594.— केन्द्रीय मरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण भीर निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की बाग 8 तथा गरन तं कों का प्रयोग करते हुए, चीनी-मिट्टी के विद्युत रोधकों तथा बृणां के नश्य में यह घोषित करने के प्रयोजन के लिए भारतीय मानक सस्थान प्रताथी-करण चिन्ह को मान्यता देने का प्रस्ताव करती है जहाँ चीनी-मिट्टी के विद्युत रोधकों तथा बृणों पर ऐसे चिह्न लगाए या चिपकाए जाने हैं, वशा पर समझा जाएगा कि वे उक्त अधिनियम के अधीन उनको लागू मानक विसर्वेशों के अनुक्ष हैं;

भीर केन्द्रीय सरकार में पूर्वोक्त प्रस्ताव, नियांत (क्वालिटी नियंत्रण भीर निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम H के उप-नियम H भीकानसार नियांत निरीक्षण परिषद् की भेज विधा है;

भ्रतः, भ्रम, उक्त उपनियम के भ्रतुसरण में, केन्द्रीय गरकार उक्त प्रस्ताव को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिसी उससे प्रभावित होने की संभावता है ।

- 2. मूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्ताय के बरे में कांई प्रापत्ति या सुझाब देने का ढच्छुक व्यक्ति उन्हें देन प्रश्निमूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका में पैतालीम दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद् 'बर्ल्ड ट्रेड मेन्टर' 14/1-बी॰, एखरा स्ट्रीट, (8वीं मित्रल) कनकता-700001 को भेज सकते हैं।
- 3. इस प्रशिष्मणा के प्रयोजन के लिए चीनी-मिट्टी के "विष्कृत रोधकों तथा बुगों" से मीचे दिए गए तथा विश्वत तथा दूर संचार प्रयासी के लिए बनाए गए, चीनी-सिट्टी अ विश्वत रोशक तथा बुग प्रसिदेत इ. प्रवृत्ति :—
- (1) भा॰ मा॰-1445-1966 के समान शिरोपीर पावर लाइनो (1000 बोल्ट में कम) के लिए बीनी-मिट्टी के विशुन रोबक ।
- (2) भा०मा०-283→-1976 के समान नार नथा टेलीकोन की साइनों के लिए चीनी-मिट्टी के विद्युत रोधक प्रयात् भा०मा० 731-1971 के समान पिन या लाइन पोस्ट तथा डिस्क या प्रतबत या स्ट्रिय विद्युत रोधक है।
- (4) भा०मा०-2099-1973 के समान, 1000 वोस्ट से प्रधिक बोस्टना को प्रत्यावर्तन करने के लिए शुर्में ।
- (5) भारमार-2544-1973 के समान 1000 बोल्ट से प्रधिक ब्रंकिस बोस्टना बाली पद्धतियों के लिए चीसी-मिट्टी के पोस्ट विद्युत रोजक ।
- (6) भार मार्क-7421-1974 के समान, 1 किर तोर कि क्ष बीस्टता की प्रत्यावर्तन करने के लिए चीती-मिट्टी की बृशों ।

- (7) भा० मा०-3347-1965 के समान चीनी-मिट्टी की ट्रांस-फार्मर बुर्गे।
- (৪) भारु मारु 4318~1967 के समान शिरों परिकर्षण लाइनों के लिए ठोस कोर चीनी-सिट्टी के विद्युत रोधक ।
- (9) भा० मा०-5300-1963 के समान जीनी-मिट्टी की गाई स्ट्रेन विश्वन रोधक ।
- (10) भा० मा० 3070-के समान, प्रत्यावर्ती धारा प्रद्वतियो के लिए नक्षित निवर्तक ।

[सं० 6(13) 76-नि०नि० नथा नि०उ०] सी० बी० कुकरेनी, संयुक्त निवेशक

S.O. 1594.—Whereas the Central Government in exercise of the powers conferred by section 8 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) propose to recognise the Indian Standards Institution (Certification Mark in relation to porcelain Insulators and bushings for the purpose of denoting that where porcelain insulators and bushings are affixed or applied with such mark, it shall be deemed to be in confirmity with the standard specification applicable thereto under the said Act;

And whereas the Central Government has forwarded the aforesaid proposal to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposal for the information of the public likely to be affected thereby.

- 2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections os suggestions with respect to the said proposal may forward the same within forty five days of the publication of the notification in the Official Gazette to the Export Inspection Council World Trade Centre', (7th floor), 1/1B, Ezra Street, Calcutta-700001.
- 3. For this purpose of this notification, "porcelain insulators and bushings" means the ceramic insulators and bushings meant for electrical and telecommunication systems as mentioned below:
 - (1) Porcelain insulators for over-head power lines (below 1000 volts) similar to IS-1445-1966.
 - (2) Porcelain insulators for telegraph and telephone lines similar to IS-283-1976.
 - (3) Porcelain insulators for over-head power, lines with a nominal voltage greater than 1000 volts e.g. pin or line post and disc or suspension or string insulators similar to IS-731-1971.
 - (4) Bushings for alternating voltage above 1000 volts similar to IS-2099-1973.
 - (5) Porcelain post insulators for systems with nominal voltage greater than 1000 volts similar to IS-2544-1973.
 - (6) Porcelain bushings for alternating voltage upto and including 1 KV similar to IS-7421-1974.
 - (7) Porcelain transformer bushings similar to IS-3347-1965.
 - (8) Solid core procelain insulators for overhead traction lines similar to IS-4318-1967.
 - Porcelain guy strain insulator similar to 1S-5300-1969.
 - (10) Lightening arrestors for alternating current systems similar to IS-3070.

[No. 6(13)/76-EI&EP] C. B. KUKRETI, Jt. Director अम निर्धारित भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक

वाणिज्य, नागरिक पृति तथा सहकारिता मंत्रालय

(नागरिक पृति तथा सहकारिता विभाग)

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1979-04-26

कार्य 1595 — भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के नियम 3 के उपविनियम 2 तथा विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के प्रनृतार भारतीय मानक संस्था एनद्द्वारा घछिसूचिन किया जाना है कि जिन भारतीय मानकों के स्पौरे नीचे प्रनृतूची में दिए गए हैं, व 1976-06-30 को निर्धारित किए गए हैं:

नए भारतीय मानक द्वारा रष्ट्र किए गए

अनुसूची

गः. सं ड या		भारतीय मानक की पद संख्या और कीर्षक	
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 34-1975 रंग रोगन के लिए सीमा के क्षारीय कारबोनेट (सफेदा) की विभिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 34-1950 रंग रोगन के लिए सीमा के क्षारीय कारबोनेट (सफेदा) की विशिष्ट	1976-04-30 की निर्धारित *भारतीय मानक संस्था की प्रमाणन चिह योजना के अंतर्गन
2-	IS: 79-1975 रंग रोगन के लिए ग्रलमी के तेल से बने स्टैण्ड तेल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 79-1950 रंग रोगन के लिए स्टैण्ड नेल (क) हरका (ख) मध्यम (ग) भारी (ख) विशेष भारी की विशिष्टि	IS : 341975, 1976-11-30 में लागू होगा - 1976-05-31 को मिर्घारित
3.	IS: 228 (भाग 10)-1976 इस्पान के रमायितक विश्वनेषण की पद्धति भाग 10 अल्प तथा उच्च मिश्र इस्पातों में थायोसायनेट (फोटो मापी) पद्धति (1 प्रतिशत तक मालीम्बीनम के लिए) इसरा पुनरीक्षण)	IS: 228-1959 कच्चा लोहा, ढलवा तथा मादे कार्यंत एवं ग्रस्प मिश्र इस्पातों की रसायनिक विश्लेषण पद्धति (पुनरीक्षित)	
4	IS: 228 (भाग II)-1976 इस्पातों के रसायनिक विश्लेषण की पद्धति भाग II कार्बन इस्पातों तथा अल्प मिश्र इस्पातों में फोटो मापी पद्धति सिलिकॉन (0.01 से 0.05 प्रतिशत तक मिलिकोन के लिए) का निर्धारण (द्वितीय पुनरीक्षण)	S: 228-1959 कच्या लोहा, बलवां तथा स् कार्बन एवं अरुप मिश्र इस्पासों की रसायनिक विश्लेषण पद्धति (पुनरीक्षण)	
5.	IS : 228 (भाग 12) -1976 हस्यातो के रसायिक विक्लेषण की पद्धति भाग 12 श्रस्य तथा उच्च मिश्र हस्यातों में फोटोमापी पद्धति मैंगनीज (2 प्रतिशत तक मैंगनीज के लिए) का निर्धारण (दितीय पुनरीक्षण)		19 76- 05-31 को निष्ठारित
6.	IS: 267-1976 प्रक्रिय विद्युत सेलों की विणिष्टि (तीमरा पुनरीक्षण)	IS: 267-1963 श्रिक्य विद्युत मेलों की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	
7.	IS: 268-1976 लेकलैंच प्रकार की सेक-सेलों की विभिन्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 268-1959 लेकलैंच प्रकार की सेक-सेल विशिष्ट (पुनरीक्षित)	``
8	. IS: 283—1976 तार तथा टेलीफोन लाइनों के लिए फोर्स- नेन रोधकों की विणिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	IS: 283-1966 तार तथा टेलीफोन लाइन के लिए पोर्सलेन रोधकों की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	
9.	IS: 1094-1976 हथकरघो के सूती गहों के कपड़े की विभिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS: 1094-1957 हथकरधे के सूनी गद्दों के कपड़े की विभिष्टि	
10.	IS: 1108-1975 औषधि सम्बन्धी कांच के धारकों की विभिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 1108-1965 औषिक्ष सम्बन्धी गोल वतर्य मुह वाली कांच की बोतलों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	
11.	IS : 1200 (भाग 12)-1976 इमारती तथा सिक्लि इंजीतियरी कार्यों की मापन पद्धति भाग 12 पलम्तर कराई तथा टिपाई (सोसरी पुनरीक्षण)	IS: 1200 (भाग 12)1971 हमारती त सिविल इंजीनियरी कार्यों की मापन पद्धानि भाग 12 पलस्तर भराई तथा टिपाई (बूसरा पुनरीक्षण)	था
12	. IS . 1200 (भाग 13)-1976 इसारती तथा मिविल इंजीनियरी कार्यों की मापन पद्धति भाग 13 मफेंद कराना, रंग पुताई, डिमटेम्पर कराना तथा ग्रन्य पुताईयां (तीसरा पुतरीक्षण)	प्रशासन । IS: 1200 (भाग 13)-1970 इसारती तथा मिथिल इंजीनियरी कार्यों की मापन पद्मति भाग 13 सफेदी कराना, रंग पुताई, डिसदेम्पर करना तथा प्रन्य पुताईयां (दूसरा पुनरीक्षण)	т

-=-			
()	(3)	(a)	(1)
13	. $IS: 1200$ (भाग 15)—1976 इमारती तथा सिविल इंजीनियरी कार्यों की मापन पद्धति भाग 15 रंग रोगन, पालिश, वार्तिण श्रादि (तीसरा पूनरीक्षण)	सिविल इंजीनियरी कार्यों की मापन पद्धति	
14	[S: 1449-1976 मैंगनीज अयस्क की बानगी लेने की पद्धात (पहला पुनरीक्षण)	lS: 1449-1961 मैंगनीज भयस्क की बानगी	
15	. IS: 1680-1976 ग्रमण ब्यायलरों के लिए उपयुक्त जल के उपचार की रीति संहिता (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 16801968 अजल स्थायभरों के लिए उपयुक्त जल के उपचार की रीति मंहिता (पहला पुनरीक्षण)	
16.	. IS: 1828—1975 तनाव परीक्षण मणीन के भार मस्यापन की पद्धति (पहुला पुनरीक्षण)	IS: 1828-1961 इस्पात के तनाव परीक्षण मंगीन के भार संस्थापन की पद्धति	
17	. IS: 1889 (भाग 2) - 1976 कई तथा नव-विकसित सेलू- लोज धार्गो के व्यिअंगी परिमाणात्मक रसायनिक विक्लेषण की पद्धति भाग 2 वैकोक्सेन बोलक पद्धति		1976-05-31 को निर्धार्यित
18.	IS: 1956 (भाग 5)-1976 लोहा एवं इस्पात सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दावली भाग 5 वमकीले इस्पात की सरिया तथा इस्पात के नार (पहला पुनरीक्षण)	IS: 1956-1962 लोहा एवं इस्पात मम्बन्धी परिभाषिक मन्दावली	
19.	IS: 2105-1975 सामान्य उपयोग की नेटरप्रेस के लिए काली स्वाही की विशिष्टि (पहुसा पुनरीक्षण)	IS: 2105—1962 सामान्य उपयोग की लेटर- प्रेस के लिए काली न्याही की विशिष्टि	1975-10-31 को निर्धारित
20.	IS: 24401975 इमारतों में दिवा प्रकाण व्यवस्था की संबक्षिका (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 2440-1968 इमारतों में दिशा प्रकाश व्य- वस्था की रोनि संदर्शिका (पहला पुनरीक्षण)	19 76-04-30 को निर्धा रित
21.	IS : 2469~1976 जिपसम् सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दावली (पहला पुनरीक्षण)	IS: 2469-1963 जिपसम् सम्बन्धी पारिभाषिन शब्दावली	5
22.	IS: 2507-1975 कमानियों के लिए ग्रांन वेल्क्स इस्पान की पत्तियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 2507-1965 कमानियों के लिए गीत बेल्बित इस्पान की पत्नियों की विशिष्टि	1976-04-30 को सिर्धारित
23.	. IS: 2547 (भाग 1)~1976 इमारतों के लिए जिप्सम पलस्तर की विशिष्टि भाग 1 पूर्ण मिश्रित हल्के वजन वाले पलस्तर के म्रतिरिक्त (पहला पुतर्राक्षण)	IS: 2547-1963 इसारतों के लिए जिप्सम पलस्तर की विशिष्टि	
24	. IS : 2720 (भाग 23)—1976 मृश्तिका परीक्षण पद्धांतयां भाग 23 मैंस्मिम कार्बोनेट की मात्रा ज्ञान करना (पहला पुनेरीक्षण)	IS: 2720 (भाग 23)1966 मृस्तिका परीक्षण पद्धतियां भाग 23 फैल्शियम कार्बोनेट की माझा ज्ञात करमा	ं 1976-05-31 को निर्धा रित
25.	IS: 2879-1975 मेटल मार्क वेल्डिंग के इलेक्ट्रोड कोर तार के लिए मृदु इस्पात की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 2879-1967 मेटल श्रार्क वेल्डिंग के इलेक्ट्रोड कोर तार के लिए मृदु इस्पात की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1976-01-31 को निर्घारित *भा०मा० संस्था के प्रमाणन जिह्न योजना के लिए IS: 28791967 नेया IS: 2879- 1975, 1976-08-31 तक साथ माय लागु रहेंगे।
26.	IS: 3837-1976 बिजली की जायरिंग के लिए इस्पान की सक्त तार नालियां की चिक्रिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 33371966 बिजली की वायरिंग के लिए इस्पात की सकत तार नालियों की विशिष्टि	
27.	IS: 4130-1976 इमारतें गिराने की सुरक्षा संहिता (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4130-1967 इमारतें गिराने की सुरक्षा संहिता	
28.	IS: 4475~1975 सोहै की बलाई कारबानों के लिए केन से सटकाए तथा हाथ से चलाने वाले गियर लगे करछुनों सैडिलों की विमिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4475-1967 लोहे की बलाई कारचानों के लिए केन से लटकाए तथा झुच से चलाने वाले गियर लगे करखुलों लैंडिलों की विणिष्टि	1976-05-31 को निर्धापित
29.	IS: 6763 (भाग 2)-1976 ट्रेलरीं के पांचवें पहिए की प्रमुख पिद की विकिथ्त भाग II 89 मिमी ज्यास	_	1976-05-31 को मिक्षपित
30.	IS: 7348 (भाग 3)-1975 वंत-चिकित्सा सम्बन्धी णक्दा- चली भाग 3 वंत सामग्री	_	_
31.	IS: 7436 (भाग 2)-1976 नदी बाटी योजनाओं में भागारों की मापन प्रकार संदक्षिका तथा माप यंकों के बुनाव तथा स्थिति के जुनाव की कसौटियां भाग 2 कंकीट सबा भिनाई बांध	*****	<u>-+</u>
			·

(2)	(3)	(4)
2. IS : 7503 (भाष 2)⊶1976 रबड़ उद्योग संबंधी पारि- भाषिक शब्दावली भाग 2		
भाग 2 3. IS: 7739 (भाग 7)-1975 धातुलेखी नम्ने नैयार करने की रीति संहिता भाग 7 मैगनीशियम भौर उसकी भिश्रधातुम् एवं उनके		1976-05-31 को निर्धारित
परीक्षण परीक्षण		
4. IS: 7739 (भाग 8)-1975 धासुलेखी नमूने तैयार गरने की रीति संहिता	~~	
भाग 8 निकेल भौर उसकी मिश्रधातु एवं उनके परीक्षण 5. IS: 7739 (भाग 9)-1975 धानुलेखी समने तैयार करने		
की रीति संहिता। भाग 9 सोना, भाँदी, प्लेटिनम, पैलेडियम तथा उनकी मिश्रधादुए		
6. IS : 7739 (भाग 10)—1975 धातुलेखी नमृते तैयार करने की रीति संहिता		***
भाग 10 बंग भीर उसकी मिश्रधातु एवं उनके परीक्षण		
7. IS: 78591975 ब्राई०एम०ब्री० फिट साइजों (सोकेतिक ब्राकार 500 मिमी तक) के भीतरी मापन के लिए सावे भाषकों के लिए मापन छुटें तथा निर्माण छुटे		1976-05-3। को सिर्धारित
8. IS: 7894—1975 प्राई०एम०ग्रो० फिट साइजों (मांकेतिक ग्राकार 500 मिमी नक) के भीतरी मापन के लिए मावे मापकों के लिए मापन छूटें तथा निर्माण छूटें	<u>.</u>	1976-05-31 को निर्धारिक
 IS: 7894—1975 मिइटी के बौधों की स्थिरता परीक्षण की रीति महिता 		
का राज नाह्या p. IS : 7920 (भाग 1) -1976 सौक्ष्यिकी शस्दावली एवं प्रतीक : भाग 1 सामान्य सौक्षियकी श≈द		1976-05-31 को निर्धारित
 IS: 7921-1975 श्रीतिज समन्त्रयन तथा निर्धवक मापों के लिए माडुलीय समन्त्रयन सम्बन्धी बहुमाड्यूलों श्रीर तरजीही साइजों की सिफारिश 		1976-05-31 को निर्धारिय
 IS: 7922-1975 अध्वसमन्त्रयन तथा नियंत्रक मापों के लिए माङ्क्षीय समन्त्रय सम्बन्धी बहुमाङ्ग्यूलों भौर तरजीही साङ्कों की सिफारिंग 		1976-05-31 को निर्धारित
 IS: 7931 (भाग 2)—1975 स्थतः समायोजी भाकौ वाली, स्वचल तथा श्रधस्वचल वेस्डिंग उपस्कर की विणिष्टि (भिग/सैंग कियाएं) । 		1976~05~31 को निर्धारित
 IS: 7941-1976 मंकु परीक्षण द्वारा कपड़ों की पानी हटाने की क्षमता निर्धारित की पढ़ित 		1976-05-31 को निर्घारित
 IS : 7942-1976 श्रीक्षणिक इमारतों में दिन में प्रकाश व्यवस्था भी रीति संहिता 		1976-05-31 को निर्धारित
3. IS : 79501976 तकनीकी, फेनथियन की विविधिट		1976-05-31 को निर्धारित
 IS: 7953—1976 मोटर गाइट्यों के हार्न के रियों की विभिष्टि 	—	1976-05-31 को निर्धारित
8. IS: 7976-1976 तकभीकी फोरेट की विणिष्टि		_
9. 1S : 7978—1976 रिबेट कार्टने की वायुवालित मणीन की विविष्टि		•
o. IS : 7979—1976 रिबेट जडने आसे वायुष्पालित हथीड़े की विधिष्टि		~-
1. IS 79841976 कर्षण मसाले की विणिष्टि		

			[
(1)	(2)	(3)	(4)
52. IS 7988	3-1976 क्रीमेल कोपेल थर्मोकपल की निर्देश सारिणी		
	2-1976 निर्मात के लिए सम्बाक् पैक करने के वक्सों की विधिष्टि		
54. IS 799 की विशि	6—1976 पावर माकेट रिवों के चालक स्वयायर स्ट		
55. IS 799 की विशि	8—1976 मोटर साइकिलों के लिए का टैक्ट भे कर स्ट	-make-s	
56. IS 799 की विशि	9─1976 नरल बानगियों के लिए परीक्षण कांच ⁸ ट		
	21976 लभीले पी०वी०सी० (श्वचीले पासीविका- ईड) के वेरिकंग की घनुशंसित विधि	_	
	∂–1976 इमारती लकड़ी की चौकियों (पैंसेट) ठाने की सिफारशें		
	।3 – 1978 मछली पकड़ने वाले जहाजों के समुद्री नों के चुनाव एवं परीक्षण की निर्देशिका ॄै		
,	4—1976 रंगाई तथा फिनिश देने की मशीनों के तथा नामकरण		
61. IS 801 की विशि	!5—197∂ तेल क्रमों की हस्त चालित द्राक्षियों षेट		
सिलिंडरों	916—1976 ध्रीबोगिक उपयोग के लिए गैंस (ध्रावसीजन तथा धुली हुयी एसीटीलीन) की तत ट्रालियों की विशिष्टि	<u></u> .	
	।8—1976 पर्मोक्पुल के इ लीमेंटों के लिए प्लैंटीनम लिम के मिश्रघातुमों की विशिष्टि _,	-	
64. IS 802	0—19'70 दांतों की माधार प्लेट की विशिष्ट		_ .
65. IS [/] 80 विशिष्टि	211975 दोतों के लिए चिपचिपी मोम की ,		
66. IS:80 विशिषिट	22-1976 एकी लिकरेजिम के बने दांसों की	, amount of the control of the contr	Amalifornia (
67. IS : 802	5 1 97 8 तकनीकी मोनोकोटोफांस की विकिष्टि		_
es. JS : so: विशिष्टि	26—1976 फारमोथियन पायसनीय तेज द्वय की		
विशिषिट	27—1976 प्रोपैनील पायसनीय तेज द्रव की		
70. IS : 80: विशिष्टि	2.81976 वित्रनालफास पायसनीय तेज द्रव की		
	91976 विवनासफास धूलन पाउडर की विशिष्टि		44-4
72. IS : 80: विगिष्टि	31—1976 वाट्सन चेएन नमूने के विछेदक की	—	
73. IS : 803 विशिष्टि	9-1976 हथकरचे की मिश्रिस सूनी साड़ियों की		
74. IS: 80 विशिष्टि	401976 कोचर नमूने के धमनी फोर्सेप्न की		
की शीस	71976 समीनी पेंचों के निर्माण (टोपी बनाने विधि द्वारा) में प्रयुक्त तार छड़ों के उत्पादन त्पात के इंगड मौर विलेट की विशिष्टि		

इन भारतीय मानकों की प्रतियांविकी के लिए भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरणाह जफर मार्ग, भई दिल्ली-110002, मे तथा इस के शाखा कायीलयों: महमदाबाद, बंगलीर, बन्बई, कलकरता, घंडीगढ़, हैदराबाद, कामपुर, महास, पटना मौर त्रिवेम्द्रस में उपलब्ध है ।

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & CO-OPERATION

(Department of Civil Supplies & Co-operation) INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 1979-04-26

S.O. 1595.—In purusacne of Sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations(2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1976-06-30.

SCHEDULE No. and Title of The Indian No. and Title of the Indian Standard or Remarks, if any Sl. No. Standards Established Standards, if any, superseded by the new Indian Standard (2)(3) (1) (4) 1. IS: 34-1975 Specification for basic IS: 34-1950 Specification for basic car-Eastablished on 1976-04-30 carbonate of lead (white lead) for paints *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 34—1975 shall come in force with effect from 1976-11-30. bonate of lead (white lead) for paints. (first revision) 2. IS: 79—1973 Specification for linseed IS: 79—1950 Specification for stand oil for paints (a) light (b)7medium (c) heavy Established on 1976-05-31. (first revision) (d) extra heavy 3. IS: 228 (Pt X)-1976 Methods for che-IS: 228-1959 Method of Chemical analysis of pig iron, cast and plain carbon and low-alloy steels (revised) mical analysis of steels X determination Part bdenum by thiocyanate (photometric) method (for molybdenum up by to 1 per cent) in low and high alloy steels (second revision) 4. IS: 228(Pt XI)-1976 Methods IS: 228-1959 Methods of Chemical analysis of pig iron, cast and plain carbon and low-alloy steels chemical analysis of steels Part XI Determination of silicon by (revised) photometric method in carbon steels and low alloy steels (for silicon 0-01 to 0.05 percent) (second revision) 5. JS: 228 (Pt XII)-1976 Methods for -do-Established on 1976-05-31 chemical analysis of steels Part XII Determination of manganese by periodate (photometric) method in low and high alloy steels (for manganese upto 2 per cent) (second revision) 6. IS: 267-1976 Specification for inert IS: 267-1963 Specification for inert cells (third revision) cells (second revision) 7. IS: 268-1976 Specification for leclan-IS: 268-1959 Specification for leclanche che type sack cells (second revision) type sack cells (revised) IS: 283—1966 Specification for porcelain insulators for telegraph and telephone 8. IS: 283—1976 Specification for por-celain insulators for telegraph and telephone lines (third revision) lines (second revision) IS: 1094—1976 Specification for hand-loom cotton gada cloth (first revision) IS: 1094-1957 Specification for handloom cotton gada cloth, grey 10. IS: 1108-1975 Specification for phar-IS: 1108-1965 Specification for medi-Established on 1976-04-30 maceutical glass containers (second revicinal round glass bottles, nerrow mouth IS: 1200(Pt XII)—1971 Method of measurement of building and civil enginee-11. IS: 1200(Pt XII)-1976 Method of measurement of building and civil engineering ring works Part XII Plastering and pointing (second works Part XII Plastering and pointing (third revision) revision) 12. IS: 1200(Pt XIII)—1976 Method of measurement of building and civil engineer-IS: 1200(Pt XIII)-1970 Method of measurement of building and civil engineering works. ing works Part XIII whitewashing, colour, Part XIII Whitewashing, colour washing, distermpering and other finishes washing distempering and other finishes (second revision). (third revision). IS: 1200 (Pt XV)—1976 Methods of measurement of building and civil engin-neering works Part XV Painting poli-IS: 1200 (Pt XV)-1968 Method measurement of building and civil enincering works Part XV Painting (second shing, varnishing etc. (third revision). revision).

_===			
(1)	(2)	(3)	(4)
	IS: 1449—1976 Methods of sampling manganeses ore (first revision)	IS: 1449—1961 Methods of sampling man- gensese ore.	<u>-</u>
	treatment of water for land boilers, (second revision).	IS: 1680—1968 Code of practice for treatment of water for land boilers (first revision).	
16.	IS: 1828—1975 Method for load verification of tensile testing machine. (first revision).	1S: 1828—1961 Method for load calibration of testing machines for tensile testing of steel.	-
	IS: 1889 (Pt II)—1976 Method of quantitative chemical analysis of binary mixtures of regenerated cellulose fibres and cotton Part II Cadoxen solvent method	_	Established on 1976-05-31.
18.	1S: 1956 (Part V) 1976 Glossary of terms relating to rion and steel Part V Bright ste and bar and steel wire (first revision).	IS: 1956—1962 Glossary of terms relating iron and steel.	to —
	press ink, black, general purposes (first revision).	IS: 2105—1962 Specification for letter- press inks, black, general purposes	Established on 1975-10-31.
	of buildings (second revision).	IS: 2440—1968 Code of practice for day- lighting of buildings. (first reversion)	
	ing to gypsum (lirst revision).	IS: 2469—1963 Glossary of terms re- lating to gypsum.	
	rolled steel strips for springs, (first revision)).		Established on 1976-04-30
23.	IS: 2547 (Pt I)—1976 Specification for gypsum building plaster. Part I Excluding premixed lightweight plasters (first revision).	lS: 2547—1963 Specification for gypsum building plaster.	
24.	IS: 2720 (Pt.XXIII)—1976 Methods of test for solls Part XXIII Determination of calcium carbonate. (first revision).	IS: 2720 (Pt XXIII)—1966 Methods of test for soils Part XXIII Determination of calcium carbonate.	Established on 1976-05-31.
25.	IS: 2879—1975 Specification for mild steel for metal are welding electrode core wire. (second revision).	1S: 2879—1967 Specification for mild steel for metal are welding electrode core wire.(first revision).	Established on 1976-01-31 *for purposes of ISI Certification Marks Scheme IS: 2879—1967 shall run con- currently with IS: 2879—1975 up to 1976-08-31.
26.	IS: 3837—1976 Specification for accessories for rigid steel conduits for electrical wiring (first revision).	IS: 3837—1966 Specification for accessories for rigid steel conduits for electrical wiring.	
27.	IS: 4130—1976 Safety code for demo- lition of buildings (first revision)	IS: 4130—1967 Safety code for demolition of building.	~
28.	IS: 4475—1975 Specification for crane- suspended hand operated geared ladles for iron foundries (first revision).	IS: 4475—1967 Specification for crane suspended hand operated geared ladles for iron foundries.	Established on 1976-05-31.
29.	IS: 6763 (Pt II)—1976 Specification for fifth wheel king pin for trailers Part II 89 mm Diameter		Established on 1976-05-31
30.	IS: 7348 (Part III)—1965 Glossary of terms relating to dentistry. Part III Dental material	-	-
	IS: 7436 (Pt II)—1976 Guide for types of measurements for structures in river valley projects and uriteria for choice and location of measuring instruments Part II Concrete and masonry dams	_	<u>-</u>
32.	IS: 7503(Pt II)1976 Glossary of terms used in rubber industry Part II		_
33.	IS: 7739(Pt VII)-1975 code of practice for preparation of metallographic specimens Part VII Magnesium and its alloys and their examination	-	Established on 1976-05-31
	tion communication		

(1) (2)	(3)	(4)
34. IS: 7739(Pt VIII)—1975 Code of prac-	_	
tice for preparation of metallographic specimens		
Part VIII nickel and its alloys and their examination	_	_
35. IS: 7739(Pt IX)—1975 Code of practice for preparation of metallographic speci-	_	_
mens Part IX Gold, silver, platinum palladium and their alloys		
36. IS: 7739(Pt X)-1975 Code of practice	_	~
for preparation of metallographic speci- mens Part X Tin and its alloys and their exami-		
nation		
37. IS: 7859—1975 Gauge allowances and manufacturing tolerances for plain gauges for inside measurements for ISO fit sizes (nominal size upto 500 mm)	-	Established on 1976-05-31
38. IS: 7876—1975 Gauge allowances and manufacturing tolerances for plain guages for outside measurements for ISO fit sizes (nominal size up to 500 mm)	<u></u> -	Established on 1976-05-31
 IS: 7894—1975 Code of practice for stability analysis of earth dams 	_	~
40. IS: 7920(Pt I)—1976 Statistical vaca- bulary and symbols Part I General statistical terms	_	Established on 1976-05-31
41. IS: 7921—1975 Recommendation for modular co-ordination multimodules and preferred sizes for horizontal co-ordinating and controlling dimensions		Established on 1976-05-31
42. IS: 7922—1975 Recommendation for modular co-ordination multimodules and preferred sizes for vartical co-ordinating and controlling dimensions		Established on 1976-05-31
43. IS: 7931(Pt II)—1975 Specification for automatic and semi-automatic welding equipment with self-adjusting arcs (Mig/Mag processes)	_	Establis hed on 19760531
44. IS: 7941—1976 Method for determining the water pepellency of fabrics by	_	Established on 1976-05-31
conetest 45. IS: 7942—1976 Code of practice for daylighting of educational buildings	<u> </u>	Established on 1976-05-31
46. IS: 7950—1976 Specification for fen-		Established on 1976-05-31
thion, technical		
47. IS: 7953—1976 Specification for horn rings for automobiles		Es tablished on 1976-05-31
48. IS: 7976—1976 Specification for phorate, technical	-	_
49. IS: 7978—1976 Specification for pneu-	_	_
matic rivet cutters 50. IS: 7979—1976 Specification for pneu-	_	<u> </u>
matic rivetting hammers 51. IS: 79841976 Specification for rub-	_	_
bing compound 52. IS: 7988—1976 Reference tables for		_
chromel-kopel thermocouples 53. IS: 7992-1976 Specification for ply-		_
wood cases for packing tobacco for		•
export 54. IS: 7996—1976 Specification for driving squares for power socket wrenches	_	
55. IS: 7998-1976 Specification for con-	_	<u></u>
tact breakers for motorcycles 56. IS: 7999—1976 Specification for tas-	_	_
ting glass for liquid samples 57. IS: 8002—1976 Recommended procedure for welding of flexible PVC (flexible polynical blooded)	_	
polyvinyl chloride)		

(1) (2)	(3)	(4)
58. IS: 8006-1976 Recommendations for	<u> </u>	
handling of timber pallets		
59. IS: 8013—1976 Guide for selection and		_
testing of marine diesel engines for fishing		
vessels		
60. IS: 8014—1976 Classification and	_	_
nomenclature of dyeing and finishing		
machinery		
61. IS: 8015—1976 Specification for hand	-	_
trolleys for oil drums		
62. IS: 8016—1976 Specification for hand		
trolleys for gas cylinders (oxygen and		
dissolved acetylene) for industrial use		
63. IS: 8018—1976 Specification for	-wir	****
platinum and platinum alloy wires for		
thermocouples elements 64. IS 8020—1976 Specification for base-		
plate, dental		
65. IS: 8021—1975 Specification for dental		
sticky wax.	•	_
66. IS: 8022—1976 Specification for acrylic-	_	
resin teeth.		_
67. IS: 8025—1976 Specification for mono-	<u> </u>	_
cropohos, technical		
68. IS: 80261976 Specification for formo-		
thion emulsifiable concentrates		<i>,</i> _
69. IS: 8027—1976 Specification for propanil		
emulsifiable concentrates		_
70. IS: 8028—1976 Specification for quinal-	_	¬- -
phos emulsifiable concentrates		
71. IS: 8029-1976 Specification for qui-	_	<u> </u>
nalphos dusting powders		
72. IS: 8031-1976 Specification for dis-		_
sector, Watson Cheyne's pattern		
73. IS: 8039-1976 Specification for hand-	_	
loom cotton mix saris		
74. IS: 8040—1976 Specification for for-		
Artery, Kochers' pattern		
75. IS: 8057—1976 Specification for steel	•—•	<u> </u>
ingots and billets for the proudction of		
wire rod for the manufacture of machine		
screws (by cold heading process)		

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras and Trivandrum.

[No. CMD/13:2]

का॰का॰ 1596 --भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विशियम, 1955 के नियम 3 के उपवितियम 2 तथा विनियम 3 के उपविशियम (2) ग्रीर (3) के मनुसार भारतीय मानक संस्था एतव्दारा मधिसूचित किया जाना है कि कि जिन भारतीय 8 मानकों के ज्यौरे नीचे ग्रमुसूची में दिसे ,ये हैं वे 1976-04-30 को निर्धारित किये गये हैं।

		अनुसूच ः	
ऋम संख्या	निर्धारित मःरतीय मानक की संख्या श्रौर गीर्षक	नमे भारतीय मानक द्वारा रह किये गये भारतीय मानक की पदसंख्या स्रौर सीर्षक	अन्य विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1. IS	: 362-1975 पालियामेंट कब्जों क विशिष्टि (तीसरा प्रनरीक्षण)	IS: 362- 1968 पालियामेंट कब्जों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	1976-01-31 को स्थापित
_	: 412-1975 सामान्य कार्यों के लिये इस्पात की बर्फी जाली की विष्टि (दूसरा पुनरीक्ष ण)	IS: 412-1962 सामान्य कार्यों के लिखे बर्फी जाली की विशिष्टि (पुनरीसित)	1976-03-31 को स्थापित
	:903-1975 मान बुझाने के होज क प्रदाय कपलिन बांच प्र नोजेल ग्रौर नोजेल के पानों की विधिष्टि(दूसरा पुनरीक्षण)	IS 9031963 त्रान बुझाने के होज के प्रदाय कपनिंग, बांच पाइप नोजे ल धौर मोजेन के पानों की विशिष्टिः (पुनरोक्सर)	ं 1975-09-30 को स्थापित

(1)	(2)	. (3)	(4)
	S: 1061- 1975 कीटाणुनाभक द्वज, काला श्रीर सफेद की विभिन्टेट (दूसरा उत्तरीक्षण)	[#] TS: 1061~1964 कीटाणुनाणक द्व ा फाला भौरु सफेर की त्रिभिष्टि (पुनरीक्षित)	975-11-30 को स्थापित [*] धाईएसमाई अमाणन मृहर योजना के लिये IS: 1061-1964 भीर IS 1061-1975 1976-00-30 तक माथ-साथ लागू रहेगा ।
	IS: 1117 1975 एक जिन्ह नाले पिपेट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 1117-1968 एक चिन्ह् वाले पिपेट की विशिष्टि	1975-11-30 की स्थापित
	IS; 1280-1975 फाउंड्री के लिये इस्पात के बने साँचों के बक्सों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 1280-1967 फाउंड्री के लिये हस्पात के बने मौजों के बक्से की विधिक्टि (पहला पुनरीक्षण)	
	IS: 1285-1975 सामान्य इंजनियरी कार्यों के लिये पिटवाँ ए लुॉम- नियम भीरए लुमिनियम मिश्र के कढ़वाँ गोल ट्यूब श्रीर खोखले मेक्शनों की विशिष्टि (दूसरा पुकरीक्षण)	IS: 1285-1968 सामान्य इंजीनियरिंग क के लिये पिटवाँ एलुमिनियम घौर ए लुमि नियम मिश्र के कढ़वा गील ट्रयूव और खोखले मेकानो की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	
8.	IS: 1329-1975 वायुयामों की लकड़ी (बांक ग्रीप स्कैन्ट्रलिंग) की विशिष्टि (पहुन्ता पुनरीक्षण)	IS: 1329- 1958 श्रागे कटाई कार्यों के लिये वायुयामीं की लकड़ी की विशिष्टि	1976-03-31 को स्थापित
9.	IS: 1537- 1976 पानी, गैस झौर मल के लिये ऊर्ध्य ढलवा लोहे के उच्चदाब पाइपों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 1537-1960 पानी, गैंस और मल के लिये अर्घ्य ढलयां लोहे के पाइपों की विशिष्टि	1976-03-31 को स्थापित
10.	IS: 1802-1975 इसोनोन की विशिष्ट (पहला पूनरीक्षण)	IS: 1802-1961 इयोनोन की विणिष्टि	
11.	IS: 1804-1976 इस्पात के तार के रस्सों के लिये फाईवर कोर की विक्रिक्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS! 1804-1961 इस्पान के तार के रस्सों के लिये फाइबर कोर की विशिष्टि	
12.	IS: 1956(भाग 3)-1975 लोहे और इस्पास संबंधी शब्दावली भाग 3 गर्म वैस्थित उत्पाद (चादर श्रीर पत्ती के श्रलावा) (पहला पुनरीक्षण)	IS: 19561962 लोहे ग्रीर इस्पान मंबंधी शब्दावली	
1 3.	IS: 1956(भाग-4)-1975 लोहे और इस्पात संबंधी शब्दावली भाग 4 जादर और पत्ती (पहला पुनरीक्षण)	IS: 1956-1962 लोहे घौर इस्पात संबंधी गन्द ावली	
14.	IS: 1971-1972 एक माली बाले रकाबदार पम्प की विशिष्टि (बूसरा पुनरीक्षण)	IS: 1971-1965 एक नाक्षी वाले रकाबदार पम्प की विशिष्टि (पुनरीक्षिर	1972-06-30 को स्थापित त)
	IS: 2261-1975 फ्लैशलाइट के बस्थ की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 2261-1963 फ्लैशलाइट के बरूब की विशिष्टि	1976-03-31 को स्थापित
16.	IS: 2494-1974 भौद्योगिक कार्यों के लिये वी बैस्ट की विभिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 2494-1964 श्रीधोगिक कार्यों के लिये नी मैल्ट की विशिष्टि	1975-07-31 को स्थापित
17.	IS: 2720(भाग 34)-1975 मृतिका के परीक्षण प्रवृतियाँ भाग 34 प्रयोगशाला में दानेवार मिस्टी की प्रवेश्यत परीक्षण (स्थिर वाम सं)		1978-03-31 को स्थापित
18-	IS: 2781-1975 मिरैमिक सामान संबंधी शब्दावली (पहला पुनरीक्षण)	IS: 2781 -1964 सिरैमिक सामान संबंधी शब्दावली	
19.	IS: 2922-1975 तम्बुओं के लिये लकड़ी की मृगरी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 2922-1964 तम्बुझों के लिये लकड़ी की मुंगरी की विशिष्टि	
20.	IS: 2927-1975 पीतल के टीकों की मिश्रधातुकी विभिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	lS: 2927-1964 पीतल के टीके की विभिष्टि मिश्रधात् की विभिष्टि	1975-12-31 को स्थापित "भाईएसआई प्रमाणन मुहुर योजना के सिये IS: 2927-1964 भीर IS: 2927-1975 1967-05-31 तक साथ-साथ लागू रहेंगे।
21	IS: 2952(भाग 2)1975 सर्र ध्र पिट्ट्यों घीर नीजक्षें द्वारा तरल का बहाव मापने की पद्धति संबंधी सिफारियों भाग 2 तरल	~~	1975-12-31 को स्थापित
22	. IS: 2276→1975 इस्पात फाउंड्री के लिये ऋेननिलम्बित हस्न वालिस गियिर लगी लैंडिल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4476-1967 फाउंड्री के लिये केन निलम्बित हस्त चालित गियिर लगे लैडिल भी विभिष्टि	
23	s. IS : 4477 (भाग 2)1975 वैस्टुरी मीटर द्वारा द्रव का बहा मापने की पद्धति भाग 2 संपीबय द्रव	-	1975-12-31 की स्थापित

(1)	(2)	(3)	(4)
24.	IS: 4604—1975 मणीमी ढलाई बक्सों के लिए पैटनें पहेटी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 46041975 मणीनी कलाई के लिए पैटने पहेटी की विशिष्टि	
25.	IS: 4981—1975 फाउड़ी पैटर्ग पिट्टमों के लिए गाइड पिन की] विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)		
26-	IS: 49821975 फाउँड़ी के क्लाई बक्मों की संबरक पिन की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS: 49821968 फाउंड्री के बलाई के बक्सों के संबर्फ पिन की विभिन्धि	
2 7 .	IS: 5508 (भाग 14 से 16) 1975 सम्बली पकड़ने के जालों की सदिशिका		1976-3-3। को स्थापित
28.	IS: 62841975 गेहूं के गहाई की बिजली की मशीस की I परीक्षण संहिता (पहला पुनरीक्षण)	S: 6284	1976-02-29 को स्थापित
29.	JS: 7416 (भाग 4) 1975 टी बी फैरईस्ट पुर्जी के नाप भाग 4 छल्लेनुमा चुम्बक		
30.	IS: 7416 (भाग 5)1976 टी भी फेराईट पुर्जों के माप भाग 5 रेखिकता नियंत्रण इकाई के लिए खंड चुम्बक		
31.	IS: 7667 1975 हवाई पट्टी के ईंधन केन्द्र पर वैमानिक ईंधन लामे ले जाने ग्रीर भडारण की रीति सहिता		1975-11-30 को स्थापित
32.	IS: 7689—1975 ग्रबांष्टमीय स्थिर विश्वत के नियंक्षणकी संदर्शिका		1975-3-30 को स्थापित
	IS:7726—1975 श्राई एस झो नीटरी सलंमबाभ डिकरी की चुड़ियों के मापों की सीमाएं (105 से 300 मिमी व्यास)		1975-11-30 को स्थापित
	ÎS: 77911975 35-मिमी चलपित व्वति रिप्रोबसूसर के लिए प्रोजेक्टर जाच सामजस्य फिल्म की विशिष्टि		1975-12-31 की स्थापित
35.	IS: 7803 (भाग 2)—1975 दवामों के लिए प्लास्टिक धारको की विभिष्टि भाग 2 मोहोतर भौर मोख की दवाएं		1976-03-31 को स्थापित
36.	IS: 7810—1975 एन्पिनियम झौर उसकी मिश्रधातु पर प्रति- रोध स्थाट बेल्डो के एक्सरे परीक्षा की रीप्ति संहिता	_	1976-01-31 को स्थापित
37.	IS: 4816 1975 भूर्णन मणीनों की रोधन समता परीक्षा की निर्वाणिका।	~-	1976-03-31 को स्थापित।
38.	[S: 78211975 उसे 24 मिमी मोकेतिक व्यास के लस्बे वंड वाले] मधीनी टैपों की विणिष्ट ।	[S: 19881992 घुडीकाटने के टैप्स की विशिष्टि	आई० एस० भाई० प्रमाणन मोहर योजना के लिए
			IS: 7821—1975 1976-09-01 मे लागू मामा जाएगा।
39.	IS : 78241975 दृत परिवर्ती ड्रिली, चकों, कालेटी ग्रीर चल- रिमर हारूबरों की विशिष्टि ।	ويوفي	1976-03-31 को स्थापित ।
40.	IS: 78351975 मध्यमवसा खाद्य सोया के ब्राटे की विशिष्टि।		1976-03-31 को स्थापित।
41.	IS : 78361975 अल्पनसा खाद्य सोया के भाटे की विशिष्टि		1976-02-24 की स् म ्पित
42.	IS: 78371975 पूर्ण बसा खाख सोया के घाटे की विशिष्टि		1976-03-31 को स्थापित।
43.	IS: 78401975 प्रयोगशाला के कांच के सामान की ब्राइंग सझ कृष्टियाँ।	बन्धी —-	1976-03-31 को स्थापित ।
44.	IS: 7847-~1975 उठाने के हुकों की सामान्य विशेषताएं।		1976-02-29 की स्थापित ।
45.	IS : 7874 (भाग 2) → 1975 पणु आहार श्रीर खाद्य सामग्री की परीक्षण पद्धतियां भाग 2 खनिज श्री र लेख क्षयः।	ana.a	_
46.	•	 IS: 3049 फताई मिलों के लिए यल्कनीकृत रेगे की स्लाइवरडिक्मोंकी विशिष्टि, ग्रीर 	
	(2) IS: 31581965 कताई मिलों के	
		लिये एलुमिनियम के लिये एलुमिनियम के बेलनाकारस्लाइवरडिब्बों	Ŧ
		की विकिष्टि ।	
	IS: 7879 (भाग 1)1975 वै मानिक अध्वावली भाग 1 सामास्य	·	
47.	IS: 7879 (भाग 3) 1975 वैमानिक गुब्बावली माग उसंरचनाएं		
48.	IS: 78821975 विमानों के लिये एक्मिनियम की चादरों श्रीर		
49.	परितयों की विशिष्टि (19000)!		

	3	.1.	4
	IS: 78831975 विमानों के लिये एलुमिनियममैंगनीज मिश्र बातु की जादरों यौर पत्मियों की विणिष्टि (मिश्र धात मंदया		
	31000) 1		1050 02 21 22 750
	IS 78951975 खान गर्णालों में पयक्त हाइड्रोलिक द्ववीं की श्रीभा- रोधी गुणों की भाच ।		1976-03-31 को स् वा पिता
	IS: 7897 1975 कुट्टी काटने की मर्शान की परीक्षण महिला		
	IS: 78991975 उच्च दाब उपयोगों के लिये ग्रल्प मिश्र इस्पान की क्रमों त्रस्तुओं की विशिष्टि।		_ _
	[S: 790'6 (भाग 3)——1975 क्रुण्डलाकार संपीडन कमानिया आग उबूनाकार ब्राड़ीकाट के नार ध्रौर छड़ से बनी कमानियों की विणिष्टि के लिए श्रांकड़ा पत्र ।		
	IS: 7907 (भाग 3)1975 कुण्डलाकार खिचाब कमानियां भाग 3 बृश्ताकार प्राकृतिकाट के तार भ्रीर छड़ में बनी कमानियों की विणिष्टि के लिए श्रीकड़ा यह ।		
	IS : 79101975 मोनो इधैनो ल ऐमीन की विशिष्टि ।		
-	IS: 79131975 ग्राधात बोधन (ब्रिलिग) के समेकित दंडों की विशिष्टि ।		
	ापासार∞ । XS : 7914—–1975 मानक सेलो की विशिष्टि ।		
)	IS: 79161975 खुले पावर चैनलों की रीति सहिता		1976-03-31 को स्थापित
,	IS: 7917 (भाग 1)—1975 वैमानिक माल कंटेनर की विधिष्टि भाग 1 सामान्य ऋषेक्षाएं	<u> </u>	
	IS: 7917 (भाग 1)—-1975 वैमानिक माल के कंडेनर की विशिष्टि भाग 2 परीक्षण		197 ह-03-31 को स्थापित
	IS: 79181975 डाई-इथाइलीन ग्लाईकोल की विभिष्टि		
	IS : 7923 1975 - बी०- पट्टा और खांचवार गिरी के उपयोग वाले चालन सम्बंधी शब्दावर्णी भीर परिभाषाएं ।		
	IS: 7924 1975 लकड़ी के जंधा ब्लॉक की विशिष्टि ।		1976-03-31 को स्वापित
	IS: 7927—1975 हस्साचालित धान की निलाई की मणीन की क्षेत्र परीक्षण प्रकृति।		
	IS: 7931 (भाग 1)1975 स्वतः समंजक चाप वाले स्वचल और घर्ध स्वचलवे त्रिंग उपकरण धानु भाके भ्राक्तिय गैस रक्षित श्रीर सक्रिय गैस रक्षित विधियां। भाग 1 डोसी ० वे ल्डिंग जनित्र पावर स्रोत।		
•	IS : 7931 (भाग 3) 1975 स्वतः समंज्ञक चाप वाले स्वचल ग्रीर ग्रर्धं स्वचल वैरिडंग उपकरण घासुँ आकं अकियगैस रक्षितः श्रीर सक्षिय गैस रक्षित विधियां ।		
	भाग 3 वे ल्डिंग गन श्रीर सहायभ उपकरण ।		
	JS : 7934—-1976 चुम्बकीय घाक्साइड से बने वर्गाकार कीर घौर सम्बद्ध पृजीकी विभिष्टि ।		
	IS: 79351975 1000वीस्ट तक मांकेतिक बोल्टना की ज़िरोपरि पावर लाइन के लिये रोधक फिटियों की विशिष्टि ।		
).	IS : 7936—1975 भ्ररीय फ्रिल मणीनों के माप।		— —
	IS: 79371975 विद्वासा की सामान्य ग्रपेक्षाणीं ग्रीर परीक्षण		1976-03-31 को स्थापिन।
	सम्बन्धीः संविधिकः।		
? .	IS : 7938-—1976 संपीडित वायु संस्थापनों के वायु ग्राहियों की विशिष्टि ।		1978-03-31 को स्थापित ।
3.	IS : 79391976 दोहरे मृंह वाले, चपटे पलेयर विवरीरिकों की विभिक्टि।		1976-03-31 को स्थापित।
1.	IS : 79551978 बिस्मरबंद की विशिष्टि।		
š.	IS : 79561975 डेरी के फर्स के चुनाब सम्बन्धी सिफारिणे		
6.	IS : 7958 1976 हाथ के बांक की विशिष्टि ।		

4			- ,,,
(1)	(2)	(3)	(4)
77.	IS: 79591976 फेन योगिकों के लिए पोलीइयाइजीन के जेरी ज्यां की विभिष्टि।		
78.	IS : 79611975 खाद्य सामग्री, दवाश्रों ग्रौर पीने के पानी के स्टाइरीन पोलीमर के मूरकापूर्ण उपयोग की रोति संहिता।		
79.	IS : 79661976 दोतों के नम्ने लेने केमोस की विभिष्टि ।		
80.	IS : 7968 1976 समुद्र तट क्षेक्षों में गिराये जाने वाले श्रीवा रेगिक निस्ताव की छूट सीमाएं।		
81.	IS: 79691975 इमारती सामग्री के धरने उठाने ग्रीर भंबारण की रीति संहिता।		
82.	IS: 7971—- 1975 स्मेल-बेलर्मेंट्स नमूने के हृद-वाहिका ट्रं- निकवेट की विशिष्टि ।		
83.	IS : 7972 1975 मेटजेनबॉस्स विच्छे दी कींचियों की विशिष्टि	→	
84.	IS : 7'973 1976 स्थापत्य श्रीर इमारती कार्यकारी ड्राइंगों की रीति संहिता।		
85.	IS: 7974 (भाग 1)1976 विस्तृत नक्त्रों, मानिवलों भौर भूवैक्वानिक भ्राङ्गी काटों पर लिखने के प्रतीक भाग 1 प्रतीकारमकता सम्बन्धी मामान्य नियम।		
86	IS: 7975 (भाग 1)1976 हस्तचालित चौकार ड्राइय साकेट रिधों के चालक भागों की विशिष्टि। भाग 1 सस्लाई सम्बन्धी तकनीकी मर्ती।		
87.	IS : 7980 1976 त्कचा निरोपण ब्लोड के हैन्डिल की विशिष्टि		
88.	IS: 7981 (भाग 1) 1976 ट्यूबो प्लास्टी उपकरणों की विक्रिष्टि भाग 1 किरोड़कर ममूने के ग्रीवा श्राकलूडर ।		
89.	IS: 79.81 (भाग 2)—-1976 ट्यूबों प्लास्टी उपकरणों की विधिष्टि भाग 2 शिरोड़कर ममृने के कैनुला।	· 	
90.	IS : 79891976 भोतरी सरक्लिपों के प्लास की विभिष्टि ।		ang tang
91.	IS: 7994 1976 वे रहस तम् ने के सूर्ध घारक की विशिष्टि ।		

इन भारतीय मानकों की प्रतियां विक्री के लिए भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई विस्ती- 110002 में तथा इसके शाखा कार्यालयों अहमदाबाद,यंगलोर, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपूर, मदास, फटना और क्षिकंदम में उपलब्ध है।

[संक्या सी० एम० बी० 13: 2]

S. O. 1596.—In pursuance of Sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1976-04-30:

SCHEDULE

SI. No.	No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
(1)	(2)	(3)	(4)
	IS: 362—1975 Specification for parliament hinges (third revision)	IS: 363—1968 Specification for parliament hinges (second revision)	Established on 1976-01-31.
	IS: 412—1975 Specification for expanded metal steel sheets for general purposes (second revision)	1S: 412-1962 Specification for expanded metal steel sheets for general purposes (revised)	Established on 1976-03-31
	IS: 903—1975 Specification for fire hose delivery couplings branch pipe, nozzles and nozzle spanner (second revision)	•	Established on 1975-09-30

(1)	(2)	(3)	(4)
4.	IS: 1061-1975 Specification for disinfectant fluids, black and white (second revision)	*IS: 1061—1964 Specification for disinfectant fluids, black and white (revised)	Established on 1975-11-30 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 1061—1964 shall run concurrently with IS: 1061—1975 upto 1976-06-30
5.	IS: 1117—1975 Specification for one- mark pipettes (first revision)	IS: 1117—1968 Specification for one-mark pipettes	Established on 1975-11-30
6.	JS: 1280—1975 Specification for foun- dry moulding boxes of steel construction (second revision)	IS: 1280-1967 Specification for foundry moulding boxes of steel construction (first revision)	_
7.	IS: 1285—1975 Specification for wrought aluminium and aluminium alloy, extru- ded round tube and hollow sections (for general engineering purposes (second revision)	IS: 1285—1968 Specification for wrought aluminium and aluminium alloys, extru- ded round tube and hollow sections (for general engineering purposes) (first re- vision)	Established on 1976-03-31
8.	IS: 1329-1975 Specification for aircraft timber (baulks and scantlings) (first revision)	IS: 1329—1958 Specification for aircraft timber intended for further conversion	Established on 1976-03-31
	IS: 1537—1976 Specification for verti- cally cast iron pressure pipes for water, gas and sewage (first revision)	IS: 1537—1960 Specification for vertically cast iron pressure pipes for water, gas and sewage	Established on 1976-03-31
	(first revision)	IS: 1802—1961 Specification for ionones	
	core for steel wire ropes (first revision)	1S: 1804—1961 Specification for fibre cores for steel wire ropes	_
12.	•	IS: 1956—1962 Glossary of terms relating	_
13.	terms relating to iron and steel	to iron and steel IS: 1956—1962 Glossary of terms relating to iron and steel	_
14.	Part IV Steelsheet and strip (first revision) IS: 1971—1972 Specification for single-barrel stirrup pump (second revision)	IS: 1971—1965 Specification for single-barrel stirrup pump (revised)	Established on 1972-06-30
15.	IS: 2261—1975 Specification for lamps for flashlights (first revision)	IS: 2261—1963 Specification for lamps for flashlights	Established on 1976-03-31
	for industrial purposes (first revision)	IS: 2494—1964 Specification for V-belts for industrial purposes	
17.	IS: 2720 (Part XXXVI)—1975 Methods of test for soils Part XXXVI Laboratory determination of permeability of granular soils (constant head)	~	Established on 1976-03-31
	ting to ceramicware (first revision)	1S: 2781—1964 Glossary of terms relating to ceramicware	_
	tent mallets (first revision)	IS: 2922—1964 Specification for wooden tent mallets	
20.	IS: 2927—1975 Specification for brazing alloys (first revision)	*IS: 2927—1964 Specification for brazing alloys	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 2927—1964 shall run con- cirrently with IS: 2927—1975 up to 1976-05-31
21.	IS: 2952 (Part II)—1975 Recommendation for methods of measurement of fluid flow by means of orifice plates and nozzles		Established on 1975-12-31
	Part II Compressible fluids IS: 4476—1975 Specification for crane- suspended hand-operated geared ladles for steel foundries (first revision)	IS: 4476—1967 Specification for crane- suspended hand operated geared ladles for foundries	_
_	IS: 4477 (Part II)—1975 Methods of measurement of fluid flow by means of venturi meters		Established on 1975-12-31

(1)	(2)	(3)	(4)
24.	IS: 4604—1975 Specification for pattern plates for machine moulding boxes (first revision)	IS: 4604—1968 Specification for pattern plates for machine moulding	
25.	IS: 4981—1975 Specification for guide pins for foundry pattern plates (first revision)	IS: 4981—1968 Specification for guide pins for foundry pattern plates	_
26.	IS: 4982—1975 Specification for closing pins for foundry moulding boxes (first revision)	IS: 4982—1968 Specification for closing pins for foundry moulding boxes	_
27.	IS: 5508 (Part XTV to XVI)—1975 Guide for fishing gear	_	Established on 1976-03-31
28.	IS: 6284-1975 Test code for stationary power thresher for wheat (first revision)	IS: 6284—1971 Test code for stationary power thresher wheat	Established on 1976-02-29
29.	IS: 7416 (Part IV)—1976 Dimensions for TV ferrite components Part IV Ring magnet for linearity control unit	_	a
30.	IS: 7416 (Part V)—1976 Dimensions for TV ferrite components Part V Segment magnet for linearity control unit	_	_
31.	IS: 7667—1975 Code of practice for handling and storage of aviation fuels at airfield fuelling stations	_	Established on 1975-11-30
32.	IS: 7689—1974 Guide for control of undesirable static electricity		Established on 1976-03-31
	IS: 7726-1975 Limits of sizes for ISO metric trapezoidal nuts threads (diameter range 105 to 300 mm)		Estublished on 1975-11-30
34.	IS: 7791—1975 Specification for projector alignment test film for 35 mm motion picture sound reproducers	_	Established on 1975-12-31
35.	IS: 7803 (Part II)—1975 Specification for plastic containers for pharmaceutical use	_	Established on 1976-03-31
	Part II parenteral and ophthalmic pre- parations IS:7810—1975 Code of practice for radiographic examination of resistance spot welds on aluminium and its alloys	_	Established on 1976-01-31
	IS: 7816—1975 Guide for testing insulation resistance of rotating machines	_	Established on 1976-03-31
	*IS: 7821—1975 Specification for long shank machine taps with nominal diameter from 3 to 24 mm	IS: 1988—1962 Specification for screwing taps	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 782-1975 shall come into force with effect from 1976-09-01
	IS: 7824—1975 Specification for Quick change drill chucks, collets and floating reamer holders		Established on 1976-03-31
	IS: 7835—1975 Specification for edible medium-fat soya flour		Established on 1976-03-31
	IS: 7836—1975 Specification for edible low-fat soya flour	_	Established on 1976-02-29
	IS: 7837-1975 Specification for edible full-fat soya flour	_	Established on 1976-03-31
43.	IS: 7840—1975 Drawing conventions for laboratory glass apparatus	_	Established on 1976-01-31
44.	IS: 7847—1975 General characteristics of lifting hooks	***	Established on 1976-02-29

1	2	3	4
45.	IS: 7874 (Part II)—1975 Methods of test for animal feeds and feeding stuffs	_	
	Part II Minerals and trace elements		
46.	1S: 7875 (Part I)—1976 Specification for silver cans used in textile mills	 (i) IS: 3049—1965 Specification for vul- canized fibre silver cans for spinning mills and 	_
	Part ! General requirements	(ii) 1S: 3158—1965 Specification for aluminium cylinderical silver cans for spinning mills	
47.	IS: 7879 (Part 1)—1975 Glossary of aero- nautical terms Part 1 General	_	
48	IS: 7879(Part 11T)—1975 Glossary of aeronautical terms		_
	Part III Structures		
49,	IS: 7882—1975 Specification for aluminium sheet and strip for aircraft purposes (19000)	-	_
50.	IS: 7883—1975 Specification for aluminium-manganese alloy sheet and strip for aircraft purposes (alloy No. 31000)	_	_
51.	IS: 7895—1975 Test for Fire-resistant characteristics of hydraulic fluids used in mining machinery	_	Established on 1976-03-31
52.	IS: 7897—1975 Test code for chaff cutter	_	_
53,	IS: 7899—1975 Specification for low alloy steel castings suitable for pressure service	_	Established on 1976-02-29
54.	IS: 7906 (Part III)—1975 Helical compression springs		
	Part III Data sheet for specification for springs made from circular section wire and bar		
55,	IS: 7907 (Part III)—1975 Helical extension springs		
	Part III Data sheet for specification for springs made from circular section wire and bar	_	_
56.	IS: 7910—1975 Specification for mono- ethanolamine		
57.	IS: 7913—1975 Specification for integral stems for percussive drilling	_	
58.	IS: 7914—1975 Specification for standard cells	-	
59.	IS: 7916—1975 Code of practice for open power channels	_	Established on 1976-03-31
60.	IS: 7917 (Part I)—1975 Specification for air cargo freight containers	-	-
	Part I General requirements		
61.	IS: 7917 (Part II)—1975 Specification for air cargo freight containers	_	Established on 1976-03-31
	Part II Testing		
62.	IS: 7918—1975 Specification for diethylene glycol	-	
63,	18: 7923—1975 Glossary of terms and definitions relating to drives using V-belts and grooved pulleys		_

1	2	3	4
64	. IS: 7924—1976 Specification for thigh blocks, wooden		Established on 1976-03-31
65.	IS: 7927—1975 Method of field testing for manually operated paddy weeder	-	_
66.	IS: 7931 (Part I)—1975 Specification for automatic and semiautomatic welding equipment with self-adjusting arcs (mig/mag processes) Part I DC welding generator power source	_	_
67.	IS: 7931 (Part III)—1975 Specification automatic and semi-automatic welding equipment with self adjusting arc (mig/mag processes) Part III Welding gun and ancillary equipment	_	_
68.	IS: 7934—1976 Dimensions of square cores made of magnetic oxides and associated parts	_	-
69.	IS: 7935—1975 Specification for insulator fittings for overhead power lines with a nominal voltage up to and including 1000 V		-
70.	IS: 7936—1976 Sizes for radial drilling machines		_
71.	IS: 7937—1975 Guide for general requirement and testing of windlasses		Established on 1976-03-31
72.	IS: 7938—1976 Specification for air re- ceivers for compressed air installation		Established on 1976-03-31
73.	IS: 7939—1976 Specification for flare nut wrench, double ended, flat	_	Established on 1976-03-31
74.	IS: 7955—1976 Specification for holdalls		
75.	IS: 7956—1975 Recommendations for selection of dairy floor finishes	_	-
76.	IS: 7958—1976 Specification for hand vices	<u> </u>	
	IS: 7959—1976 Specification for poly- ethylene jerry cans for foam compounds	_	-
	IS: 7961—1975 Code of practice for safe use of styrene polymers in contact with foodstuffs, pharmaceuticals and drinking water	_	_
	IS: 7966—1976 Specification for dental modelling wax		_
	1S: 7968—1976 Tolerance limits for industrial effluents discharged into marine coastal areas		_
	IS: 7969—1975 Safety code for handling and storage of building materials	_	
	IS: 7971—1975 Specification for tourn- quet, cardiovascular, rumel-belmont's pat- tern	_	_
	IS: 7972-1975 Specification for scissors dissecting Metzenbaum's pattern		_
ı	IS: 7973—1976 Code of practice for architectural and building working dra- wings	-	~·

1	2	3	4
85.	IS: 7974 (Part I)—1976 Graphical symbols for use on detailed maps, plans and geological cross sections		
	Part I General rules of representation		
86.	1S: 7975 (Part 1)—1976 Specification for driving parts for hand operated square drive socket wrenches		
	Part I Technical supplies conditions		
87.	IS: 7980—1976 Specification for handle of skin grafting blade	 -	
88.	IS: 7981 (Part I)-1976 Specification for instruments, tuboplasty Part I Occluder, cervical, Shirodkar's pattern		_
89.	IS: 7981 (Part II)—1976 Specification for instruments, tuboplasty		
	Part II Cannula, Shirodkar's patterns		
90.	IS: 7989—1976 Specification for pliers for internal circlips	-	
91	IS: 7994—1976 Specification for needle holder, Barrons' pattern	_	_

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13: 2]

का॰ मा॰ 1597.—मारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिहन) बिनियम 1955 के नियम 3 के उपिबनियम 2 तथा विनियम 3 के उपिबनियम (2) और (3) के मनुसार मारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के स्पौरेनीचे मनुसूची में विए गए हैं, 1976-07-31 को निर्धारित किए गए हैं:

म्रन्य विवर्ण निर्धारित भारतीय मानक की संख्या और शीर्वक नए भारतीय मानक द्वारा रह किए गए। ऋम भारतीय मानक की सं० ग्रौर शीर्वक सं ख्या IS:35--1975 रंग रोगन के लिए जिस बाक्साटड की निकिष्ट IS:35--1950 रंग रोगन के लिए जिस 1976-05-31 को निर्धारित भा ना (प्रथम पुनरीक्षण) मानसाइड की विशिष्टि । संस्था प्रमाणन जिल्ला योजना के प्रयोजनों के लिए IS: 35-1975, 1976-11-01 # लागु होगा । IS: 170--- 1976 एसीटोन की विशिष्टि IS: 170---- 1966 एसीटोन की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण) (द्वितीय पुनरीक्षण) IS: 417 (भाग 4) --1976 फुटबाल, वालीवाल, बास्केट बाल, IS: 417---1969 फटबाल, वालीबाल, IS: 1976-06-30 को निष्करित भा मा नेटवाल, स्रोबाल सीर बाटर पोलो बाल की विशिष्टि भाग 4 नेट सस्था प्रभाणन चिहन योजना के प्रयोजनी बास्केट बाल, भीर वाटर पोलो बाल की बाल (तृतीय पुनरीक्षण) विशिष्ट (दितीय पुनरीक्षण) IS: 417 (भाग 4)--- 1976 1976-11-01 से लागू होगा। IS: 417 (भाग 5)—1976 फुटबाल वालीबाल, बास्केट बाल, नेटबाल IS: 417 --- 1969 फुटबाल, बाली बाल, IS: 1976-06-30 को निर्धारित भा मा बाटर पोलो बाल की विक्रिष्टि, भाग 5 खोबाल (तुतीय पुनरीक्षण) नास्केटबाल, ग्रौर वाटर पोली बाल की संस्था प्रमाणन जिह्नम योजना के प्रयो-विशिष्टि (द्विसीय पुनरीक्षण) अनों के लिए ---IS: 417 (भाग 5)---1976, 1976-11-01 से नागू होगा।

1	2	3	4
5.	IS: 417 (भाग 4)1976 फुटबास, मालीबाल, बास्केट बाल, नेटबाल, ध्रो बाल भौर बाटरपोलो बाल की विशिष्टि भाग 4 बाटरपोलो बाल (तृतीय पुनरीक्षण)	, [S: 417—1969 फुटबाल, वालोबाल, वास्केटबाल, ग्रौर वाटर पोलो बाल की विभिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS: 1976-06-30 को निर्धारित [‡] भा मा संस्था प्रमाणन विक्त योजना के प्रयी- जनों के लिए →- IS: 417(भाग 4)1976 1976-11-01 में लागू होगा।
6.	IS: 487—1976 रंग रोगम और वॉनिश के बुष्म की विशिष्टि । (1) ग्रंडाकार, फेरूलबद्ध भीर (2) गोल, फेरूलबद्ध (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS: 487→1966 कृष, रंग रोगन और वानिस के कृषा की विशिष्टि (1) प्रोडाकार, फेरूल धौर (2) गोल, ताच्च तार बढ़ (संसोधित)	1976-06-30 को निर्धारित
7.	[*] रिS: 6331975 डीडीटी पायसनीय तेज द्वव की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS: 6331956 डीडीटी पायसनीय तेज द्वय की विशिष्टि।	1975-12-31 को निर्धारित *भा मा संख्या प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिए 1S: 633—1975, 1976-01-01 से लागू होगा।
8.	IS: 7501976 हथकरधे की मूली लुंगियों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)।	IS : 7501965 हयकरधे की सूती लुगियों ं की विशिष्टि, धारीदार या चैक	min.
9.	IS : 916—1975, 18-लिटर जोकोर टिन (हितीय पुनरीक्षण)	IS : 9161966, 18-लिटर के जी कोर टिन की वि गिष्टि संगोधि म	1975-12-31 का निर्धारित *भा मा संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के निए IS: 9161975, 1976-12-15 से लागू होगा।
10.	IS: 15361976 पानी, गैस और मल के लिए अपकेन्द्रीय ढले । (स्पन) लीहे के वाश्र पाइपों की विशिष्ट (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS: 1536 1967 पानी, गैस ग्रौर मल के लिए ग्रपकेन्द्रीय ढले (स्पन) लोहे के दाव पाइपों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	1976-05-31 को निर्धारित ।
11.	IS: 1612~~1976 लोहचूर्ण (श्रपचायक ग्रेड) की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS: 1612 1960 जोहजूर्ण (श्रपचायक गेड) की विधिष्टि ।	
12.	IS: 2032 (भाग 15)1976 विश्वृत प्रोद्योगिकी में प्रयुक्त लेखी प्रतीक भाग 15 विमान सम्बन्धी विद्युत प्रतीक।		1976-06-30 को निर्धा रित ।
13.	IS: 2193(भाग 2)—1976 पशुकाँ वित्त मिट्टी पलट हुल की विशिष्टि भाग 2 स्थिर प्रकार (प्रथम पुनरीक्षण)	: (i) IS: 2191—1962 टर्नरेस्टे प्रकार मिट्टी पलट हल की विशिष्टि। (ii) IS: 2226—1962 मिट्टी पलट हल, स्थिर प्रकार की विशिष्टि।	: भे त
14.	[S: 2403—1975 प्रेषण के लिए इस्पात की बेस्लन चेनों भीर चेन पहियों की विधिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS: 24031964 प्रेषण के लिए इस्पात की घेल्सन चेनों और चेन पहियों की विभिष्टि।	1975-09-30 से निष्ठारित
15.	IS: 2490 (भाग 6)1976 म्रान्तरिक जल सतह में गिरने वाले भौधोगिक मि:स्रावों सम्बन्धी छूटें भाग 6 रंजकद्रव्य ग्रौर रंजक मध्य द्रव्य निर्माण उद्योग (प्रथम पुनरीक्षण)	IS: 24901963 भ्रान्तरिक जल सतह में गिरने वाले भ्रौद्योगिक निःकार्थों के सम्बन्धी सूटें।	~-
16.	IS: 31031975 भौद्योगिक संवानन की रीति संहिता (प्रथम पुन- रीक्षण)	IS : 31031965 श्रौद्योगिक संवातन की रीति संहिसा।	1976-05-31 की निर्धारित
17.	IS : 33391975 बलाईधरों में इस्लेमाल के लिए सिलिका चूर्ण की विभिष्टि । (प्रथम पुनरीक्षण)	IS: 3339— 1965 बलाईयरों में इस्तेमाल के लिए सिलिका चूर्ण की विशिष्टि	1976-05-31 को निर्घारित ।
18.	IS : 34311975 सम्बल बाहनों में निलम्बन के लिए शंखावन, कुंडसीदार भौर पत्तीदार कमापियों के इस्पान की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	*IS: 3431—-1965 स्वचल बाह्मों में नि- लम्बन के लिए झंखाबत, कुंडलीदार और पत्सीदार कमानियों के इस्पात की विक्रिष्टि	1976 "04-30 को निर्वारित *भा मा संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिए 1976-10-31 तक IS: 3431 1965 IS: 3431 1975 के साथ लागू रहेगा।

	2	3	4
9.	IS: 3811 1976 रम की विशिष्टि (प्रवम पुनरीकण)	IS: 3811 1966 रम की विशिष्टि	1976-05-31 को निर्धारित *भा भा संस्थाप्रमाणन चिहुन योजना के प्रमोजनो के लिए
			।ऽ: 38111976 1976-10-01 से लागू होगा।
0.	IS: 43041976 तेल में विष्याबंध टूना की विधिष्ठि (प्रवम पुनरीक्षण)	IS: 4304 1967 तेल में विम्बाबंध टूना की विशिष्टि ।	_
1.	IS: 44491976 हिनस्की की विधिष्ठि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS: 44491987 हिन्स्की की कि यिष्टि।	1976-05-31 को निर्धारित ।
2.	IS: 7160 (माग 2) 1974 पाठ्य पुस्तकों के लिए मुद्रण क्षेत्र हाशिये ग्रीर टाइप साइज की संविधिकाः भाग 2 हिन्दी की पाठ्य पुस्तकों		1976-05-31 की निर्धारित ।
23.	IS: 7416 (माग 6) 1976 टीबी के फेराइट सबयवों के परिमाप क 6, विक्षेप कुंबली के लिए किरणपुंज मध्यकारी भूम्बक।	T r i	1976-05-31 को निर्वारित ।
24.	IS: 7729 1976 सोडियम मोनोक्लोरो एसीटेट की विशिष्टि ।		1975-12-31 को निर्धारित ।
25.	IS: 7739 (भाग 1)—1975 धातुलेखी नमूने तैयार करने की रीति संहिता माग 1 सामान्य लक्षण।	-	1976-05-31 को निर्घारित
26.	IS: 79331975 घरेलू गहों के लिए नम्य पोलीकूरीचेन फोंम र्फ विधिष्टि ।	*****	1976-05-31 को निर्मारित
27.	IS: 7940 1976स्पैतिक वाबहेब परीक्षण द्वारा वस्त्रीं की अन्तप्रवेष निरोधकता ज्ञात करने की पद्धति।	- -	
28.	IS: 7977 1976 डाइसल्फोटोन तकनीकी की विशिष्टि		 -
29.	IS : 7983—1976 पोर्सं लेन परिमार्जन घोलक की विशिष्टि ।	in the A	1976-05-31 को निर्घारित ।
30.	IS: 79931976 पावर से चलने वाली वर्गाकार चालन साकेट रिच।		1976-06-30 को निर्धारित ।
31.	IS: 80051978एकक भारों का वर्गीकरण		-
3 2.	IS: 80071976 विनिमय के लिए परिवहत टैक्टरों झौर झर्झ/ जुड़वाँ ट्रेलरों के मध्य पाँचवें पहिए के कपलिंग के माप।	<u></u>	No. on
33.	IS: 8010 (माग 1)1976 तकनीकी रिपोर्ट तैयार करने । संवर्षाका भाग 1 मनुसंधान मौर विकास सम्बन्धी रिपोर्ट ।	ਜੀ	-up t-m
34.	IS: 80171976 टंग्स्टन तन्तु लैम्पों के साथ प्रयुक्त काँचाः इनेमल पढ़े परावर्तक की विशिष्टि।	т	
35.	IS : 80191978 वातों के लिए कृत्तिम पत्थर की विशिष्टि ।		
36.	IS: 8023—1976एक-छोर वाले प्रगतिशील प्रकार के व्लेटन्य स्नैप गेजों (100 मिमी तक) की विशिष्टि।	π	
37.	IS : 80301976 भस्पतालों के लिए प्रकाश सामान की विशिष्टि		
38.	IS: 80331976 लक्ड़ी कसाई के लिए चौकोरछेद वालेगो। बामरों की विमिष्टि।	я —	
39.	IS: 8035 1976 उचने हुधों के हैंड पप्पों की विशिष्टि।		
40.	IS: 80361976ट्रांसफार्मर ठंडा करने वाली मृदु इस्पात व सक्तिया।	ਜੇ	ive—
41.	 IS: 8038 1978 कोरोबकोट परीक्षण द्वारा निकिल कोमियम से की संखारण प्रतेरोधिता जाँचने की पद्धति।	·	
42.	IS: 8041—६ 1976 शोध्न सक्त होने वाली पोर्टमेंब सीमेंट र्क विशिष्टि।		
43.	IS: 8042 ई- 1976 सफेद पोर्टनैंड सीमेंट की विधिष्टि।		

304	THE GAZETTE OF INDIA: MAY 19,		
1	2	3	
44.	IS: 8043ई 1978 जलविरागी (हाइड्रोफीबिक) पोर्टलैंड की विशिष्टि।	Brid.	ω-r
45.	IS: 8044 1976 बच्चों के नीचे के चर्चक वाँत निकालने के फोर्सेप्स की विधिष्टि:		
16.	IS: 80451976 नीचे के यदनक ग्रीर कर्तक वाँत निकासने के फोर्सेप्स की विधिष्टि।		
17.	IS: 8046 1976 वर्ण्यों के अपर के रवनक भीर कर्तक दांत निकालने के फोर्सेप्स की विशिष्टि ।		
8.	IS: 80471976 बच्चों के ऊपर के चर्चक दांत निकालने के फोर्सेप्स की विशिष्टि:		
9.	IS: 80521976 शंखावत भीर कुंबलीवार कमानियों (रेल के		
	डिब्बों के लिये) के उत्पादन के लिए इस्पात इंगटों झीर बिलेटों की विशिष्टि।		-
0.	IS: 8053—1976 लकड़ी के पेचों के निर्माण के इस्पात के तार के उत्पादन के लिए इस्पात इंग्टों झीर बिलेटों की विशिष्टि।		1976-06-30 को निर्धारित ।
1.	IS: 80541976 परतदार कमानियों (रेल के डिब्बों) के लिए) के उत्पादन के लिए इस्पात इंगटों झौर बिलेटों की विशिष्टि ।		
2.	IS: 8055 1976 कमानीदार वाशरों के उत्पादन के लिये इस्पात के इंग्टों भौर विलेटों की विशिष्टि ।		
3.	IS: 80561976 पोशियों की कमानियों के सक्त खिचे इस्पात के तार के उत्पादन के लिए इस्पात इंग्डों झौर बिलेटों की विशिष्टि।		<u></u>
4.	IS: 8060—1976 जूतों के लिए कीसों सहित डोकर ग्रौर ग्राधी ऐकी की विभिष्टि।		****
5.	IS: 80641976 प्रेसों की पवनामन पद्धतियाँ		
6.	IS: 8065— 1976 हल्की कटाई कियाओं के लिए कारबाइड टिप की विशिष्टि।		-
7.	IS : 80671976 वायुवीय संघात रिकों की विशिष्टि ।		
8.	IS: 80681976 टैंब वासरों की विशिष्टि		
9.	IS : 80701976 झिरीदार कैप्स्टन पेंच (टामी बोस्ट) की विशिष्टि	~~	-
3 0.	IS: 8093 1976 वैलेम्स नमूने के क्यूरेट की विशिष्टि		
31.	IS: 80941976 कर्ण मल हुकहुक, कायोर्न नमृने की विशिष्टि		 '

इन भारतीय मानकों की प्रतियाँ भारतीय मानक संस्था, भामक भवन, 9 बहाबुरशाह जफर मार्ग, नई विल्ली 110002 तथा शहमवासाद, बंगलोर, बम्बई, ंलकता, चंबीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, भद्रास, पटना और दिवेन्द्रम स्थित शास्त्रा कार्यालयों में विकयार्थ उपलब्ध है।

[संख्या सी० एम० क्वी० 13:2]

S. O. 1597.—In pursuance of Sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s) particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1976-07-31:

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	*IS: 35—1975 Specification for zinc oxide for paints (first revision)	IS: 35—1950 Specification for zinc oxide for paints	Established on 1976-05-31 *For purposes of ISI Certifiation Marks Scheme; IS: 35—1975 shall come into force with effect from 1976-11-01
2.	IS 170—1976 Specification for acetone (second revision)	IS: 170-1966 Specification for acetone (second revision)	<u> </u>

1	2	3	4
3.	*IS: 417 (Pt IV)—1976 Specification for footballs, volleyballs, basketballs, netballs throwballs and water-polo balls Part IV Netballs (third revision)	IS: 417—1969 Specification for footballs, volleyballs, basketballs and water poloballs (second revision)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 417 (Pt IV)—1976 shall come into force with effect from 1976-11-01
4.	*IS: 417 (Pt V)—1976 Specification for footballs, volleyballs, basketballs, netballs, throballs, and water-polo balls Part V Throwballs (third revision)	IS: 417—1969 Specification for footballs, volleyballs, basketballs and Waterpoloballs (second revision)	Established on 1976-06-30 *For purpose of ISI Certification Marks Scheme; IS: 417 (Pt VI)—1976 shall come into force with effect from 1976-11-01
5.	IS: 417 (Pt VI)—1976 Specification for footballs, volleyballs, basketballs, netballs throwballs and water-polo balls Part VI Water-polo balls (third revision)	IS: 417—1969 Specification for footballs, volleyballs, basketballs and water-poloballs (second revision)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 417 (Part VI)—1976 shall come into force with effect from 1976-11-01
6.	IS: 487-1976 Specification for brush, paint and varnish	IS: 487—1966 Specification for brushes, paint and varnish,	Established on 1976-06-30
	(i) oval, ferrule bound and	(i) oval ferrule bound and	
	(ii) round, ferrule bound (second revision)	(ii) round, copper wire bound (revised)	
7.	•IS: 633—1975 Specification for DDT emulsifiable concentrates (first revision)	IS: 633—1956 Specification for DDT emulsifiable concentrates	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 633—1975 shall come into force with effect from 1976-10-01
8.	IS: 750—1976 Specification for hand- loom cotton lungies (first revision)	IS: 750—1965 Specification for handloom cotton lungies striped or checked	
9.	*IS: 9161975 Specification for 18-litre square tins (second revision)	IS: 916—1966 Specification for 18-litre square tins (revised)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 916—1975 shall come into force with effect from 1976-12-15
10.	IS: 1536—1976 Specification for centrifugally cast (spun) iron pressure pipes for water, gas and sewage (second revision)	IS: 1536—1967 Specification for centri- fugally cast (spun) iron pressure pipes for water, gas and sewage (first revision)	Established on 1976-05-31
11.	IS: 1612-1976 Specification for iron powder (reduction grade) (first revision)	IS: 1612—1960 Specification for iron powder (reduction grade)	_
12.	IS: 2032 (Pt XV)—1976 Graphical symbols used in electrotechnology Part XV aircraft electrical symbols	—	Established on 1976-06-30
13.	IS: 2193 (Pt II)—1976 Specification for animal-drawn mouldboard plough Part II Fixed type (first revision)	 (i) IS: 2192—1962 Specification for mouldboard plough, turnwrest type and (ii) IS: 2226—1962 Specification for mouldboard plough, fixed type 	
14.	IS: 2403—1975 Specification for transmission steel roller chains and chain wheels (first revision)	IS: 2403—1964 Specification for transmission steel roller chains and chain wheels	Established on 1975-09-30
15.	IS: 2490 (Pt VI)—1976 Tolerance limits for industrial effluents discharged into inland surface waters Part VI Dyestuff and dye intermediate manufacturing industry (first revision)	IS: 2490—1963 Tolerance limits for indus- trial effluents discharged into inland sur- face waters	_
16.	IS: 3103—1975 Code of practice for industrial ventilation (first revision)	IS: 3103—1965 Code of practice for industrial ventilation	Established on 1976-05-31
17.	IS: 3339—1975 Specification for silica flour for use in foundries (first revision)	IS: 3339—1965 Specification for silica flour for use in foundries	Established on 1976-05-31

1	2	3	4
18.	IS: 3431—1975 Specification for steel for volute, helical and laminated springs for automotive suspension (first revision)	*IS: 3431—1965 Specification for steel for volute, helical and laminated springs for automotive suspension	
19.	*IS: 3811—1976 Specification for rum (first revision)	IS: 3811—1966 Specification for rum	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 3811—1976 shall come into force with effect from 1976-10-01
20.	IS: 4304—1976 Specification for tuna canned in oil (first revision)	IS: 4304—1967 Specification for tuna can- ned in oil	_
21.	IS: 4449—1976 Specification for whiskies (first revision)	IS: 44491967 Specification for whiskies	Established on 1976-05-31
22.	IS: 7160 (Pt II)—1974 Guide for print area, margins and type sizes for textbooks Part II Textbooks in hindi		Established on 1976-05-31
23.	IS: 7416 (Pt VI)—1976 Dimensions for TV ferrite components Part VI beam centring magnet for deflection coil	_	Established on 1976-05-31
24.	IS: 7729—1975 Specification for sodium monochloroacetate		Established on 1975-12-31
25.	IS: 7739 (Pt I)—1975 Code of practice for preparation of metallographic specimens Part I General features	- ,	Established on 1976-05-31
26.	IS: 7933—1975 Specification for flexible polyurethane foam for domestic mattresses	_	Established on 1976-05-31
27.	IS: 7949—1976 Method for determining resistance to penetration by water of fabrics by static pressure head test	_	_
28.	IS: 7977—1976 Specification for disulfoton, technical		_
29.	IS: 7983—1976 Specification for cleaning solution, porcelain	_	-
30.	IS: 7993—1976 Specification for power operated square drive socket wrenches	_	Established on 1976-06-30
31.	IS: 8005—1976 Classification of unital loads	_	_
32.	IS: 8007—1976 Dimensions of fifth wheel coupling between transport tractors and semi/articulated trailers for interchangeability	_	_
33.	IS: 8010 (Pt I)—1976 Guidelines for pre- paration of technical reports Part I research and development reports	_	-
34.	IS: 8017—1976 Specification for vitreous enamelled reflectors for use with tungsten filament lamps		_
35.	IS: 8019—1976 Specification for dental artificial stone	_	<u></u>
36.	IS: 8023—1976 Specification for single ended progressive type plate snap gauges (upto 100 mm)		<u> </u>
37.	IS: 8030—1976 Specification for luminaires for hospitals		_

	do: 2(n)	गार्च का रागवत्र सह 19, 1979/वर्गात	20, 1301
1	2	3	4
	8033—1976 Specification for round ers with square hole for wood fastes	_	_
	8035—1976 Specification for shallow hand pumps	-	
	80361976 Specification for mild transformers cooling tubes	_	
rosic	8038-1976 Method of testing cor- on resistance of nickel chromium pla- by the corrodkote test	_	_
hard	8041E1976 Specification for rapid ening portland cement	·	Established on 1976-06-30
	8042E—1976 Specification for white land cement	_	Established on 1976-06-30
phot	8043E-1976 Specification for hydro- pic portland cement	_	Established on 1976-06-30
	8044—1976 Specification for forceps, action, dental lower molar children	-au-	<u>.</u> -
extra	8045—1976 Specification for forceps, action, dental lower incisors and canicalidren		→
extra	8046—1976 Specification for forceps, action, dental, upper incisors and nes, children	_	_
	8047—1976 Specification for forceps, action, dental upper molar, children	_ ·	_
i ng o volu	8052—1976 Specification for steel ts and billets for the production of te and helical springs (for railway ng stock)		
ingo	8053—1976 Specification for steel ts and billets for the production of wire for the manufacture of wood ws		Established on 1976-06-30
ingo	8054—1976 Specification for steel ts and billets for production of lami- d springs (railway rolling stock)		
ingo	: 8055—1976 Specification for steel ts and billets for the production of ngs washers		
ingo	8056—1976 Specification for steel its and billets for the production of l-drawn steel wire for upholstery ngs	•	
	: 8060—1976 Specification for heel- and toe tip with nails for footwear		_
	8064—1976 Methods of designation resses	<u>-</u>	
	8065—1976 Specification for carbide for light cutting operations	-	_
	8067—1976 Specification for pneu- ic impact wrenches	<u> </u>	
58. IS wate	: 8068—1976 Specification for tab		_
	8070—1976 Specification for slotted stan screws (tommy bolt)	·	_

(1)	(2)	(3)	(4)
60.	IS: 8093—1976 Specification for curette, Ballance's pattern	_	_
61.	IS: 8094—1976 Specification for hook, cerumen, Cawthorne's pattern	-	_

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 2 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh Hyderabad, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. C.M.D/13:2]

का॰ आ॰ 1598.—मारतीय मानक संस्था (प्रमाणन जिल्ला) विनियम, 1955 के नियम 3 के उपविनियम 2 तथा विनियम 3 के उपविनियम (2) प्रौर (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था एतब्दारा प्रविस्चित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए है, वे 1976-05-31 को निर्धारित किए गए हैं:

अमुसूची

क्रम सं ड् या	निर्धारित भारतीय मानक की संख्या धौर मीर्चक	नए भारतीय मानक द्वारा रद्द किए गए भारतीय मानक की पद संख्या झौर शीर्षक	ग्रन्य विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
	:77—-1976 रंग रोगन के लिए उबले हुए ग्रमसी के तेल की फेब्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 77-1968 रंग रोगन के लिए उबसे हुए भलसी के तेल की विशिष्ट (पहला पुनरीकाण)	
	:564—1975 डी डी टीघूमन पाउंडर की विशिष्टि (दूसरा रीक्षण)	*IS: 5641961 की की टीधूलन पाउंकर की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	31 विसम्बर, 1975 को निर्धारित *भारतीय मानक संस्था प्रमाणन विहुन योजना के लिए IS: 5641961 31 पक्तूबर, 1976 तक IS: 5641975 के साथ लागू रहेगा
	: 565 1975 की की टी जल विसर्जनीय लेज पाउक्रर की वष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	निसर्जनीय तेज पाउबर की विधिष्टिः (पुनरीक्षित)	30 सितम्बर, 1975 को निर्धारित *भारतीय मानक संस्था प्रमाणन जिल्ल योजना के लिए IS:5651961 31 मक्तूबर, 1976 तक IS:5651975 के साम लागू रहेगा
	: 1153—-1975 तरम, कठौर झिल्ली वाले घोलक द्वारा जमाए , घस्यायी संक्षारण रोधक की विकिष्टि	IS: 11531957 तरल, कठोर झिल्ली बाले घोसक द्वारा जमाए गये, सस्यायी संझारण रोघक की विधिष्टि	30 नवस्थर, 1975 को निर्धारित
	1275—1976 वर्णीकमानुगत सूचक बनाने ने नियम (पहला क्रिण)	IS: 1275-1958 वर्णाकमानुगत सूचव बनाने के नियम	т ——
	:1448(पी:40)1976 पैट्रोलियम मीर उसके अल्पादों परीक्षण पद्धति पी:40 मासवन द्वारा पानी (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 1448—(पी: 40)—1967 पेट्रो भियम मौद्र जसके उत्पादों की परीक्षण पद्धति पी: 40 मासबन द्वारा पानी (पहला पुनरीक्षण)	
	1883-—1975 आतु की वको खानेवार घलमारी (वट बढ़ सकने गै) की विभिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 18831966 आणु की बनी जानेवार ग्रसमारी (बट बढ़ सकने बाली) को विशिष्टि (पहला पुनरोक्षण)	31 धन्तुवर,1975 को निर्वारित
	: 1956 (भाग 2)1976 सोहे ग्रौर इस्पात स≠अन्धी ण≠दावली ा 2 इस्पात उत्पादम	· IS: 1956 1962 लोहे घौर इस्पात सम्बन्धी शब्दावसी	30 मर्पेल, 1976 को निर्मारित

(1)	(2)	(3)	(4)
9.	IS: 1971 1975 हस्तवालित, निरन्तर टाइप, एक नाली बाले रकाववार पम्प की विधिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	रकाबदार पम्प को विशिष्टि (बूसरा पुनरीक्षण)	31 विसम्बर, 1975 को निर्धारित [*] भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के लिए IS: 19711972 31 धक्तुबर, 1976 तक IS: 19711975 के साथ लागू रहेगा।
10.	IS: 23471974 घरेलू उपयोग के लिए प्रेग्नर कुकर की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 23481966 के बरेलू उपयोग के लिये प्रेशर कुकर (पुनरीक्षित) की विशिष्ट	31 विसम्बर, 1975 की निर्धारित
11.	IS: 25861975 कैंच लगी आंक (मशीन कारीगर को बाँक) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 25861964 वेंच लगी वॉक (मर्जन कारीगर की वॉक) की विशिष्ट	
1 2.	ां कि : 2588 1975 मोहार के काम की बौक की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 25881964 लोहार के काम की बॉक की विशिष्टि	29 फरवरी, 1976 को निर्धारित
13.	IS: 2720 (भाग 12)1975 मृत्तिका परीक्षण पद्धतियाँ भाग 12 छिद्र पानो के दाव और संधनित निर्दाव तीन एक्सिल बाले संपीड़न परीक्षण द्वारा धरती की काट सामर्थ्यकात करना		
14.	IS: 31791976 फीलर गेओं (0.03 से 1.00 मिमी) की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS: 3179 1965 फीझर गेजों (0.03 से 1 मिमी) की विकिष्ट	
15.	IS: 45881925 प्राकृतिक कच्चे रवड़ की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	JS: 4588 1968 प्राकृतिक रबड़ की विभिष्टि	कच्चे 31 दिसम्बर, 1975 को निर्धारित
16.	IS: 6273 (भाग 3)—1975 खाद्य पदार्थों के ऐन्द्रिक मूल्यांकन की संदर्शिका भाग 3 आंकड़ों का सांक्रियकीय विश्लेषण		~
17.	IS 7418 (भाग 7)1976 टेलीजिजन के फैराइट उपकरणों के माप भाग 7 परावर्तन श्रुंडल के लिए पिन श्रुणन भुधारायें बुस्बक		_
18.	IS: 7416 (भाग 8) — 1976 टेलीविजन के फैराइट उपकरणों के माप भाग 8 लाइन झाउटपुट ट्रांसफार्मेर के लिए यू और आई कोर जबाई	- -	
19.	IS: 7564 (भाग 4)1975 इमारक्षों में मापों के समन्वय सम्बन्धी सिफारियों इमारती भंगों भीर जड़ाइयों का कम भाग 4 कार्य संपादन समृह 4 सेवाएं भीर जल निकास	ла ц енц	30 भन्नेण, 1976 को निर्धारित
20.	IS: 7739 (भाग 2) — 1975 बातु लेखी नमूने तैयार करने की रीति संहिता भाग 2 विद्युत विक्लेषी पालिश करना	- ·	
21.	IS: 7739 (माग 6) 1975 घातु लेखी तमूने तैयार करने की रीति संहिता भाग 8 सीसा भीर सीसामिश्र भीर उनका परीक्षण		
22.	IS: 7884 1975 कृतिम डिटर्जेंट से बने ग्रीम्पू की विशिष्टि		
23.	IS 17886 1975 विस्फोट भीर भातिसवाजी उद्योग के लिए प्रयुक्त वेरियम कोमेट की विशिष्टि		
24.	IS 17920 (भाग 2) 1976 सांख्यिकीय शब्दावली भीर प्रतीक भाग 2 ममूना लेने भीर प्रक्रम नियंक्षण में प्रमुक्त शब्द		
25.	IS: 7930 1976 चुम्बकीय घाषसाइडों या लोह पाउडर से बने टोराएडों के माप		30 ग्रप्रैस, 1976 को निर्मारित
26.	IS : 79441976 विवनदोजीन धूलन पाउंडर की विधिब्टि		
27.	IS: 7956 1978 टॉक्साफीन पायसनीय लेज ब्रव की विश्विष्टि	مدند. ا	and the same
28.	IS: 79541976 सूटनेसों की विशिष्टि		

[1)	(2)	(3)	(4)
	1)—1978 मशीनी भौजारों की पेकेजबंदी 'की 1 जलयामों द्वारा भेजने के लिए	. 	30 श्रप्रैल 1976 को निक्रांदित
o. [S :796519	76 नायोथियम (कोलम्बियम) की विकिष्टि	·	
1. IS : 796719 कसौटियाँ	76 समृद्ध किनारे के क्षेत्रों में प्रयूषण नियंक्रण की		
2. IS · 797019	76 केपैसिटर के लिए टैस्टेलम पाउकरकी विशिष्टि		
•	ा 3)1976 ट्यूबोप्लास्टी के झौजारों की गरोदकर नमूने की गाइड		
·	ग 4)——1976 ट्यूबोप्लास्टी के ग्रौजारों की भेरोक्कर नमूना का एक सिरे वाला क्षतपरीक्षक		
	ग 5)1976 ट्यूबोप्लास्टी के फ्रीजारों की शिरोदकर नमृना का वो सिरे वाला क्षप्त परीक्षक		
5. IS :798219	76 मोटर गाड़ी कीतरल पॉलिश की विशिष्टि		
. IS: 798619	76 नहरों के निकास स्थान की रीति संहिता		~ -
. IS : 7987~~19 संशिका	76 उच्च बोस्टता एसी सर्किट क्रेकर की चुनाव	_	
o. IS : 799019	76 वाह्य सरक्लिपों में प्रयुक्त प्लासों की विशिष्टि	* ~	
). IS: 7991-~19 जिए जुड़नारों की i	76 हस्तचालित चौरस थाल के सकिंट रिक्षों के विभिष्टि		
ı. IS : 7995—19	76 वायुचासित कंकीट तोड़ के मशीन के शैंक के माप		
. IS: 7997—19	76 ते अ गंध वाले पदायाँ के परीक्षण संदक्षिका		
3. IS: 8003 19 जड़ाइयों की विशि	76 खान की गाड़ियों के पहिये और धुरी की बेट		
	76 कठोर पीक्षीसी (पोलीय वि ना इस क्लो रा इड) ने की सिफारिक्षी विधि		
	1)—-1976 पोने के पानी की सप्लाई के लिए रा बनी उपच घनस्व पाँलीइयाइनीन फिटिंगों की गमान्य प्रपेक्षाएं		
इंजेक्शन मोत्स द्वा	1 2) 1976 पीने के पानी की सप्लाई के लिए रा बनी उच्चे घनत्व पॉलीइथाइलीन फिटिंगों की 2 90 मोड़ के लिए विशेष भपेक्षाएं	'	
इंजेक्शन मोस्ड द्वा	ा 3) 1976 ीने केपानी की सप्लाई के लिए रा बनी उच्च घनत्व पॉलीइयाईलीन फिटगों की 90 "टी" के लिए विशेष घपेकाएं		
इंजिक्शन मोल्ड द्वा	ग 4)-—1976 पीने के पानी की सप्लाई के लिए रा बनी उक्क धनत्य पाँलीइपाइसीन फिटिगों की रिक्रयूसरों की विशेष धपेकाएँ		-~
इंजेक्शन मोध्य द	 ग 5)	 -	***************************************

1	2	3	4
इंजेक्शन में	8 (माग 6) — 1976 पीने के पानी की सप्लाई के वि ोल्ड द्वारा बनी उच्च धनत्व पॉलीइयालीन की फिटिगों के एग 6 पाइप के सिरों की विशेष घपेकाएं	· ·	
इंजेक्शन मो	8 (भाग 7)1976 पीने के पानी की सप्लाई के वि एक द्वारा बनी उच्च घनरव पॉलीइयालीन की फिटिंगों ाग 7 में इविच पर्नेज की विशेष प्रपेक्षाएं		_
52. IS: 801	2 1976 कंमानीदार डम्ब बेस की विक्रिक्ट		

इन भारतीय मानकों की प्रतियाँ विकी के लिए भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 में तथा इसके शाखा कार्यालयों : श्रहमदाबाद, बंगलीर, बस्वई कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, महास, पटना और क्षिबेन्द्रम में उपलब्ध हैं।

[संख्या सी० एम० डी०/13: 2] ए० पी० बनर्जी, उप-महानिदेशक

S.O. 1598.—In pursuance of Sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1976-05-31:

SCHEDULE

	SCHEDULE	
Sl. No. and Title of the Indian Standards No. Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded be the new Indian Standard	Remarks, if any
1 2	3	4
1. IS: 77-1976 Specification for linseed oil, boiled, for paints (second revision)	IS: 77-1968 Specification for linseed oil, boiled, for paints (first revision)	_
2. IS: 564—1975 Specification for DDT dusting powders (second revision)	*IS: 564—1961 Specification for DDT dusting powders (revised)	Established on 1975-12-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 564—1961 shall run concurrently with IS: 564—1975 upto 1976-10-31
3. IS: 565—1975 Specification for DDT water disparsible powder concentrates (second revision)	*IS: 565—1961 Specification for DDT water dispersible powder concentrates (revised)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 565—1961 shall run concurrently with IS: 565—1975 upto 1976-10-31
4. IS: 1153-1975 Specification for temporary corrosion preventive, fluid, hard film solvent deposited (first revision)	1S: 1153—1957 Specification for tem- porary corrosion preventive, fluid, hard film, solvent deposited	Established in 1975-11-30
5. IS: 1275—1976 Rules for Making Alphabetical indexes (first revision)	IS: 1275-1958 Rules for making al- phabetical indexes	-
6. IS: 1448 [P:40]—1976 Methods of test for petro- leum and its products [P:40] Water by Distillation (second revision)	IS: 1448 [P: 40]—1967 Methods o test for petroleum and its products [P: 40] Water by distillation (first revision)	-
7. IS: 1883—1975 Specification for metal shelving racks (adjustable type) (second revision)	IS: 1883—1966 Specification for metal shelving racks (adjustable type) (first revision)	Established on 1975-10-31
8. IS: 1956 (Part II)—1976 Glossary of terms relating to iron nd steel Part II Steel making (first revision)	IS: 1956—1962 Glossary of terms relating to iron and steel	Established on 1976-04-30
9. IS: 1971—1975 Specification for hand operated continuous single-barrel stirrup-pump (third revision)	*IS: 1971-1972 Specification for single-barrel stirrup-pump (second revision)	Established on 1975-12-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 1971-1972 shall run concurrently with IS: 1971-1975 up to 1976-10-31

1	2	3	4
	S: 2347—1974 Specification for domestic pressure cokers (second revision)	IS: 2347—1966 Specification for do- mestic pressure cookers (revised)	Established on 1975-10-31
	S: 2586—1975 Specification for bench vices Machinist's vices) (first revision)	IS:2586—1964 Specification for bench vices (Machinist's vices)	Established on 1976-02-29
	S: 2588—1975 Specification for blacksmith's idea (first revision)	IS: 2588—1964 Specification for blacksmith's vices	Established on 1976-02-29
t c	S: 2720 (Part XII)—1975 Methods of test for Soil Part XII determination of shear strength parameters of soil from consolidated undrained triaxial compression test with measurement of pore water pressure	<u>—</u>	-
	S: 3179—1976 Specification for feeler gauges (0.03 to 1.00 mm) (first revision)	IS: 3179—1965 Specification for feeler gauges (0.03 to 1 mm)	_
	S: 4588—1975 Specification for rubber, raw, natural (first revision)	IS: 4588—1968 Specification for raw natural rubber	Established on 1975-12-31
1	(S : 6273 (Part III)—1975 Guide for sonsory eva- uation of foods Part III Statistical analysis of data	_	
	(S : 7416 (Part VII)—1976 Dimensions for TV	_	
i 1	ferrite components Part VII Pin cushion correction magnet for deflec- tion coil		
;	IS: 7416 (Part VIII)—1976 Dimensions for TV ferrite components	_	
	Part VIII U and I core assembly for line output transformer		
:	IS: 7564 (Part IV)—1975 Recommendations for co-ordination of dimensions in buildings arrangement of building components and assemblies Part IV Functional Group 4—services and drainage		Established on 1976-04-30
	IS: 7739 (Part II)—1975 Code of practice for pre- paration of metallographic specimens Part II Electrolytic polishing		_
	IS: 7739 (Part VI)—1975 Code of practice for pre- paration of metallographic specimens Part VI Lead and its alloys and their examination	_	
22.	IS: 7884—1975 Specification for shampoo, synthe- tic-detergent based		
	IS: 7886—1975 Specification for barlum chromate for explosive and pyrotechnic industry	-	
24.	IS: 7920 (Part II)—1976 Statistical vocabulary and symbols		
	Part II Terms used in sampling and process control		Tatalijiha i 1084 o 464
25.	IS: 7930—1976 Dimensions of Toroids made of magnetic oxides or iron powder		Established on 1976-04-30
26.	IS: 7944—1976 Specification for Quintozene dust- ing powders	· <u></u>	-
27.	IS: 7946—1976 Specification for Toxaphene emulaifiable concentrates	·	
28.	IS: 7954—1976 Specification for suitcases	_	(Manyor
29.	IS: 7960 (Part I)—1976 Code of practice for packaging machine tools Part I For overseas shipment		Established on 1976-04-30

1	2	3	4
30.	IS: 7965—1976 Specification for niobium (columbium)	_	_
31.	IS: 7967—1976 Criteria for controlling pollution of marine coastal areas	·	
32.	IS: 7970—1976 Specification for tantalum powder for capacitors		
33,	IS: 7981 (Part III)—1976 Specification for instruments, tuboplasty Part III Guide, Shirodkar's pattern	_	
34.	IS: 7981 (Part IV)—1976 Specification for instruments, tuboplasty	_	_
35.	Part IV Probe, single ended, Shirodkar's pattern IS: 7981 (Part V)—1976 Specification for instru-	_	-
	ments, tuboplasty Part V Probe, Double ended Shirodkar's pattern		
36.	IS: 7982—1976 Specification for automobile polish, liquid		_
37.	IS: 7986—1976 Code of practice for canal outlets	-	_
38.	IS: 7987—1976 guide for selection of high voltage ac circuitbreakers	****	_
39.	IS: 7990—1976 Specification for pliers for external circlips		_
40.	IS: 7991—1976 Specification for attachments for hand operated square drive socket wrenches	****	_
41.	IS: 7995—1976 Dimensions for pneumatic concrete breakers shanks		_
42.	IS: 7997—1976 Guide for testing products of intense flavour		<u></u>
43.	IS: 8003—1976 Specification for wheel axle assemblies for mine cars	_	_
44.	IS: 8004—1976 Recommended procedure for welding of rigid PVC (rigid polyvinyl chloride)	_	- Labor
45.	IS: 8008 (Part I)—1976 Specification for injection moulded high density polyethylene (HDPE) fittings for potable water supplies		-
	Part I General requirements		
46,	IS: 8008 (Part II)—1976 Specification for injection moulded high density polytheylene (HDPE) fittings for potable water supplies Part II Specific requirements for 90° bends	_	-
	IS: 8008 (Part III)—1976 Specification for injection moulded high density polyethylene (HDPE) fittings for potable water supplies	-	_
	Part III Specific requirements for 90° tees		
48.	IS: 8008 (Part IV)—1976 Specification for injection moulded high density polyethylene (HDPE) fittings for potable water supplies Part IV Specific requirements for reducers	_	
49.	IS 8008 (Part V)—1976 Specification for injection moulded high density polyethylene (HDPE) fittings	_	_
	for potable water supplies Part V Specific requirements for forrules reducers		

(1)	(2)	(3)	(4)
mould- ings fo	of (Part VI)—1976 Specification for injection ed high density polyethylene (HDPE) fitter potable water supplies I Specific requirements for pipe ends		-
tion m fittings	008 (Part VII)—1976 Specification for injectoulded high density polyethylene (HDPE) is for potable water supplies II Specific requirements for sandwich flanges		
	12—1976 Specification for spring dumb-bells	—	

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Behadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur Madras, Patna and Trivendram.

[No. CMD/13:2]

A.P. BANERJI, Deputy Director General

उद्योग मंत्रालय

(ग्रौदीतिक विकास विभाग)

नई विस्ती, 4 मई, 1979

क.०आ० 1599.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (ब्रप्नाबिकृत ब्रिक्षिभोगियों की बेदबाली) प्रिविनयम, 1971 (1971 का 40) की ब्रारा 3 द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे की सारणी के स्तंम (1) में विणित प्रिविकारी की, जो सरकार का राजपवित प्रिविकारी है, सम्पवा प्रिविकारी के रूप में नियुक्त श्री दस्ता राम के स्थान पर, देखिए प्रिविकारी के रूप में नियुक्त श्री दस्ता राम के स्थान पर, देखिए प्रिविचयम के प्रयोजन के लिए सम्पदा प्रिविकारी नियुक्त करती है, और प्राणे यह निवेश देती है कि पूर्वोक्त प्रिविकारी उक्त तारणी के स्तंभ (2) में विनिदिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत, उक्त प्रिविनयम द्वारा या उसके प्रधीन सम्पवा प्रधिकारी को प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग और प्रविरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा ।

प्रधिकारी का नाम	सरकारी स्थान
श्री एम०एल० गृप्त, प्रवर सचिव, उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक विकास विभाग ।	उद्योग भवन

[फा॰ सं॰डी-11012/4/79-जी ए] एस॰ के॰ सरकार, संयुक्त सचित्र

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 4th May, 1979

S.O. 1599.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being Gazetted Officer of Government to be Estate Officer for the purpose of the said Act, vice Shri Data Ram, appointed as Estate Officer vide Notification S.O. 2321 dated 12th August, 1978, and further directs that aforesaid officer shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the Estate Officer by or under the said

Act in respect of the public premises specified in column (2) of the said table,

Name of Officer	Public premises
(1)	(2)
Shri M.I. Chante	-

Shri M.L. Gupta,

Udyog Bhawan

Under Secretary,
Ministry of Industry,
Department of Industrial Development.

[F. No. D-11012/4/79-GA] S. K. SARKAR, Joint Secy.

स्वास्थ्य ग्रीर परिवार कल्याम् मंत्रालय (स्वास्य विमाग)

नई दिल्ली, 4 मई, 1979

का० आ० 1600.—केलीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि दोनों योग सौसाइटियों का, प्रचांत् विश्वयातन योगाश्रम धौर केलीय योग धानुसंघान संस्थान का, जिनका केन्द्रीय सरकार ने योग उपक्रम (प्रबंध प्रहण) प्रधिनियम, 1977 (1977 का 21) के प्रधीन प्रबंध प्रहण कर लिया था, समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए उन्हें 23 मई, 1979 के पश्चात् एक वर्ष की ग्रीर भवधि तक केन्द्रीय सरकार में निहित रखा जाना चाहिए:

मतः उक्त मन मिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रवस मिक्तमों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार यह घोषणा करती है कि बौनों यौग सोसाइटियों का प्रबंध 24 मई, 1979 से एक वर्ष की और प्रवधि सक, केन्द्रीय सरकार में निहित रहेगा।

> [सं॰ मार॰ 11015/17/78—मायुर्वेद बेस्क-iii] विजय मधण, उप-समिश

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE (Department of Health)

New Delhi, the 4th May, 1979

S.O. 1600.—Whereas the Central Government is satisfied that in order to secure the proper management of the undertakings of the two Yoga Societies namenly Vishwayatan Yoga-

shram and the Central Research Institute for Yoga which were taken over by the Central Government under the Yoga Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1977 (31 of 1977) should continue to vest in the Central Government for a further period of one year beyond the 23rd May, 1979;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 3 of the said Act, the Central Government hereby declares that the management of the two Yoga Societies shall continue to vest in the Central Government for a further period of one year on and from 24th May, 1979.

[No, R. 11015/17/78-Ay. Desk III] VIJAY BHUSHAN, Dy. Secy.

अर्जा मंद्रालय

(कोयसा विभाग)

नई दिल्ली, । मई, 1979

का॰ व्य.० 1601.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान ग्रीर ईसंन मतालय की आंधसूचना सं॰ का॰ ग्रा॰ 3894 तार्र ख 22 दिसम्बन्न, 1962 जो कि कोशला बाले केल (ऋजेन ग्रीर धिकांश) प्रशित्तियम 1857 (1957 का 20) की धारा 9 के मधीन तैयार की गई थी, के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा), मिनर्द, भूनुंगडीह, हुटुगवान ग्रीर गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 (एकड़ लगभग) या 1016.58 हैक्टोपर भूमि श्रीजत की है;

ग्रीर भृजुंगबीह ग्राम के हितबद व्यक्ति (1) शेख सलामत सली पुत्र ग्रेख ग्राहिब अली (2) ग्रेख तसलीम (3) ग्रेख इंदरीस (4) मादायुद्दीन (5) नासिरउद्दीन सभी निजामुद्दीन के पुत्र (6) श्रीमती मसीदान पत्नी ग्रेख रमजान (7) सफी ऐन पुत्र नेख प्रस्तुल (8) श्रीमती फुलमानी (9) श्रीमती मोगनी पटनी जोधन मेहतो (10) श्रीमती तेजन पत्नी श्री श्रीपति साहू ने उक्त प्रविनियम की धारा 13 के ग्रधीन, उक्त ग्रजन में से 1.76 एकड़ या 0.71 हेक्टेगर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

चौर उक्त चर्जन के लिए देथ प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा वियतन की जा सकी चौर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हित्बद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई हैं;

ग्रतः, ग्रब, केन्द्रीय सरकार, कोयला थाले क्षेत्र (ग्रजंन श्रीर विकास) ग्रिविस्यम, 1957 की घारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रथल शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक श्रंसकालिक ग्रिविकरण गाठिन करती है जिसमें श्री चन्त्र शेखर सिंह, भ्रपर जिला भीर मेशन न्यायाधीश, राजी होंगे।

[सं॰ 19 | 20 | 78--सी॰ गुम॰-(47)]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 1st May, 1979

S.O. 1601.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhard), Sewai, Bhuchungidh, Hutugdag and Gourbera, thana Kamgarh District Hazaribagh (Bihar).

And whereas (1) Sk. Salamat Ali slo Sk. Saheb Ali (2) Sk. Taslim (3) Sk. Idrish (4) Mayauddin (5) Nashiruddih all sons of Nijamuddin (6) Most Masidan w/o Sk. Ramjan (7) Safi Mian slo Sk. Abdul (8) Most Phulmani (9) Most Mogni w/o Jodhan Mahto (10 Most Taijan w/o Sri Pati Sao of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the claim to the competent authority for payment of compensation for an area of 1.76 acres or 0.71 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)/78-CL(47)]

का० ला० 1602.—केन्द्रीय सरकार में, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंद्रालय की प्रधिसूचना सं० का० प्रा० 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कीयजा वाले खेंच (अर्जन और विकास) प्रिष्ठित्तम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के प्रधीन तैयार की गई थीं, के प्रमुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा), सिवई, भृचुंगडीह, दुदुंगदाम और गौरावेरा, धाना रामगढ़, जिला हुआरी-बाग (बिहार) प्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि प्रजित की है;

और उक्त प्रजंन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की आ सकी ग्रीर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहिस स्वीकार की गई है;

गतः, श्रव, केन्द्रीय मरकार, कीयला वाले क्षेत्र (भर्जन श्रीर विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक श्रंमकालिक प्रधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र शेखर सिंह, अपर जिला और सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं० 19/20/78--सी० एल०-(63)]

S.O. 1602.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Puel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Kolhara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Kandan Manjhi sjo Barku Manjhi (2) Sikari Manjhi (3) Darbari Manjhi both sons of Akla Manjhi of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 3.06 acres or 1.24 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(63)]

का० आ० 1603. केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईधन मंद्रालय की अधिसूचना सं० का० ग्रा० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कीयला बाले क्षेत्र (अर्जन श्रौर विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन तैयार की गई थी, के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा) सिवई, भूचुंगडीह, हुटुंगदाग और गौरावेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगमग) या 1016.55 हुक्टेयर भूमि प्रजित की है;

भीर सिवई ग्राम के हितबद्ध न्यक्ति (1) श्रीमती तनिया परनी खैता करमाली (2) मृनिया करमाली (3) धुनिया करमाली (4) कौका करमाली (5) फालूरी करमाली सभी बैजनाथ करमाली के पुत्र (6) तल करमाली एव जगलाल करमाली (7) अमर लाल करमाली (8) बरक करमासी दोनों गिरधारी करमासी के पुत्र (9) राम बिसास कर-माली पुष्त बदरी करमाली (10) माहा करमाली (11) फन् करमाली दोनों लछू करमास्ती के पुत्र (12) रत्नजीत करमाली पुत्र अकल, कर-माली (13) बिहारी करमाली पुत्र सिन् करमाली) (14) मातन करमाली पुत्र जानकी करमाली (15) हरिहर करमाली पुत्र गाहन कर-माली (16) गुजा करमाली (17) पगवा करमाली दोनों मनी करमाली के पत्र (18) बिरज करमासी (19) गौरी करमासी दोनों नेतृ करमासी के पुत्र (20) प्रयाग करमासी (21) बनवारी करमाली (22) नेपाल करमाली (23) किंगन करमाली (24) बिसन करमाली सभी टेकृ कर-भाली के पक्ष ने उक्त प्रधिनियम की धारा 13 के प्रधीन, उक्त धर्जन में से 0.55 एकड़ या 0.22 हेक्टेयर केंब्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

श्रीर उक्त झजंन के लिए वेय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा निश्चत न की जा सकी और इस प्रकार प्रश्यापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

भत:, ग्रब, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (मर्जन मौर विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदल मिन्दर्भे का प्रयोग करते हुए एक अभकालिक प्रधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र मोखर सिंह, ग्रपर जिला ग्रीर सेमन न्यायाधीम, रांची होंगे।

सिं 19/20/78 सी • एस • (64)]

S.O. 1603.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdin, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

Thana Ramgarh, District Hazaridagh (Binar);
And whereas (1) Most Taniya w/o Khatia Karmali (2)
Muniya Karmali (3) Dhuniya Karmali (4) Koka Karmali (5) Phaturi Karmali all sons of Baij Nath Karmali (6) Tulu Karmali s/o Jaglal Karmali (7) Amar Lal Karmali 8)
Barku Karmali both ss/o Giridhari Karmali (9) Ram Bilas Karmali s/o Badri Karmali (10) Maha Karmali (11) Phunu Karmali both ss/o Lachu Karmali (12) Ranjit Karmali s/o Aklu Karmali (13) Bihari Karmali s/o Sibu Karmali (14)
Matan Karmali (13) Bihari Karmali (15) Haribar Karmali s/o Gahan Karmali (16) Ghuja Karmali (17) Pagwa Karmali both sons of Mani Karmali (18) Barju Karmali (19) Gauri Karmali ss/o Netu Karmali (20) Pravag Karmali (21) Banwani Karmali (22) Nepal Karmali (23) Kishun Karmali (24) Bishun Karmali all ss/o Teku Karmali of village Sewai,

the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.55 acres or 0.22 hectares cut of the said acquisition:

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(64)]

का० वा० 1604.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान भीर ईवन मंत्रालय की अविस् चना सं० का० या० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोगला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की बारा 9 के अधीन तैयार की गई थी, के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा), सिवई, मुच्नारीह, हुदुगवाग और गौराबेरा, वाना रामगढ़, जिला हुजारीबाग (बिहार) प्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि भजित की है;

श्रीर सिवर्ष ग्राम के हितबद व्यक्ति (1) रुपन मांशी (2) विरस्तर्थ मांशी (3) सिबन मांशी (4) रामणी मांशी सभी स्वर्गीय ग्रंगनू मांशी के पूछ (5) हेमलान मांशी (6) तीजराम मांशी (7) महोलान मांशी सभी चरकू मांशी के पूछ (8) श्रीमती मुकर मंगी पश्नी श्री चरकू मांशी (9) जिबन मांशी पूछ सोहारों मांशी (10) सोना राम मांशी (11) करमा मांशी दोनों बसिया मांशी के पूछ ने उक्त ग्राधिनियम की धारा 13 के भंधीन, उक्त ग्रर्जन में से 18.71 एकड़ या 7.57 हैक्टेयर क्रेंथ के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

ग्रीर उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रक्तम, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्तम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत म की जा सकी ग्रीर इस प्रकार प्रस्थापित रक्तम हिनबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

मतः, मब, केन्द्रीय सरकार, कीयला वाले क्षेत्र (भर्जन मौर विकास) अधिनियम, 1957 की बारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदल वस्तिया का प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक अधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र शेखर सिंह, अपर जिला और सेवन स्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं० 19/20/78--सी० एल०(1)]

S.O. 1604.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera. Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Rupan Manjhi (2) Birsai Manjhi (3) Siban Manjhi (4) Ramji Manjhi all sons of Late Aghnu Manjhi (5) Hemlal Manjhi (6) Tijram Manjhi (7) Mahllal Manjhi all sons of Charku Manjhi (8) Most Sukar Manj w/o Charku Manjhi (9) Jiban Manjhi s/o Shoharo Manjhi (10) Sona Ram Manjhi (11) Karma Manjhi both sons of Basia Manjhi of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 18.71 acres or 7.57 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(1)]

का० आ० 1605.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूत-पूर्व खान ग्रीर ईंग्रन मंद्रालय की श्रिधसूचना सं० का० आ० 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (ग्रजंन भीर विकास) ग्रीप्रतियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के ग्रधीन तैयार की गई थी, के श्रनुसरण में. कोईहारा, कुम्बारवारा (जुम्हारधारा) सिवर्ष, भुचुंगक्षीह, हुटुगदाग श्रीर गौराबेरा, याना रामगढ़, जिला हजारी-बाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेथर भूमि श्रीजत की है;

भीर सिबंध प्राप्त के हितबग्र व्यक्ति मितिक मोहम्मय गौस पुत्र मितिक वाली गौस ने उक्त भ्रष्टितियम की धारा 13 के प्रधीन, उक्त भ्रजेंन में से 1.10 एकड़ या 0.445 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

भीर उक्त श्रर्जन के लिए देय प्रतिकर की रक्तम, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्तम की पर्याप्तता की बाबत विचाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा सकी ग्रीर इस प्रकार प्रस्थापित रक्तम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

भतः, भव, केन्द्रीय सरकार. कोयला वाले क्षेत्र (ग्रर्जन भौर विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक ग्रंशकालिक श्रीधकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र शेखर सिंह, अपर जिला और सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰ एस॰(65)]

S.O. 1605.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the Tands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectures in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewal, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh, (Blhar);

And whereas Mullik Mohammad Gause S/o Mullik Valli Gause of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 1.10 acres or 0.445 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Chekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(65)]

का बान 1606.— केन्द्रीय सरकार ने, मास्त सरकार के भूतपूर्व बान भीर ईंधन मंत्रासय की भिक्षसूर्णना सं का भा 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला बासे क्षेत्र (भर्जम भीर विकास) मिनियन, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के मिन्नीत तैयार की गई थीं, के मिन्नीत में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवर्ष, भुषुंगडीह हुट्युदान भीर गौराभेरा, बाना रामगढ़, जिला हजारीबान (बिहार) प्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर मूमि मिजिन की है;

श्रीर सिंबई ग्राम के हितबद्ध व्यक्ति (1) पाती सिंह (2) बालक सिंह (3) बुग्नन सिंह सभी भलकाल सिंह के पुत्र (4) श्रीमती बालकानी पत्नी निरंकू सिंह (5) सुन्वर सिंह पुत्र गनतप सिंह (6) विवेशी सिंह पुत्र बेतू सिंह (7) जीतलाल सिंह (8) करमा सिंह वोगों नरक सिंह के पुत्र ने उक्त अधिनियम की धारा 13 के मधीन, उक्त भर्जन में से 18.92½ एक या 7.65 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्तम प्राधिकारी के पास वावा किया है;

शौर उक्त शर्जन के लिए वेय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबन विजाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

भतः, भ्रव, केन्द्रीय मरकार, कोयला वाने क्षेत्र (मर्जन मौर विकास) अभिनियम, 1957 की भारा 14 की उपभारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक भंशकालिक अधिकरण विठत करती है जिसमें श्री चन्द्र शेखर सिंह अपर जिला और सेशन न्यायाधीश, राँची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰एस॰(66)]

S.O. 1606.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Kolhara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh, (Bihar);

And whereas (1) Pati Singh, (2) Balak Singh, (3) Budhan Singh all S/o Akal Singh, (4) Mst. Balkahi W/o Charku Singh, (5) Sunder Singh S/o Ganpat Singh, (6) Pideshi Singh S/o Chaitu Singh, (7) Jitlal Singh, (8) Karma Singh both S/o Charku Singh of village Sewai the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 18.92, } acres of 7.65 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(66)]

काल्मा व 1607.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के मृतपूर्व लान भीर ईंधन मंत्रालय की मिस्सूचना संव काल माव 3894 तारी व 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोमला वाले केत (भर्जन भीर विकास) मिसिस्चम 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के मधीन तैयार की गई थी, के मनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारकारा), सिवई, भृजुंगईह, हुटुनदाग भीर गौराबेरा, धाना रामगढ़ जिला हुजारीबाग (बिहार) मोमों में 2510 एकड़ (लगमग) या 1016.55 हेक्टेयर मूमि अजित की है:

भौर मियई ग्राम के हितबद व्यक्ति (1) रूपमा मॉझी पुत्र सोहन माँझी (2) दासो माँझी (3) राजो माँझी (4) रूपमाल माझो सभी बाबूमा माँझी के पुत्र (5) बुधना माँझी (6) जगभाव माँझी थेनों सहन माँझी के पुत्र (7) करमा माँझी (8) महतो माँझी (9) सनीवरवा माँझो पुत्र नैको माझी (10) भागो माँझी (11) बुधन माँझी दोनों लची राम माँझी के पुत्र (12) रिसया माँझी (13) धेना माँझी (14) सरज़ माँझी पुत्र मगम्म माँझी ने उक्त माँझीम्यम की धारा 13 के माँझीन, उक्त मार्जन में से 15.70 एकड़ या 6.35 हेनदेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास वाला किया है;

ग्रीर उक्त श्रर्जन के लिए देव प्रतिकार की रकम, प्रस्थापित प्रतिकार की रकम की पर्यप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा सकी ग्रीर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है:

भतः, अने, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की बारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदक्त शक्तियां का प्रयोग करते हुए एक अर्गकालिक अधिकरण गठिन करती है जिसमें श्री चन्द्र शेखर सिंह, अपर जिला और सेशन न्यायाधीश, राँची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰एल॰ (67)]

S.O. 1607.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh, (Bihar);

And whereas (1) Rupna Manjhi S/o Sahan Manjhi, (2) Daso Manjhi, (3) Rajo Manjhi, (4) Ruplal Manjhi all sons of Babua Manjhi (5) Budna Manjhi (6) Jaganath Manjhi both sons of Sahana Majhi, (7) Karma Manjhi, (8) Mahto Manjhi, (9) Sanicharwa Manjhi S/o Naiko Manjhi, (10) Bhago Manjhi, (11) Budhan Manjhi both sons of Lakhi Ram Manjhi, (12) Ratla Manjhi, (13) Dhena Manjhi, (14) Sarju Manjhi S/o Mangru Manjhi of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 15.70 acres or 6.35 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

No. 19(20)78-CL(67)1

का॰ आ॰ 1608. — केन्द्रीय सरकार ने, मारत सरकार के भृतपूर्व जान और ईंधन मंत्रालय की अधिसूचना सं॰ का॰ मा॰ 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (अर्थक और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन तैयार की गई थी, के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवई, मुबंहगीह हुटुगदाग और गौरबेरा, याना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि मजित को है;

भौर सिवई याम के हितबढ़ व्यक्ति (1) हरदी माँझी (2) चरन मौसी (3) बाबुदास मांझो सभी बबुका मौसी के पुत्र (4) विसु मौसी पुल कार्तिक मौझी (5) श्री मित रौनी पत्नी बिरवा मौझी (6) सौराज मौझी पुल भिला मौझी (7) बुधनी पुली शंकर मौझी (8) साधू पुली मेहतो मौझी ने उक्त श्रिष्ठियम की धारा 13 के श्रिधीन, उक्त श्रिश्रेन मैं से 30.15 एकड़ या 12.20 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्तम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

श्रीर उक्त भ्रजन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा सकी भीर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

अतः, मब, केन्द्रीय सरकार, कोयला बाले क्षेत्र (मर्जन भीर विकास) अधिनियम 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए एक मंग्रकालिक मधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्त्र शेख? सिंह, अपर जिला भीर सेमन न्यायाधीश राँची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-मी॰एम॰ (72)]

S.O. 1608.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hozaribagh, (Bihar);

And whereas (1) Hardi Manjhi, (2) Charan Manjhi, (3) Babudas Manjhi all sons of Babuka Manjhi, (4) Bishu Manjhi S/o Kartik Manjhi, (5) Mst Rauni W/o Birwa Manjhi, (6) Sohrai Manjhi S/o Bhikha Manjhi, (7) Budhni D/o Shankar Manjhi, (8) Sadhu D/o Mahto Manjhi of village Sewai, the person interested has, undersection 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 30.15 acres or 12.20 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

INo. 19(20)/78-CL. 72]

का॰ 1609.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के मतपूर्व खान प्रीर ईंधन मंत्रालय की अधिसूचना सं॰ का॰ भा॰ 3894 तारीख 22 विमम्बर, 1962 जो कि कीयला वाले केंक्र (मर्जन ग्रीर विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के मधीन तैयार की गई थी, के भनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवई, मुर्चुगडीह, हुटुदाग ग्रीर गौरावेरा, पामा, रामगढ़, जिला हजारीबाग, (बिहार) प्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हैक्टेयर भूमि मजित की है:

श्रीर सिवर्ष ग्राम के हिनबद्ध व्यक्ति (1) श्रीमती तनिया पर्शने खालू करमाली (2) मृनिया करमाली (3) दुनिया करमाली (4) कोका करमाली (5) फातून करमाली भभी बैजनाय करमाली के पुत्र (6) तुन्नु करमाली पुत्र कप्याली के पुत्र (6) तुन्नु करमाली पुत्र कप्याली करमाली (7) राम बिलास करमाली पुत्र बड़ी करमाली (8) महा करमाली (9) फूनू करमाली दोनों लघू करमाली के पुत्र (10) प्रयाग करमाली (11) बनवारी करमाली (12) नेपाल करमाली (13) बिसन करमाली (14) किसन करमाली पुत्र टेकू करमाली

(15) रनजीत करमाली पुत्र अकलू करमाली (16) जिहारी करमाली पुत्र तीबू करमाली (17) चूजा करमाली पुत्र मनी करमाली (18) हरिहर करमाली पुत्र गाहन करमाली (19) मातीन करमाली पुत्र जानकी करमाली (20) बरजू करमाली और (21) गौरी करमाली पुत्र नेत्र कर माली ने उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन उक्त अर्थन में से 4.48 एकड़ या 1.81 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्तम प्राधिकारी के पान दावा किया है;

श्रीर उक्त श्रमंन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबस विवाद होने के कारण करार द्वारा नियस न की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

मतः मब, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (मर्जन मौर विकास) श्रक्षिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए एक मंग्रकालिक श्रधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र शेखर सिंह, श्रपर जिला भौर सेशन न्यायाधीण, राची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰ एन॰ (73)]

S. O. 1609.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Kolbara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh, (Bihar);

And whereas (1) Most. Taniya w/o Khatu Karmali (2) Munia Karmali, (3) Dhunia Karmali, (4) Koka Karmali, (5) Phatun Karmali all sons of Baijnath Karmali, (6) Tulu Karmali son of Iailal Karmali, (7) Ram Bilas Karmali S/o Badri Karmali, (8) Maha Karmali, (9) Phunu Karmali both sons of Lachu Karmali, (10) Prayag Karmali, (11) Banwari Karmali, (12) Nepal Karmali, (13) Bisun Karmali, (14) Kishun Karmali sons of Teku Karmali, (15) Ranjit Karmali son of Aklu Karmali, (16) Bihari Karmali son of Sibu Karmali, (17) Ghuja Karmali S/o Mani Karmali, (18) Harihar Karmali S/o Gahan Karmali, (19) Matin Karmali S/o Janki Karmali (20) Barju Karmali and (21) Gauri Karmali sons of Netu Karmali of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 4.48 acres or 1.81 hectares cut of the said acquisition:

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(73)]

का०आ० 1610. — केन्द्रीय सरकार ने, मारत सरकार के भूतपूर्व जान भीर ईंधन मंत्रालय की मधिसूचना सं० का० अ894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कीयला वाले क्षेत्र (मर्जन भीर विकास) मधिनयम, 1957 (1957 का 20) की बारा 9 के मधीन तैयार की गई थी, के भनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारकारा), सिवई, मुंचुं बीह, हुदुगदाम भीर गौराबेरा, बाना रामगढ़, जिला हजारी बाग (बिहार) सामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि अजित की है;

112 GI/79-7

श्रीर सिन्धि प्राम के हितबक व्यक्ति (1) गिरीज मेहती (2) अन्दू मेहती बोर्नो दुलू मेहनों के पुत्र (3) भोन्दू मेहनो पुत्र उदय मेहतों ने उक्त श्रक्षितियम की धारा 13 के श्रधीन, उक्त धर्जन में से 2.96 एकड़ या 1.20 हेक्टेयर क्षेत्र के श्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम श्राधि-कारी के पान दाना किया है;

ग्रीर उक्त भ्रजन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत निवाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा सकी भ्रीर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितनदा व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

भतः, भ्रम, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (भ्रजंत भीर विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपक्षारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक भ्रधिकरण गठित करती है जिसमें श्री जन्द्र शेखर सिंह, भ्रपर जिला श्रीर सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[स॰ 19/20/78-सी॰एस॰ (74)]

S.O. 1610.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Minlstry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara). Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh, (Bihar);

And whereas (1) Girij Mahto, (2) Andu Mahto both sons of Doolu Mahto, (3) Bhondu Mahto S/o Udaya Mahto of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 2.96 acres or 1.20 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(74)]

कालका 1611. — केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व जान भीर ईंग्नन मंत्रालय की प्रशिक्षण्यना संव काव ग्राव 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन भीर विकास) भिश्वित्यम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के भन्नी तैयार की गई थी, के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवई, भूगडीह, हुट्वाम भीर गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) आमों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि भिजत की है;

शौर सिवई ग्रांम के हितबब ब्यक्ति (1) बैंग नाथ मेहतो (2) दिबनाथ मेहतो बोनों करीनाथ मेहतो के पुन्न (3) बलेग्वर मेहतो पुन्न छेदी मेहतो (4) श्रीमती मिलापों पत्नी छेदी मेहतो (5) हरकू मेहतो (6) चरकू मेहतो दोनों फूलू मेहता के पुन्न (7) बालक चन्द मेहतो (8) सुगरीब मेहतो दोनों फगी मेहतो के पुन्न (9) श्रीमती गाली परनी फगीं प्रमेहतो (10) थानू मेहतो पुन्न बाद मेहतो (11) बंसी मेहतो पुन्न नागो मेहतो (12) विश्वनाथ मेहतो (13) राजनाथ मेहतो सभी मुकुन्द मेहतो के पुन्न ने उक्त ध्रिवियम की धारा 13 के मधीन, उक्त धर्जन में से 8.30 एकड़ या 3.36 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

भीर उक्त मर्जन के लिए वैय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्ता की शास्त विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा सकी भीर इस प्रकार प्रस्थापित रक्षम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

मतः, प्रम, केन्द्रीय सरकार, कोमला वाले सेन्न (प्रर्थन भीर विकास) धिविनयम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवक्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए एक धंगकालिक मधिकरण गठित करती है जिसमें भी जन्म शेक्षर सिंह, प्रपर जिला धौर सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78 सी॰ एस॰ 75]

S. O. 1611.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Kolhara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazarlbagh, (Bihar);

And whereas (1) Baijnath Mahto, (2) Dibnath Mahto both sons of Karinath Mahto, (3) Baleshwar Mahto S/o Chedi Mahto, (4) Most Milapo W/o Chedi Mahto, (5) Harkhu Mahto, (6) Charku Mahto both sons of Phulu Mahto, (7) Balak Chand Mahto, (8) Sugrib Mahto both sons of Fakir Mahto. (9) Most Galo W/o Fakir Mahto, (10) Thanu Mahto S/o Dadu Mahto, (11) Bansi Mahto, S/o Nago Mahto, (12) Bishwanath Mahto, (13) Rajnath Mahto all sons of Mukund Mahto, of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 8.30-3/4 acres or 3.36 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(75)1

का० मा० 1612.— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधण मंत्रालय की मधिसूचना सं० का० मा० 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (मर्जन और विकास) मधिनियम, 1957 (1957 का 20) की झारा 9 के मधीन तैयार की गई थी, के मनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा), सिवई, पूर्वंगबीह, हुदुगदम और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) प्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि मिजित की है;

और सिवर्ष प्राम के हितबा व्यक्ति (1) मातोरा मांझी (2) रूप-साल मांझी बाबू लाल मांझी के पुत्र (3) श्रीमती जीतनी पत्नी चम्पा मांझी (4) भिक्संग मांझी (5) पूरन मांझी पुत्र चम्पा मांझी (6) ध्रू मांझी पुत्र होपना मांझी ने उक्त मिंबिनियम की धारा 13 के मधीन, उक्त मज़न में से 11.15 एकड़ या 4.51 हेक्टेयर सोन्न के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास वाबा किया है;

भौर उक्त प्रजैन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विद्याद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है; श्रतः, सब, केन्द्रीय सरकार, कीयला वाले क्षेत्र (प्रार्थन कीर विकास) श्रिविनयम, 1957 की धारा 14 की अपबारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंश्रकालिक अधिकरण गठित करती है जिसमें श्री बन्त्र शेखर सिंह, अपर जिला और सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰एल॰ 71]

S. O. 1612.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. \$.0. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh, (Bihar);

And whereas (1) Bhathora Manjhi, (2) Ruplal Manjhi sons of Babu Lal Manjhi, (3) Most Jitni W/o Champa Manjhi, (4) Bhikhmang Manjhi (5) Puran Manjhi son of Champa Manjhi, (6) Dhuru Manjhi son of Hopna Manjhi of village Sewal, the person interested has, under Section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 11.15 acres or 4.51 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(71)]

का० मा० 1613.— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के मूतपूर्व खान और ईंग्रन मंत्रालय की मधिसूचना सं० का० मा० 3894 तारीख 22 विसम्बर 1962, जो कि कोयला वाले केन्न (प्रजॅन और विकास) मधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के प्रधीन तैयार की गई थी, के धनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारक्षारा), सिवाई भूचंग- औह, हुटुगवम और गौराबेरा, बाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) मामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि मजित की है;

और सिवर्ष प्राम के हिंतबद्ध व्यक्ति (1) वसर्ष मोझी (2) बाबूलाल माझी दोगों पूजू मोझी के पुज (3) छेनू पुजी छोटू मोझी (4) महतो माझी पुज सोमरा मोझी (5) भिक्रमंग मोझी (6) पूरम माझी दोगों चम्पा मोझी के पुज (7) धूरु मांझी के पुज होपना मोझी ने उक्त प्रधिन्यम की धारा 13 के प्रधीन, उक्त प्रजैन में से 48.60 एकड़ या 19.66 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

और उक्त प्रजैन के लिए देय प्रतिकार की रकम, प्रस्थापित प्रतिकार की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा { प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

मतः, प्रव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (प्रजैन और विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपघारा (2) द्वारा प्रवक्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंग्रकालिक मधिकरण गठित करती हैं जिसमें श्री कन्द्र गेव्वर सिंह, प्रपर जिला और सेम्रन स्थायाधीश, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰एल॰ (70)]

S. O. 1613.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh, (Bihar);

And whereas (1) Desai Manjhi, (2) Babulal Manjhi both sons of Dudu Manjhi, (3) Dheni D/o Chotu Manjhi, (4) Mahto Manjhi S/o Somra Manjhi, (5) Bhikhmang Manjhi, (6) Purna Manjhi both S/o Champa Manjhi, (7) Dhuru Manjhiji S/o Hopna Manjhi of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 48.60 acres of 19.66 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shrl Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(70)]

का० आ० 1614.—केन्द्रीय सरकार ने, मारत सरकार के भूतपूर्व जान और इंग्रन मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962 जो कि कोयला बाले केन्न (प्रजंग और विकास) अधि-नियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के प्रधीन तैयार की गई बी, के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा), सिवई, मुचुंगडीह, हुटुगवाग और गौराबेरा, बाना रामगढ, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर मुमि ग्राजित की है;

और सिवर्ष ग्राम के हितबद्ध व्यक्ति (1) जयलाल सोनार (2) लालदेव सोनार (3) बालेश्वर सोनार (4) राज किशनो सोनार सभी पोचन सोनार के पुत्र ने उक्त ग्रिधिनियम की धारा 13 के घष्टीन, उक्त घर्षन में से 0.59 एकड़ या 0.24 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दाका किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्सक्षा की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत म की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हित्बद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

भतः, प्रव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (भ्रजेन और विकास) प्रविधित्तयम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंश्रकालिक श्रीधकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र शेक्षर सिंह, भगर जिला और सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰एसं॰ 69]

S. O. 1614.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Kolhara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih. Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh, (Bihar);

And whereas (1) Jailal Sonar, (2) Laldeo Sonar, (3) Baleshwar Sonar, (4) Raj Kishno Sonar all sons of

Pokhan Sonar of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.59 acres or 0.24 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(69)]

का० आ० 1615.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय की घिधसुंबना सं० का० ग्रा० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (प्रजंन और निकास) मधिनियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 9 के भ्रधीन तैयार की गई बी के भनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारघारा), सिवई, भुवृंगबीह, दुट्गवाग और गौराबेश, धाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) भ्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि श्राजित की है;

और सिवर्ष ग्राम के हितबद व्यक्ति (1) वहा राम मोझी (2) काशी नाय मोझी वोनों साधू मोझी के पुत्र (3) बिगन मोझी पुत्र गुमदा मोझी (4) किशन मोझी पुत्र बूदू प्मोझी ने उक्त भविनियम की घारा 13 के भधीन, उक्त भर्जन में से 6.36 एक ब्या 2.57 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकार के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास वावा किया है;

और उक्त धर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विदाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

श्रतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार, कोयला बाले क्षेत्र (धर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक अधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्त्र शेखर सिंह, ग्रपर जिला और सेगन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं० 19/20/78-सी०एस० 68]

S.O. 1615.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Kolhara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh, (Bihar);

And whereas (1) Daharam Manjhi, (2) Kasinath Manjhi both sons of Sadhu Manjhi, (3) Bigan Manjhi S/o Gumda Manjhi, (4) Kisun Manjhi S/o Budhu Manjhi of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 6.36 acres or 2.57 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(68)]

का० भा० 1616.— केन्द्रीय सरकार ते, भारत सरकार के भूतपूर्व धान भीर इंधन मंत्रालय की प्रधिमुखना सं० का० धा० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कीयला वाले क्षेत्र (धर्मन और विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के प्रधीन तैयार की गई थी, के धनुसरण में, कोईहारा, मुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवई भूखंगबीह, हुटुगदाग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि धाजित की है;

और सिवई ग्राम के हिसबाह्य व्यक्ति श्रीमती बीबी खैकनिया पत्नी ग्रेख नूर हसन ने उक्त श्रीधिनियम की धारा 13 के श्राधीन, उक्त धार्जन में से 1.19-1/4 एकड़ या 0.48 हेक्टैयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

और उक्त धर्जन के लिए वेय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हित्बद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

धाः, धव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (भ्रजेन और विकास) धिधिनियम, 1957 को घारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक धिधकरण गठित करती है जिसमें की चन्न शेखर सिंह, धपर जिला और सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰एस॰ (78)]

S. O. 1616,—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh, (Bihar);

And whereas Most Bidi Khairu Nisha wife of Sheikh Noor Hussan of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 1.19, 1/4 acres or 0.48 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(78)]

का॰ त्रा॰ 1617.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईधम मंत्रालय की प्रधिस्त्वना सं० का॰ प्रा॰ 3894 तारीख 22 विसम्बर 1962, जो कि कोयला वाले केत्र (प्रजंन और विकास) प्रधिन्त्यम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के प्रधीन तैयार की गई थी, के प्रनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारखारा), सिवई, भूवंगश्रीह, हुदुगवाग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) प्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि प्रजित की है;

और सिवर्ष प्राम के हितबढ़ व्यक्ति जयलात साहू पुत्र पोखन साहू ने उक्त मधिनियम की धारा 13 के भधीन, उक्त धर्जन में से 0.65 एकड़ या 0.26 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्तम श्रावि-कारी के पास बावा किया है; और उक्त धर्णन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा मियतम की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रति-थाव सहित स्वीकार की गई है;

श्रतः, ग्रब, केन्द्रीय सरकार, कोयका वाले क्षेत्र (श्रर्जन और विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंश्रकालिक प्रधिकरण गटित करती है जिसमें श्री चन्त्र शेंबार सिंह, ग्रपर जिला और सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं० 19/20/78-सी॰एल॰ (59)]

S. O. 1617.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh, (Bihar);

And whereas Jailal Sahu son of Pokhan Sahu of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.65 acres or 0.28 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(59)]

का० भा० 1618.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व जान और इंधन मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० ग्रा० 3894 तारीख 22 विसम्ब,र 1962, जो कि कोयला वाले केंद्र (मर्जन भौर विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन सैयार की गई थी के प्रतुसरण में, कोईहारा, जुम्बारवारा (कुम्ह्बान्धारा), सिवई, भुजुगडीह, दुरुगदान भौर गौराचेरा, थाना रामगढ़ जिला हजारी बाग (बिहार) प्रामी में 2510 एकड़ (लगमग) या 1016.55 हैं भ्टेयर भूमि प्राजित की है।

सिवर्ष प्राम के हिनबाद व्यक्ति मौह० भौकत भली पुत्र मौह० गरीफ ने उक्त प्रधिनियम की भारा 13 के भ्रमीन उक्त भ्रजीन में से 0.281/4 एकड़ या 0.11 हैक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राजिकारी के पास दावा किया है;

प्रोर उकत प्रजैन के लिए वेय प्रतिकर की रकन, प्रस्थापित प्रक्तिकर की रकन की पर्योध्यता की सामन दिवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जासकी भीर इस प्रकार जन्यापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रति-वाद सहित स्वीकार की गई है;

पतः, प्रव केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (प्रवान पीर विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त यक्षियों का प्रयोग करते हुए एक मंग्रकालिक प्रधिकरण गठिन करती है जिसमें था नन्द्र गैक्टर सिंह, प्रथर जिला और सेशन न्यायाधीण, रांची होंगे।

सिं॰ 19/20/78-सिं। एल० (58)]

S. O. 1618.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Conl Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih,

Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh, (Bihar);

And whereas Md. Shaukat Ali son of Md. Sarif of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.28½ acres or 0.11 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(58)]

का॰ मा॰ 1619.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत मरकार के भूत पूर्व खान ग्रीर ईंधन मंद्रालय की अधिलूचना मं० का॰ ग्रा॰ 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला बाल कोच (क्रजंन यौर विकान) धितियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के प्रश्रीत नैयार की की गई थी, के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवई, मुचुंगडीह, हुटुगद्ध भीर गौराबेरा, थाना रामणढ़ जिला हजारी बाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड (लगभग) या 1016 55 ईंक्टेयर भूमि भजित की है;

और सिवर्ड ग्राम के हितबद व्यक्ति :

- (h) तन्द लाल महती पुत कंचन महती
- (2) वसई महतो पुत इन्द्रा महतो

ने उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, उक्त अर्जन में से 1.24 एक इ या 0.50 हेक्टेयर कोंझ के प्रतिकर के संदाय के लिए समक्ष प्राधि-कारी के पास दावा किया है;

योर उक्त धर्जन के लिए देय प्रतिकर की रफम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्योप्तता भी बाबन विवाद होने के कारण करार द्वारा निवतन की जा सर्का धीर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हिनबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

धनः, धव , केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले कोन्न (धनंन घीर विकास)
प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त गिक्तयों
का ग्रयोग करते हुए एक ग्रंथकालिक ग्रधिकरण गठित करती है जिसमें
की चन्द्र गेंखर सिंह, धार जिना भीर सेशन न्यायाधीग , रांची होंगे।

[मं० 19/20/78-सी० एन० (57)]

S. O. 1619.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act. 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Kolhara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh, (Bihār);

And whereas (1) Nand I al Mahto S/o Kaachan Mahto. (2) Desai Mahto S/o Indra Mahto of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 1.24 acres or 0.50 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest; Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19/20)78-CL(57)]

का० का० 1620.—केन्द्रीय संस्थार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व यान और ईंधन मनालय की अधिभूजना य० का० प्राच उस्वय तारी के 22 विमस्बर, 1962 जो कि कोयना जोने कीन (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अर्धान नैपार की गई थी, के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारपारा (कुम्हारधारा), सिबई, भुगुंगडाह, शुक्रुगव्य और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीश्राग (बिहार) ग्रामों में 25.10 एकड़ (लगभण) या 1016.55 हैक्टेंगर भूम अजित की है;

श्रीर कोईहारा ग्राम के हितबब व्यक्ति (1) रामधन मह्तो पुत वाद् महतो (2) हरि दाम महतो (3) झारी महतो (4) रोगा महतो मश्री प्यासी महतो के पुत्र (5) होमलाल महतो (6) टानिक महतो दोनों भोहन महतो के पुत्र (7) सम्बी चरन महतो पुत्र महाराज महतो (8) कार्तिक मेहतो पुत्र श्रकल् महतो (9) जयपाल महतो पुत्र भिकमंग महतो (10) प्रचमी महतन पत्नी भिकमंग महतो ने उक्त श्रिधिनियम की घारा 13 के श्रधीन, उक्त धर्जन में से 13.81 एक या 5.59 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के सदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पाग दाया किया है;

श्रौर उन्त श्रजैन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रभ्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी श्रौर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

प्रतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (प्रजीन धौर निकास') प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवक्त गिक्समें का प्रयोग करने हुए एक धंगकालिक श्रिधकरण गठिस करती है जिसमें श्री चन्द्र गोखर मिह अपर जिला और सेशन न्यायाधीश, राष्ट्री होंगे।

[मं॰ 19/20/78-मी॰ एल॰ (16)]

S. O. 1620.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara). Sewai. Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh, (Bihar);

And whereas (1) Ramdhan Mahto S/o Dadu Mahto (2) Hari Das Mahto, (3) Jhari Mahto, (4) Roga Mahto all sons of Ghasi Mahto, (5) Hemlal Mahto, (6) Tanik Mahto both sons of Mohan Mahto, (7) Sakhi Charan Mahto S/o Maharaj Mahto S/o Bhikhmang Mahto, (8) Kartik Mahto S/o Aklu Mahto, (9) Jaipal Mahto S/o Bhikhmang Mahto, (10) Panchami Mahtain W/o Bhikhmang Mahto of village Koihara, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 13.81 acres or 5.59 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi

[No. 19(20)78-CL(16)

का० आ० 1621. → केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान योर इंग्रन मंत्राजय को प्रशिक्ष्मचना स० का० घा० 3894 तारीख 22 विस्वश्यर 1962, जो कि कोयला वाले खेल (श्रेर्जन श्रीर विकास) घित्यस 1957 (1957 का 20) की घारा 9 के श्रधीन तैयार की गई बी, के धनुसरण में, कोईहारा, कुम्बरदारा (कुम्हारधारा), सिवई, भृषुणडाह, हुरुपदम श्रीर नोराजेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारी बाग (बिहार) यामों में 25.10 रकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टोयर भूमि घर्जिन की है,

गौर सिवई ग्राम के हितबद्ध व्यक्ति (1) सोमर महतो जेतू भेहतो (3) मितू महरो (4) तिक मेहनो सभी सोधन महतो के पुत (5) चन्दर मेहनो पुत्र नीमा मेहनो (6) धूजा मेहतो पुत्र बनिग मेहनो ने उक्त ग्रिधिनियम को धारा 13 के ग्रिधीन, उक्त ग्रर्जन में से 12.74 एकड़ या 5.15 है हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकार के संवाय के लिए सक्तम पाधिकारी के पास वावा किया है।

ग्रीर उक्त ग्रर्जन के लिए वेय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबस विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी श्रीर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हिनबाद व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

श्रतः, श्रवः, केर्द्राय सरकारं, कोयला वालं क्षेत्रः (धर्जन ग्रहैर विकास) श्रिश्रितियम, 1957 की घारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक भ्रंगकालिक ग्रिधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्दर शक्षर सिंह, ग्रपर जिला और सेशन न्यायाधीण , संबी होगे।

[मं॰ 19/20/78-सी॰ एस॰ (56)]

S. O. 1621.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Somar Mahto, (2) Jethu Mahto, (3) Mithu Mahto, (4) Mithu Mahato all sons of Sodhan Mahto, (5) Chandar Mahto S/o Neema Mahto, (6) Ghuja Mahto S/o Banij Mahto of village Sewai, the person interested, has under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 12.74 acres or 5.15-1/2 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(56)]

का० गा० 1622.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भ्तपूर्व जान हीं मंत्रालय की प्रधिनूचना स० का० ग्रां० 3894 नारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कीयला वाले केंद्र(ग्रर्जन ग्रीर विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के ग्रधीन तैयार की गई थी, के ग्रतुपरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवर्ध, भृष्वार्थार, हुटुगवग भीर गीगवेरा, धाला रामगढ़, जिला हजारी भाग (विज्ञार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016 55 हैक्टेयर भूमि ग्रिजित की है;

श्रीर सिवर्ष श्रास के हित**बब** व्यक्ति (1) धनपत सृण्डा (2) लालधन सृण्डा (3) जीबराम मृण्डा सभी रामदास मृण्डा के पृत्त (4) शिवनन्थन सकी (5) महेन्द्र मंकी दोनों बोन सृण्डा के पृत्त ने उक्त धिनियम की धारा 13 के ध्रधीन, उक्त ध्रर्णन में में 6.12 एकड़ या 2.48 हेक्टेयर क्षेत्र के जितकर के मंदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

श्रीर उकन श्रर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम कोपर्याप्तना को बाबत विशाद होने के कारण करारद्वारानियत न की जा सकी भीर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबख व्यक्ति द्वारा प्रति-वाद सहित स्वीकार की गई है;

प्रतः, अब, केन्द्रीय मरकार, कोयला वाले क्षेत्र (प्रजन क्योर विकास) प्रिधिनियम, 1957 की घारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए एक प्रशकालिक प्रधिकरण गठिन करती है जिसमें थ्यां चन्द्र शेखार सिंह, अपर जिला और सेशन स्थायाधीश , रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी० एल० (55)]

S. O. 1622,—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mine₈ and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Kothara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Dhanpat Munda, (2) Laldhan Munda, (3) Jib Ram Munda all sons of Ramdas Munda, (4) Sibnandan Manki, (5) Mahendra Manki both sons of Dinu Munda of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 6.12 acres or 2.48 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(55)]

का० मा० 1623.—केन्द्रीय सरकार में, भारत मरकार के भूतपूर्व खान और ईंग्रन मंत्रालय की मिश्चसूचना सं० का० ग्रा० 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1982, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (ग्रजन और विकास) भिक्षितियम 1957 (1957 का 20) को धारा 9 के मधीन तैयार की गई थी, के मनुभरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवई, भुबु।बंह, हुदुगवध और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारी बाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड (लगभग) या 1016.55 हैं क्टेयर गमि ग्रजित की है,

स्रीर सिवई प्राम के हितबढ़ व्यक्ति भगवान वास साह पुत्र भोकी साह ने उक्त प्रधिनियम की धारा 13 के प्रधीन, उक्त प्रजीन में से 0.72 एकड़ या 0.29 हैंक्ट्रेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधि-कारी के पास वावा किया है;

और उक्त क्रजन के लिए वेस प्रतिकर की रकस, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्षम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के का ण करार द्वारा निसन की जा सफी और इस प्रकार प्रस्थापित रक्षम हिन्त्रक स्थक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है; भाः, मनं, कैन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (प्रजीन भीर विकास)
श्रिप्तियम, 1957 की घारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त गक्तियों
का प्रोग करते हुए एक श्रंभकालिक श्रिकरण गठित करती है जिसमें हैं।
श्रां चन्दर गोबार सिंह, अनर जिला और सेगन स्थायाधीण, संची होंगे।

[मं॰ 19/20/78-मी॰ एल॰ (54)]

S. O. 1623.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbardara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas Bhagwan Das Sahu son of Moti Sahu of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.72 acres or 0.29 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(54)]

भा० मा० 1624. केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खाम और ईश्वन संसालय की मिश्चसूचना सं० का० ग्रा० 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले केस (प्रजंत और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 9 वे मधीन तैयार की गई थी, के ग्रनुभरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा), सिबई, भूचुंगडीह, हुदुगवाग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाम (बिहार) मामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूम मजित की है;

और सिनर्ध प्राम के हितवद व्यक्ति (1) पारस माथ नौधरी पुत्र भोलामाथ नौधरी (2) गोनरधन नौधरी पुत्र हीरा लाल नौधरी (3) धुमुकनाथ नौधरी (4) ईश्वर चन्त्र चौक्षरी दोनों मंगालाल नौधरी के पुत्र (5) नगेव्र नाथ नौधरी (6) सुरेन्द्र नाथ नौधरी दोनों गौरी शंकर नौधरी के पुत्र (7) लील रतन नौधरी (8) चरण चौक्षरी दोनों भोगीनाथ नौधरी के पुत्र (9) जुगल चौक्षरी (10) नमन्त्र नाथ चौक्षरी (11) रधुनाथ चौक्षरी सभी लोकनाथ धौक्षरी (10) नमन्त्र नाथ चौक्षरी (11) रधुनाथ चौक्षरी सभी लोकनाथ धौक्षरी के पुत्र (12) भद्रानाथ चौक्षरी (15) श्रीकांत चौक्षरी (16) सुञ्जाकर चौक्षरी (14) नीलकंठ चौक्षरी (15) श्रीकांत चौक्षरी (16) सुञ्जाकर चौक्षरी (17) विसन् चरन चौक्षरी (18) लुकेश्वर भोक्षरी सभी स्वर्गीय गिरजा नाथ चौक्षरी के पुत्र (19) श्रीमती वसल्ती देवी पत्नी गिरजा नाथ चौक्षरी के पुत्र (19) श्रीमती वसल्ती देवी पत्नी गिरजा नाथ चौक्षरी के पुत्र (19) श्रीमती वसल्ती देवी पत्नी गिरजा नाथ चौक्षरी के पुत्र (19) श्रीमती वसल्ती देवी पत्नी गिरजा नाथ चौक्षरी के पुत्र (19) श्रीमती वसल्ती देवी पत्नी गिरजा नाथ चौक्षरी के पुत्र (19) श्रीमती वसल्ती देवी पत्नी गिरजा नाथ चौक्षरी के पुत्र (19) श्रीमती वसल्ती देवी पत्नी गिरजा नाथ चौक्षरी के पुत्र (19) श्रीमती वसल्ती देवी पत्नी गिरजा नाथ चौक्षरी के पुत्र (19) श्रीमती वसल्ती देवी पत्नी गिरजा नाथ चौक्षरी के पुत्र (19) श्रीमती वसल्ती देवी पत्नी गिरजा नाथ चौक्षरी के पुत्र (19) श्रीमती वसल्ती देवी पत्नी गिरजा नाथ चौक्षरी के पत्न प्राप्त के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

और उक्त ग्रर्जम के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद संहित स्वीकार की गई है; ग्रतः, ग्रव, केन्द्रीय सरकार, कोमला नाले क्षेत्र (भ्रजीन और निकास) श्रवितियम, 1957 की वारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त समितयों का प्रयोग करते हुए एक अंश्रकालिक श्रविकरण गठित करती है जिसमें श्री अन्त्र मेखर सिंह, ग्रापर जिला और सेशन त्यायाधीश, रांची होंगे।

[मं॰ 19/20/78-सी॰ एल॰ (53)]

S. O. 1624.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Parasnath Chowdhari S/o Bholanath Chowdhari, (2) Gobardhan Chowdhary S/o Hira Lal Chowdhary, (3) Thumuk Nath Chowdhary, (4) Ishwar Chand Chowdhary S/o Munga Lal Chowdhary, (5) Nagendra Nath Chowdhary, (6) Surendra Nath Chowdhary both S/o Gaurishankar Chawdhary, (7) Lil Ratan Chawdhary, (8) Charan Chawdhary both S/o Bhoginath Chawdhary, (9) Jugal Chawdhary, (10) Nanku Nath Chawdhary, (11) Raghunath Chawdhary all sons of Lok Nath Chawdhary, (12) Bhadra Nath Chowdhary S/o Kashi Nath Chowdhary, (13) Dhaneshwar Chawdhary, (14) Nil Kanth Chawdhary, (15) Shree Kant Chawdhary, (16) Sudhakar Chawdhary, (17) Bishnu Charan Chawdhary, (18) Lukheshwar Chawdhary all S/o Late Girija Nath Chawdhary of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 4.94-1/6 acres or 2.00 hectares out of the said acquisition:

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(53)]

का० का० 1625.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व जान और ईंधन मंत्रास्य की प्रिस्तूचना सं० का० प्रा० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कीयला वाले खेळ (धर्जन और विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन तैयार की गई थी, के प्रमुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा), सिवई, भूचुंगडीह, हुटुगदाग और गौराबेरा, धाना रामगढ़, जिला हुआरीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि प्रांजन की है; और सिवई ग्राम के हितबद्ध व्यक्ति श्रीमती सत्यभामा कुमारी पत्नी जयनत्वन चौधरी ने उक्त श्रिधनियम की धारा 13 के क प्रधीन, उक्त धर्मन प्रांच के लिए मक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है

और उन्त ग्रर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

धतः , श्रव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (ग्रर्णन और विकास) धर्धिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक धर्धिकरण गठित करती है जिसमें श्री अन्त्र शेखर सिंह, श्रपर जिला और सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे ।

[सं॰ 19/20/78-सी॰ एस॰ (77)]

S. O. 1625.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara). Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera. Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas Most. Satya Bhama Kumari W/o Jai Nandan Choudhury of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.48-1/2 acres or 0.20 hectares out of the said acquisition:

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(771)]

का० प्रा० 1626.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय की प्रिष्ठसूषना सं० का० प्रा० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला काने केन्न (अर्जन और विकास) प्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के भ्रधीन तैयार की गई थी, के भ्रनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवई भूचूंगश्रीह, हुटुगदाग और गौराबेरा, थाना रामगढ़ जिला हुजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि मर्जित की है; और सिवई ग्राम के हितबद्ध व्यक्ति श्रीमती बीधी बफालून निशा पत्नी शेख मकसूद से उक्त मधिनियम की धारा 13 के भ्रधीन, उक्त श्रजन में से 1.50 एकड़ या 0.61 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

और उक्त प्रजंन के लिए देय प्रतिकर की रक्षम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वार। नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रक्षम हिसबद्ध द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

श्रातः, श्राव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले केत्र (श्रर्जन और विकास) ग्रिश्चित्यम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंगकालिक ग्रिश्चकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्त्र ग्रेखर सिंह, ग्रापर जिला और सेगन न्यायाधीण, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰ एस॰ (76)]

S. O. 1626.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara). Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas Most, Bibi Bafatun Nisha W/o Sk. Maqusood of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 1.50 acres or 0.61 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for tree said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(76)]

का० आ० 1627.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व लान और ईंग्रन मंत्रालय की प्रधिसूचता सं० का० ग्रा० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला जाले क्षेत्र (प्रजंग और विकास) प्रधिमियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 9 के प्रधीन तैयार की गई थी, के ध्रनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारकारा), सिवई, भूचुंगडीह, हुटुगवाग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) यामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि ग्रजित की है;

और कोई हारा ग्राम के हितबज़ व्यक्ति (1) वेबकी क्त्यन चौधरी (2) अज मोहन चौधरी (3) सूरज भूषण चौधरी सभी धर्मनाथ चौधरी के पुत्र (4) बालकृष्ण चौधरी पुत्र घनश्याम चौधरी (5) दिल नाम चौधरी पुत्र जीवाधन चौधरी (6) भूवनेश्वर चौधरी (7) रामेश्वर चौधरी (8) हीरा लाल चौधरी सभी जयनन्दन चौधरी के पुत्र (9) गनेश चौधरी (10) भन्द लाल चौधरी दोनों जगेश्वर चौधरी के पुत्र (11) श्रीमिती जमना पस्ती जगेश्वर चौधरी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 13 के प्रधीन, उक्त प्रजान में से 1.10 एकड़ या 0.44 है हैक्टेयर कोल के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्रधिकारी के पास वावा किया है;

और उक्त झर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितदद व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

धतः , प्रव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (प्रजंत और विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंश्रकालिक प्रधिकरण गठित करती है जिसमें श्री जन्त्र शेखर सिंह, प्रपर जिला और सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰ एल॰ (86)]

S. O. 1627.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Deoki Nandan Choudhury, (2) Braj Mohan Choudhury, (3) Suraj Bhushan Choudhury all sons of Dharam Nath Choudhury, (4) Balkrishna Choudhury S/o Ghan Shyam Choudhury, (5) Dil Nath Choudhury S/o Jibadhan Choudhury, (6) Bhuneshwar Choudhury, (7) Rameshwar Choudhury, (8) Hıralal Choudhury all sons of Jainandan Choudhury, (9) Ganesh Choudhury, (10) Nand Lai Choudhury both sons of Jageshwar Choudhury, (11) Most, Jamuna W/o Jageshwar Choudhury of village Koihara, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 1.10 acres or 0.44-1/2 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(86)]

का० प्रा० 1828.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत गरकार के भृत्रूर्व खान और ईघन मंत्रालय की प्रधिसूचना सं० का० प्रा० 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला बाले क्षेत्र (ग्रर्जन और विकास) प्रधितियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के प्रधीन तैयार की गई थी, के धनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा), सिवई, भृषुंगडीह, हृदुगदाग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016,55 हेक्टेयर भूमि धजित की है;

और कोईहारा प्राम के हितबद्ध व्यक्ति (1) श्रीमती फूगू पत्नी वासी मांसी (2) लाह मांसी (3) मंगा मांसी दोनों सुकू, मांगी के पुत्र ने उक्त श्रधिनियम की धारा 13 के सधीन, उक्त ग्रर्जन में से 1.37 एकड़ या 0.55 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के मंदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

और उक्त ध्रर्जन के लिए देथ प्रतिकर की रकम प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबश्च व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

घतः, श्रम, केन्द्रीय सरकार, कोयला बाले क्षेत्र (धर्जन और विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त एक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक प्रधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र शेखर सिंह, प्रपर जिला और सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी० एप॰ (20)

S.O. 1628.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894. dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai. Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera. Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Most. Phugu W/o Ghase Manjhi, (2) Lahu Manjhi and (3) Manga Manjhi both sons of Suku Manjhi of village Koihara, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 1.37 acres or 0.55 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Conl Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Rancht.

[No. 19(20)78-CL(20)]

कां० मा० 1629.— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व बान और ईंधन संवालय की प्रश्चित्त्वाना सं० का० ग्रां० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (ग्रजेंग और विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के प्रधीन तैयार की गई बी, के धनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिंवई, मुक्ताबीह, हुटुग्वाग और गौरावेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (जिहार) धामों में 2510 एकड़ (लगमग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि श्रांजत की है;

और भुषुंगशीह प्राम के हितबद व्यक्ति (1) लील रतन चौधरी (2) चरन चौधरी दोनों भोगी नाथ चौधरी के पुत्र (3) जुगल किशोर चौधरी (4) ननकू चौधरी (5) रशुनाथ चौधरी संभी लोक नाय चौधरी के पुत्र (6) गोबरधन चौधरी (7) परसनाथ चौधरी दोनों हरीलाल चौधरी के पुत्र (8) यूम्कनाथ चौधरी (9) ईश्वरधन चौधरी दोनों मंगालाल चौधरी के पुत्र (10) नगेन्त्र नाय चौधरी (11) सुरेन्द्र नाय चौधरी दोनों गोरी नाथ चौधरी के पुत्र (12) भद्रानाथ चौधरी पुत्र काशीनाथ चौधरी (13) वंश्वर चौधरी (14) नील कंठ चौधरी (15) श्रीकांख चौधरी (16) सुधाकर चौधरी (17) विशन् चरन चौधरी (18) लुकेश्वर चौधरी (17) विशन् चरन चौधरी (18) लुकेश्वर चौधरी सभी गिरजा नाथ चौधरी के पुत्र (19) श्रीमती बसन्ती वेवी परनी गिरजा नाथ चौधरी ने उक्त ग्रिधनियम की धारा 13 के ग्रंधीन, उक्त ग्रंजन में से 1.06 एकड़ 0.43 हेक्टेयर कोत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्रम प्राधिकारी के पास वावा किया है;

और उक्त धर्जन के लिए देम प्रतिकार की रकम, प्रस्थापित प्रतिकार की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

मतः, मब, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र, (भर्णन और विकास) धिर्धिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक प्रधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्त्र शेक्षर मिंह, प्रपर् जिला और सेशन स्यायाधीश, रांची होंगे।

सिं o 19/20/78-सी o एस o (31)]

S.O. 1629.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Lil Ratan Choudhury, (2) Charan Choudhury both sons of Bhoginath Choudhury, (3) Jugal Kishore Choudhury, (4) Nanku Choudhury, (5) Raghunath Choudhury, (7) Parasnath Choudhury both sons of Harilal Choudhury, (8) Thumak Nath Choudhury, (9) Ishwardhan Choudhury S/o Mangalal Choudhury, (10) Nagendra Nath Choudhury, (11) Surendra Nath Choudhury, (10) Nagendra Nath Choudhury, (12) Bhadra Nath Choudhury, (13) Charan Choudhury, (14) Lilkanath Choudhury, (15) Srikanth Choudhury, (16) Sudhakar Choudhury, (17) Bishnu Charan Choudhury, (18) Lukeshwar Choudhury all sons of Girja Nath Choudhury, (19) Most Basanti Devi W/o Girja Nath Choudhury, (19) Most Basanti Devi W/o Girja Nath Choudhury, (19) Most Basanti Devi W/o Girja Nath Choudhury of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 1.06 acres or 0.43 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(31)]

सरकार के काल्यार 1830 -- कैन्द्रीय मरकार ने, भारत भूतपूर्व स्नान ग्रीर ईंधन मंत्रालय की ग्रिधसूचना सं० का०ग्राट 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (मर्जन श्रीर विकास) भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 9 के भ्रधीन तैयर की गई थी, के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा/(कुम्हारधारा) सिवई, भुचुंगडीह, हटुगक्षाग और भौरागेरा, घाना रामगढ़, जिला हजारी बाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टैयर भूमि अजित की है; और भृष्णिहीह ग्राम के हितवब व्यक्ति (1) पांधु मेहतो (2) खेदान मेहतो दोनों मुखदेव मेहतो के पुत्र ने उक्त अधिनियम की घारा 13 के मधीन, उक्त मर्जन में से 0.30 एकड़ या 0.12 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है ; स्रौर उक्त श्रर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्षम की पयाप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है ;

ग्रतः, श्रवः, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्रः (ग्रजैन भीर विकास) श्रिधिनियम, 1957 की घारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवक्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए एक ग्रंशकालिक श्रिधकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्त्रः शेखार सिंह, श्रवर जिला श्रीर सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं० 19/20/78-सी० एस० (28)]

S. O. 1630.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Panchu Mahto, (2) Khedan Mahto both sons of Sukhdeo Mahto of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.30 acres or 0.12 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi

[No. 19(20)78-CL(28)]

का० आ० 1631.— कैन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भृतपूर्व खान ग्रीर ईंधन मंद्रालय की ग्रिधिसूचना सं० का० ग्रा० 3894 तारीख 22 दिस्टबर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (ग्रर्जन ग्रीर विकास) ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 9 के ग्रधीन तैयार की गई यी, के अनुसरण में, कोईहारा, कुन्बारवारा (कुन्हारधारा), सिवर्ष, भृज्यांकीह, हुट्गेदांग ग्रीर गौराबेरा, धाना रामगढ़, जिला हजारीबांग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि ग्राजित की है;

श्रीर मुच्यां ही है प्राप्त के हितवब व्यक्ति (1) कालीवास मोशी (2) चैतू मांशी दोनों दुबराज मांशे के पुत्र (3) बीरवल मांशी (4) सिबन मांशी दोनों राम मांशी के पुत्र (5) सिकारी मांशी (6) मान सिंह मांशी दोनों छोटे मांशी के पुत्र (7) मोगोला मांशी पुत्र मातालू मांशी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 13 के श्रधीन, उक्त प्रजैन में से 9.69 एक ए या 3.92 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के मंदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

सौर उक्त भर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तना की बाबत जिवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

श्रतः, अब, केन्द्रीय मरकार, कोयला वाले क्षेत्र (श्रजंन झौर विकास) श्रीधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपघारा (2) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक श्रंणकालिक श्रीधकरण गठित करती है जिसमें श्री चस्द्र णेखर मित्र, श्रपर जिला और मेणन न्यायाधीण, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-मी॰ एल॰(30)]

S. O. 1631.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumha, Ihara). Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Kalidas Manjhi, (2) Chaitu Manjhi both sons of Dubraj Manjhi, (3) Birbal Manjhi, (4) Siban Manjhi both sons of Ram Manjhi, (5) Sikari Manjhi, (6) Man Singh Manjhi both sons of Chhotu Manjhi, (7) Mogʻa Manjhi S/o Matalo Manjhi of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 9.69-1/2 acres or 3.92 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(30)]

का॰ आ॰ 1632.— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व मान और ईंधन मंत्रालय की ग्राधिभूचना सं॰ का॰ ग्रा॰ 3894 तारीक 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (मर्जन मौर विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के प्रधीन तैयार की गई थी, के ग्रनुसरण में, कोईहारा, कुस्बारदारा (कुस्हार धारा), सिवई, भुकृंगबीह, हुटुगवा। श्रौर गौराबेरा, बाना रामगढ़, जिला हुआरीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि प्रजित की है;

यौर भुचुंगडीह ग्राम के हिनबद व्यक्ति (1) चरकू करमाली (2) हरधन करमाली (3) हेमदा करमाली सभी वयाल करमाली के पुत्र (4) बिरमा करमाली (5) लाल माय करमाली (6) बाबूराम करमाली (7) केवल करमाली (8) मुबोध करमाली मगी नानू करमाली के पुत्र (9) गोबरा करमाली (10) कार करमाली (11) बोन्दा करमाली सभी मुन करमाली के पुत्र (12) जगदीश करमाली (14) मुनिया करमाली (13) श्रीमती तिनया देवी पत्नी खेतू करमाली (14) मुनिया करमाली (15) धूनिया करमाली (16) कोका करमाली (17) फातूरी करमाली (15) धूनिया करमाली (16) कोका करमाली (17) फातूरी करमाली सभी बैजनाथ करमाली के पुत्र (18) तालू करमाली पुत्र जगलाल करमाली (19) ग्रमरलाल करमाली (20) बालकू करमाली सभी विरद्यारी करमाली के पुत्र (21) रामबिलास करमाली पुत्र बादी करमाली (22) महा करमाली (23) पुनु करमाली सभी लख्न करमाली के पुत्र (24) प्रयाग करमाली (25) बनवारी करमाली (26) नेपाल करमाली (27) विषानू करमाली (28) कियन करमाली सभी टेकू करमाली (27) विषानू करमाली (28) कियन करमाली सभी टेकू करमाली (27) मोटन

करमाली पुत्र जानकी करमाली (31) हरिहर करमाली पुत्र गहुन करमाली (32) धूजा करमाली (33) पचूधा करमाली सभी मनी करमाली के पुत्र (34) बरजू करमाली (35) गौरी करमाली सभी नेनू करमाली के पुत्र (36) बिहारी करमाली पुत्र मीबू करमाली के पुत्र ने उक्त ध्रिनियम की धारा 13 के अधीन, उक्त धर्जन में से 4.30-1/2 एकड़ था 1.74 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के नदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

श्रीर उक्त भ्रजंन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा निय-तन की जा सकी श्रीर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

ग्रतः श्रव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (श्रजंन और विकास) अधिनियम, 1957 की घारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक अधिकरण गठित करती है जिसमें श्री जन्द्र शेखर सिंह, अपर जिला और सेशन स्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰ एस॰(27)]

S. O. 1632.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Charku Karmali, (2) Haradhan Karmali, (3) Hemda Karmali all sons of Dayal Karmali, (4) Birsa Karmai, (5) Lal Sai Karmali, (6) Baburam Karmali, (7) Kebal Karmali, (8) Subodh Karmali, (10) Bonda Karmali, (9) Gobra Karmali, (10) Karu Karmali, (11) Bonda Karmali S/o Sunu Karmali, (12) Jagdish Karmali, (13) Bonsa Karmali, (13) Most Tania Devi W/o Khaitu Karmali, (14) Muniya Karmali, (15) Dhuniya Karmali, (16) Koka Karmali, (17) Phaturi Karmali S/o Baijnath Karmali, (18) Tulu Karmali S/o Jaglal Karmali, (19) Amar al Karmali, (20) Balku Karmali, (20) Girdhan Karmali, (21) Ram Bilas Karmali S/o Badri Karmali, (22) Maha Karmali, (23) Phunu Karmali S/o Lachu Karmali, (24) Prayad Karmali, (25) Banwari Karmali, (26) Neptal Karma'i, (27) Bishuu Karmali, (28) Kishun Karmali, (30) Motan Karmali, (29) Ranjit Karmali, (31) Harihar Karmali, (30) Motan Karmali, (32) Ghuja Karmali, (33) Pachua Karmali S/o Gahan Karmali, (36) Bihari Karmali, (35) Gauri Karmali S/o Manhi Karmali, (36) Bihari Karmali, (35) Gauri Karmali S/o Netu Karmali, (36) Bihari Karmali, (37) Bishu Karmali S/o Sibu Karmali of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 4.30-1/2 acre, or 1.74 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh. Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(27)]

का० आ० 1633.— कम्बीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व जान भीर ईंधन मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 3894, तारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले केंद्र (अर्जेन भीर विकास) प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन तैयार की गई थी, के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्दबारदारा (कुम्हार-धारा), सिवाई, भृचुंगडीह, दुद्गवाग भी. गौरावेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 क्टेयर मृमि अजित को है;

भीर मुभुंगडीह ग्राम के हितबद्ध व्यक्ति (1) करीम बक्स मियां (2) ईवू मियां दोनों मल्ली मियां के पुत्र (3) सेख चरका मियां पुत्र गोन्दाल मियां (4) हलीफन पुत्री साहबन मियां ने उक्त प्रधिनियम की की घारा 13 के प्रधीन, उक्त कर्जन में से 1.48 एकड़ या 0.60 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए गक्षम प्राधिकारी के पास दावां किया है;

भौ: उक्त प्रजंत के लिए देथ प्रशिकर की रक्षम, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्षम की पर्याप्त की बाबन विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी धौर इस प्रकार प्रस्थापित रक्षम हितबद्ध व्यक्ति दारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

अतः, अन, केन्द्रीय संकार, कोयला नाले क्षेत्र (धर्मन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त सिक्तर्यों का प्रयोग करते हुए एक श्रंशकालिक अधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र सेखर सिंह, प्रपर जिला और सेशन न्यायाधीण राची होंगे।

[सं० 19/20/78-सी०एल० (4)]

S. O. 1633.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Karim Bux Mian, (2) Edu Mian both sons of Malli Mian, (3) Sk. Charka Mian S/o Gondal Mian, (4) Halifun D/o Sahban Mian of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 1.48 acres or 0.60 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh. Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(4)]

का० आ० 1634.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान भीर ईंधन मंत्रालय की प्रधिसूचना सं० का० ग्रा० 3894, तारील 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कीयला बाले केल (प्रार्जन भीर विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के श्रधीन तैयार की गई थी, के प्रमुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवई, मुनुंगडीह, हुटुगदाग ग्रीर गौराबेरा, याना रामगढ़, जिला हुजारीबान (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि ग्राजित की है;

घौर मुचुंग बीह ग्राम के हितबक व्यक्ति (1) श्रीमती झुमरी पत्नी जोतू मांशी (2) दाहू मांशी (3) हेमलाल मांशी बोनों जेतू मांशी के पुत्न (4) श्रीमती धीनी पत्नी बिसू मांशी (5) प्रवाती (6) मुमारी (7) मुखमनी सभी बिसू मांशी की पुत्रियां ने उक्त घिषित्यम की धारा 13 के घ्राधीन, उक्ता ध्रजीन में से 1.37-1/2 एकड़ या 0.58 होक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

ग्रीर उक्त ग्रजैन के लिए देव प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की धर्माप्ता की बाबत विवास होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी ग्रीर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिथाद सहित स्वीकार की गई है; स्रतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (ग्रर्जन श्रीर विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक ग्रंशकालिक ग्रधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्त्र ग्रोबार सिंह, ग्रपर जिला भीर सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰ एस॰ (29)]

S. O. 1634.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas Most Jhumri W/o Jetu Manjhi, (2) Dahu Manjhi, (3) Hemlal Manjhi both sons of Jatu Manjhi, (4) Most Dhini W/o Bishu Manjhi. (5) Parabati, (6) Sumari, (7) Sukhmani all daughters of Bishu Manjhi of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 1.37-1/2 acres or 0.56 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(29)]

भा० आ० 1635.— केन्द्रीय सरकार ने, मारत सरकार के भूतपूर्व खान भीर ईंधन मंत्रालय की अधिष्मचना सं० का० आ० 3894, तारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (श्रजंन श्रीर विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 9 के प्रधीन तैयार की गई थी, के मनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हार-धारा), सिवई, भुचुंगबीह, नुटुगवाग भीर गौराबेरा, बाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि अजित की है;

और भुचुंगडीह प्राम के हितबढ़ व्यक्ति (1) प्रसरफ प्रली (2) कमक्दीम दोनों अरसाद प्रली के पुत्र ने उक्त प्रधिनियम की धारा 13 के प्रधीन, उक्त प्रजन में से 10.17 एकड़ या 4.115 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

ग्रीर उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्या-ता की बाबत विश्वाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

चतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (ग्रजैन श्रौर विकास) श्रिष्ठित्यम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त मिस्त्यों का प्रयोग करने हुए एक श्रंशकालिक श्रीधकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्त्र मेखर सिंह, ग्रपर जिला श्रौर सेशन त्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰ एल॰ (6)]

S. O. 1635.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh. District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Asharof Ali, (2) Kamaruddir both sons of Arsad Ali of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 10.17 acres or 4.115 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(6)]

का० था० 1636. किन्नीय सरकार ने, मारत सरकार के मूतपूर्व खान मीर ईसन संक्षालय की अधिसूधना सं० का० आ० 3894, तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले केल (अर्जन भीर विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन सैपार की गई थी के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा), सिवई, मुचुंगडीह, हुदुगदाग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि अजित की है;

भीर भुचुंगडीह प्राम के हितबज व्यक्ति (1) कुंजू केवट पुत्र रासो केवट (2) रेवत केवट पुत्र सोनवा केवट (3) श्रीमती कोले परनी बालकू केवट ने उक्त श्रीधिनियम की धारा 13 के श्रीवान, उक्त श्रार्जन में से 2.96-3/4 या 1.20 हेक्टेयर क्षेत्र के श्रीतकर के संदाय के लिए सक्षम श्रीधिकारी के पास वावा किया है;

भौर उक्त भ्रजन के लिए वेय प्रतिकर की रक्षम, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्षम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी भौर इस प्रकार प्रस्थापित रक्षम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

भतः, भवः, केन्द्रीय सरकार कोयला वाले क्षेत्र (भजंन भौर विकास) भिष्ठित्यम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवक्ष गक्तियों का प्रयोग करते हुए एक भ्रंगकालिक भिष्ठकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्त्र भेकार सिंह भ्रथर जिला भौर सेग्रन न्यायाधीण, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰एल॰(5)]

S. O. 1636.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approxima ely) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabeta, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Kunju Kewat S/o Raso Kewat, (2) Rewat Kewat S/o Sonwa Kewat, (3) Most Kolay W/o Balku Kewat of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 2.96-3/4 acres or 1.20 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh. Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(5)]

का० आ० 1637.---केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान भीर ईंग्रम मंत्रालय की भविमूचना मु का० भा० : \$ 894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (ग्रर्जन द्वितीर विकास) अधि नियम, 1957 (1957का 20) की धारा 9 के भ्रश्नीता तैयार की गई थी के भन्मरण में, को ईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा),, सिवई, भचेंगडीह हुट्गदाग श्रीर गौराबेरा, थाना रामगढ, जिला हजारीशा ग (बिहार) ग्रास में 2.510 एकड (लगभग) या 1.016.55 हेक्टेथर भूमि अजित की है

a.t.s _____s_.s...

श्रीर भचेंगडीह ग्राम के हितबद्ध व्यक्ति (।) किशा € दास साह (2) नरायण साह दोनों हरिनाथ साह के पूत्र (3) श्रीमः 🕻 स्प्रीला कुमारी पत्नी हरिनाथ साह ने उक्त घिष्ठानियम की धारा 13 के 'श्रधीन, उक्त श्रजैन में से 0.20 एकड़ या 0.08 हेक्टेयर श्रेस के प्रतिकर की संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पाम दावा किया है;

भीर उक्त भजेन के लिए देय प्रतिकर की रक्तम, प्रस्थापित प्रतिक की रकम की पर्याप्तसा की बाबन विवाद शोने के कारण करार द्वार नियतन की जा सकी भीर इस प्रकार प्रस्थापित एकम हि ह्वागद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

भतः, सब, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (प्र श्रेक्ट प्रीर विकास) व्यधिमियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त गस्तियों का प्रयोग करते हुए एक ग्रंगकालिक ग्रधिकरण गठिन कराती है। जिसमें श्री चन्द्र शेखर सिंह, प्रपर जिला घीर लेशन त्याया श्रीश, रांची होंगे।

[स॰ 19/°40/78-आरि॰एल॰ (2)

S. O. 1637.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Min stry of Mines and I uel No. S.O. 3894, dated the 22nd Decrember, 1962 made huel No. S.O. 3894, dated the 22nd Decrember, 1902 made under section 9 of the Coal Bearing Arrea (Acquistion and Development) Act, 1957 (20 of 1957), 1/1e Central Government has acquired the lands measuring 12510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages by oihara, Kumburadara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, 11 unugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazzg 1016h (Bihar);

And whereas (1) Kishnu Das Sahu, sons of Harinath Sahu, (3) Most Sushile (2) Narain Sahu bo'h Kumari W/o Harinath Sahu of village Bhuchungdih, the per on interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for no area of 0.20 acres or 0.08 hectares cut of the said acquisite on;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the offered and the amount so offered has a been accepted by person interested under protest;

amount of compensation

Now, therefore, in exercise of section 14 of sub-section (2) of (Acquisition and Development) Acq ernment hereby constitutes a part of Shri Chandra Shekhar Singh, Sessions Judge, Ranchi.

the powers conferred by ne Coal Bearing Areas 1957, the Central Govthe time Tribunal consisting Additional Dis rict and

[No. 19(20)78-CL(2)]

का० आ० 1638.—केम्ब्रीय सरकार ने,. भारत सरकार के भूतपूर्व खान भीर इंधन मंत्रालय की प्रक्षिसूचना सं० । का०ग्रा० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962. जो कि कोयला वाले क्ष्मी । (भ्रजन गौर विकास) ग्रधि नियम, 1957 (1957 का 20) की धारा के अनुसरण में कोईहारा, कु≭बाग्दारा (आकृ हुट्गवाग भीर गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिन्हा में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.5 🗗

9 के बर्धान तैयार की गई थी हाराधारा), सिवई, भुव्यंगडीह हजारीबाग (बिहार) ग्रामी हेक्टेयर भूमि प्रजित की है;

मौर भुष्कुंगडीह ग्राम के हितबद्ध व्यक्ति मधिनियम की धारा 13 के भ्रधी त, उक्त भ्रजन में से 0.52 एकड़ या 0.21 हेक्टेयर क्षेत्र के प्राधिकारी के पास दावा किया है,

जोधन महतो पुक्त सुसू मेहतो <mark>प्रक्षिक र के संदाय के लिए स</mark>्थाम

भीर उक्त श्रर्भन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियमन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रक्षम हिनवद व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

ग्रन:, ग्रब, केन्द्रीय सरकार, कोयला वालेक्षेत्र (ग्रर्जन भीर विकास) म्राधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) इंग्रियल गक्तियों का प्रयोग करने हुए एक ग्रंशकालिक श्रधिकरण गठित करनी है जिसमें श्री चन्द्र होखर सिंह, प्रपर जिला और मेकन न्यायाधील, राची होंगे।

सिं॰ 19/20/78-सी॰एस॰(49)]

S. O. 1638 .-- Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourance (There are Countries). bera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas Jodhan Mahto son of Budhu Mahto of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.52 acres or 0.21 hectares cu of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi

[No. 19(20)78-CL(49)]

का० आ० 1639 ---केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान. श्रीर ईंधन मंत्रालय की श्रधिसूचना सं० का० ग्रा० 3894 तारीख 22 दिसम्बर 1982, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (धर्जन घीर विकास) प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के धश्रीन तैयार की गई। थो, के प्रनुसरण में, कोईहारा कु⊷बारदारा (कुम्हारधारा); सिवई, भचंगडीह हुट्यदाय भीर गौराबेरा, थान रामगढ़, जिला हुजारीकाम (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (अगनग) या 1018.55 देक्ट्रेयर अमि अर्जित की है;

मीर सिवर्ड ग्राम के हितबद्ध व्यक्ति (1) दसई मांसी पुत्र चौपा मांसी (2) बाबू लाल मांझी पुत्र बुद्ध मांझी (3) सोनाराम मांझी, पुत्र लफरा मार्ज (4) दाहाराम मांझी पुत्र सोहराई मांझी (5) श्रीमती सानामनी पत्नी अगन् मोझी (6) बीरा और पूर्व दोनों पुत्री रुपना मोझी ने उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, उक्त अर्जन में से 2,11 एकड़ या 0.85 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रसिकर के संबाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दाया किया है;

भीर उक्त अर्जन के लिए देव प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की सामत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी धीर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हिनम्बद व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

भनः, प्रव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (मर्जन घ्रीर विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक श्रंशकालिक ग्रधिकरण गठित करती है जिसमें श्री भन्द्र गेखर सिंह, अपर जिला भीर सेणन न्यायाधीण, रांची होंगे।

[स॰ 11/20/78-सी॰एल॰(62)]

S. O. 1639.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara). Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Dasai Manjhi S/o Chopa Manjhi, (2) Babulal Manjhi S/o Budhu Manjhi, (3) Sona Ram Manjhi S/o Lafra Manjhi, (4) Dafraram Manjhi S/o Sohrai Manjhi, (5) Most Sitamani W/o Agnu Manjhi, (6) Bira and Pundu both D/o Rupna Manjhi of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 2.11 acres or 0.85 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition cou'd not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(62)]

का० अ.० 1640.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत मरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंझालय की मिश्चसूचना सं० का० आ० 3894 तारीचा 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन भौर विकास) अधिन्त्रम, 1957 (1957 का 20) की घारां 9 के अधीन तैयार की गई ची, के मनुसरण में, कोईहारां, कुम्बारवारां (कुम्हारघारा), सिवई, भुभंगडीह हुदुगवांग और गौराबेरां, थाना रामगढ़, जिला हजारीबान (बिहार) प्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर मूमि अजित की है;

श्रीर सिवई प्राम के हितबब व्यक्ति (1) श्रोदार मांशी (2) सहेदराम मांशी (3) चौपा मांशी मब महादेव मांशी के पुत्र (4) गुरुजी मांशी (5) पूरण मांशी (6) मोहन मांशी सब रूपन मांशी के पुत्र (7) श्रीमती श्वरी पत्नी रूपन मांशी (8) लोंगा मांशी (9) सोहराई मांशी दोनों मुखराम मांशी के पुत्र (10) बाबू लाल मांशी (11) लूबार मांशी (12) मंगा मांशी सब छोटू मांशी के पुत्र ने उक्त श्राधनिषम की धारा 13 के श्रधीन, उक्त श्रजन में से 0.16 एकड़ था 0.06½ हेक्टेयर केंब्र के प्रतिकर के सदांय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

श्रीर उक्त श्रर्जन के लिए वेय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापिन प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी श्रीर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

श्रतः, श्रवः, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (ग्रर्जन श्रीर विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक श्रंशकालिक श्रधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र शेखर सिंह, श्रपर जिला श्रीर सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे

[सं॰ 19/20/78-सी॰एस॰(61)ii

S. O. 1640.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Ohdar Manjhi, (2) Sahedram Manjhi, (3) Chopa Manjhi all S/o Mahadeo Manjhi, (4) Guruji Manjhi, (5) Puran Manjhi, (6) Mohan Manjhi all S/o Rupan Manjhi, (7) Most Adro W/o Rupan Manjhi, (8) Longa Manjhi, (9) Sohrai Manjhi both S/o Sukhram Manjhi, (10) Babu Lal Manjhi, (11) Lutharu Manjhi, (12) Manga Manjhi all S/o Ghoto Manjhi of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.16 acress or 0 061 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chaudra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(11)]

का॰ शा॰ 1641 .--केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के मूलपूर्व खान और ईधन मंद्रालय की प्रधिसूचन. सं॰ का॰ ग्रा॰ 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (ग्रजैन और विकास) प्रधिन्तियम, 1957 (1957 का 20) की प्रारा 9 के प्रधीन तैयार की गई थी, के प्रमुत्तरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवई, पृच्निश्चीह हुदुगवाग और गौगवेरा यान. रामगढ़, जिला हुजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लबभग) या 1016.55 हेन्टेयर भूमि श्रांजव की है;

भौरों सिवर्ष याम के हितबद्ध व्यक्ति (1) श्रीमती फूगू पत्नी घांसी मांसी (2) लादू मांसी (3) मंगा मांसी बोनों सूकू मांसी के पुत्र (4) रातो पुत्री घांसी मांसी ने उक्त प्रधिनियम की घारा 13 के घांसीन, उक्त धांजन में से 11.83 एकड़ या 4.79 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के सदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास वावा किया है;

श्रीर उक्त मर्जन के खिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होते के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी श्रीर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद अ्यक्ति द्वारा प्रतिबाद सहिस स्वीकार की गई है;

यतः, धव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (प्रजंन ग्रीर विकास) ग्राधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक शर्मकालिक ग्राधिकरण गठित करती है जिसमें बी अन्ध्र शेखर सिंह, ग्रापर जिला ग्रीर सेशन न्यायाधीम, राची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰एल॰ (61)]

S. O. 1641.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Most Phugu W/o Ghansi Manjhi, (2) Latoo Manjhi, (3) Manga Manjhi both sons of Suku Manjhi, (4) Rato D/o Ghansi Manjhi, of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 11.83 acres or 4.79 hectares cut of the said acquisition:

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(67)]

का० आ० 1642.— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व जान और ईंधन मंत्रालय की प्रधिस्थाना सं० का० प्रा० 3894 तारीज 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (प्रार्जन और विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन तैयार की गई थी, के प्रनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारखारा), सिवई, मुबुंगडीह, हुटुगदग और गौरीबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) प्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि प्रजित की है;

और कोईहारा प्राम के हितबद्ध व्यक्ति (1) गजेन्द्र नाथ मंकी (2) पुसा मंकी (3) जैता मंकी (4) सहज् मंकी (5) बिसेश्वर मंकी समी ध्याम पाहन के पुछ (6) गुलिया पाहन (7) निवारन पाहन धीनों गनपत पाहन के पुछ (8) गहना पाहन (9) बिरवापाहन वोनों बालेश्वर पाहन के पुछ (10) श्रीमती सादमी परनी तुलसी पाहन (11) मित्र पाहन (12) सित्र पाहन दोनों सुखी पाहन के पुछ (13) लोकनाथ पाहन (12) सित्र पाहन दोनों सुखी पाहन के पुछ (13) लोकनाथ पाहन पुछ लालधन पाहन (14) मोगवा पाहन (15) मोती पाहन दोनों सालखू पाहन के पुछ (16) मित्र पाहन (17) बिरवाई पाहन दोनों उदय पाहन के पुछ ते उक्त प्रधिनियम की धारा 13 के प्रधीन, उक्त सर्जन में से-0.51 एकब् या 0.20 हेक्टेयर जीज के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

और उक्त ग्रजैन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति ग्रारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

मतः, भ्रज, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (धर्जन और विकास) मधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंश्रकालिक मधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्ना शेक्षर सिंह, भ्रपर जिला और सेनन न्यायाधीस, रांची होंगे।

[(सं॰ 19/20/78-सी॰ एस॰(19)]

S. O. 1642.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Prairing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectures in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara). Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Gajendra Nath Manki (2) Pusa Manki (3) Chaita Manki (4) Sahju Manki (5) Bisheshwar Manki all sons of Dayal Pahan (6) Gulia Pahan (7) Nibaran Pahan both S/o Ganpat Pahan (8) Gahna Pahan (9) Birwa Pahan both S/o Baleshwar Pahan (10) Most Sadmi Wi/o Tulsi Pahan (11) Mithu Pahan (12) Sithu Pahan both sons of Sukhi Pahan (13) Loknath Pahan S/o. Laldhan Pahan (14) Mogwa Pahan (15) Moti Pahan both sons of Salku Pahan (16) Mithu Pahan (17) Birwai Pahan both S/o Uday Pahan of village Kolhara, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.51 acres or 0.2 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhan Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(19)]

का० आ० 1643.— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय की अधिमूचना सं० का० आ० 3894 तारीख 22 विसम्बर 1962, जो कि कोयला बाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन तैयार की गई थी, के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा), सिवई, मृचुंगडीह, हुटुगवह और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि अजित की है;

और कोईहारा प्राम के हिनबद्ध व्यक्ति (1) मौह० प्रजी पुत्र गृलाम गौस (2) इकबाल हुसैन पुत्र स्वर्गीय रमजान प्रली (3) गरीब साह (4) सनौरला दोनों प्रबू हुसैन के पुत्र (5) मौह० खलील पुत्र प्रकृत प्रजीज (6) बिस्मिल्ला पुत्र मौह० साफी (7) मौह० हबीब (8) मौह० सामी (9) मौह० कलीम (10) मौह० हासीब सभी प्रवृत्त प्रजीज के पुत्र ने उक्त प्रवित्यम की घारा 13 के प्रधीन, उक्त प्रजन में से 2.74 एकड़ या 1.10 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के मंदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास वाधा किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देश प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हिनबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित. स्वीकार की गई है;

धतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला बाने क्षेत्र (धर्जन और विकास) प्रधिनियम, 1957 की घारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदक्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंश्वकालिक प्रधिकरण गठित करती है जिसमें श्री अक्ष प्रेष्ठार सिंह, श्रुपर जिला और सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰ एस॰(87)]

S. O. 1643.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act. 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgerh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Md. Ali S/o Gulam Gause (2) Ekbal Hussain S/o Late Ramjan Ali (3) Garib Sah (4) Sanaulla both son of Abu Hussain (5) Md. Khalil S/o Abdul Aziz (6) Bismilla S/o Md. Saffi (7) Md. Habib (8) Md. Sami (9) Md. Kalim (10) Md. Hasib all sons of Abdul Aziz of village Koihara, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 2.74 acres or 1.10 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi

[No. 19(20)78-CL(87)]

का० आ० 1644. — केन्द्रीय सरकार ने, मारत सरकार के भूतपूर्व खान और इँधन मंत्रालय की मंघिसूचना सं० का० मा० 3894 नारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाने क्षेत्र (मर्जन और विकास) मंधिनियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 9 के मंधीन तैयार की गई षी, के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवई, भुचुंगडीह, हुदुगदाग और गौरावेरा, याना रामगाव, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि ग्रजित की है;

और कोई हारा ग्राम के हितबद्ध व्यक्ति जयपाल मेहतो पुत्र भिखमंग मेहतो ने उक्त प्रधिनियम की धारा 13 के स्रधीन, उक्त प्रजन में से 0 34 एकड़ या 0 13 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रति-कर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है :

और उक्त धर्मन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करोर द्वारा नियत न की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रनिवाद सहित स्वीकार की गई है;

भतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (भ्रजैन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए एक अंश्रकालिक अधिकरण गठित करनी है जिसमें श्री चन्द्र शेखर सिह, प्रयर जिला और सेशन न्यायाश्रीश, राँची होंगे।

[मं० 19/20/78-सी० एल० (12)]

S. O. 1644.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas Jaipal Mahto S/o Bhikhmang Mahto of village Koihara, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.34 acres or 0.13 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the nowers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coul Bearing Areas (Acquisition and Development) Act. 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(12)]

कं कार 1645.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंद्रालय की अधिसूजना सं कार ग्रां 3894 सारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (ग्रर्जन और विकास) ग्रिकिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन तैयार की गई बी, के प्रनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), निवई, मुचुंगडीह, हुटुगदाय और गौरावेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 16,55 हेक्टेयर मृमि ग्रजित की है;

और कोईहारा ग्राम के हितबद्ध व्यक्ति मीह० मुस्तफा पुत्र सेख मीह० नासीर खान ने उक्त श्रिष्ठियम की धारा 13 के श्रधीन , उक्त श्रर्जन 2.22 एकड़ या 0.87 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है ;

और उक्त ग्रर्जन के लिए वेय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबन विवाद हीने के कारण करार द्वारा नियस न की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हिनबद्ध व्यक्ति श्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है; ग्रहः, भन, केन्द्रीय सरकार, कीयला बालेगक्केन्न (भर्जन और विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक अधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र शेक्षर सिंह, ग्रगर जिला और सेंशन त्यायाधीश, रांची होंगे।

[मै॰ 19/20/78-मी॰ एतः (14)]

S. O. 1645.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act. 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 101655 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara). Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera. Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas Md. Mustaffa Sl/o Sk. Md. Nasir Khan of village Koihara, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 2.22 acres or 0.89 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore in exercise of the nowers conterred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(14)]

का. आ. 1646.—कंद्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व लान और ईक्षन मंत्रालय की अधिमूचना सं. का. आ. 3894 तरील 22 दिमम्बर, 1962, जो िक कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन तैयार की गई थी, के अनुसरण में, काईहारा, क्म्बारदारा (कुम्हारधारा), सिवई, भूषांगडीह, हुटुंगदाग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.65 हेटटेयर भूमि अर्जित की है;

और कोईहार। प्राप्त के हितकक व्यक्ति (1) गजिन्द्र नाथ मंकी (2) पुसा मंकी (3) चैता मंकी (4) सहजू मंकी (5) विशेषकर मंकी सभी दयाल पाइन के पुत्र (6) गुलिया पाइन (7) निवरत पाइन दोनों वनपत पाइन के पुत्र (8) सैमा पाइन (9) चरकू पाइन दोनों जैवा पाइन के पुत्र (10) श्रीमती सदमी पत्नी तुलसी पाइन (11) गहना पाइन (12) विरवा पाइन दोनों बालेक्वर पाइन के पुत्र ने उकत अधिनियम की धारा 13 के प्रधीन, उक्त धर्मन में से 7.94 एकड़ या 3.21 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

और उक्त धर्जन के लिए वैय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विदाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

श्रत: , ग्रन्थ, केन्द्रीय सरकार, कीयला वाले क्षेत्र (ग्रजेंन और विकास) ग्रिधिनियम, 1957 की घारा 14 की उपघारा (2) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंगकालिक ग्रिधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र मेखर सिंह, ग्रपर जिला और सेशन न्यायाधीण, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰ एल॰ (15)]

S.O. 1646.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara). Sewai. Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Gajindra Nath Manki (2) Pusa Manki (3) Chaita Manki (4) Sahju Manki (5) Bisheshwar Manki all sons of Dayal Pahan (6) Gulia Pahan (7) Nibaran Pahan both sons of Dhanpat Pahan (8) Saima Pahan (9) Charku Pahan both sons of Jiba Pahan (10) Most Sadmi W/o Tulsi Pahan (11) Gahna Pahan (12) Birwa Pahan both sons of Baleshwar Pahan of village Kojhara, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 7.94 acres or 3.21 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh. Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(15)]

का० ग्रा० 1647.— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूलपूर्व वान और ईंधन मंत्रालय की प्रभिधसुष्ता अं० का० प्रा० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले केन्न (प्रजंन और विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के प्रधीन तैयार की गई थी, के धनुसरण में कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा) सिवई, भ्रष्टुंगबीह, हुटुंगदाग और गौराबेंग, थाना रामगढ़ जिला हजारीबाग (बिहार) प्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर मूमि ध्राजित की है;

और मुचुंगश्रीह प्राम के हितबक व्यक्ति (1) श्रीमती सबर देवी पत्नी बना नाच चौधरी (2) श्रीमती पातोदेवी पत्नी बहारन बौधरी (3) दीनानाय चौधरी (4) पृथ्वीमाय चौधरी (5) बाबू लाल चौधरी (6) प्रहुलाव चौधरी सभी साबर चौधरी के पुत्र (7) मागू चौधरी पुत्र श्री मगलू चौधरी (8) बाबू चौधरी पुत्र श्रमन चौधरी ने उनत झिमियम की धारा 13 के झिधीन, उनत प्रर्जन में से 0.46 एकड़ या 0.19 हेन्टेयर केंत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सज्जम प्राधिकारी के पाम श्रवा किया है;

और उक्त मर्जन के लिए देग प्रतिकर की त्रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबस विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत्तन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध अ्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

ग्रतः मत्न, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (ग्रर्जन और विकास) ग्रिधिनियम, 1957 की श्रारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक मधिकरण गठित करती है जिस श्री चन्द्र शेखर सिंह ग्रपर जिला और सेग्रन न्यायाषीश, रांची होंगे।

निं॰ 19/20/78-सी॰ एख॰(23)]

S.O. 1647.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated, the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands meansuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages, Kulliara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewal, Bhachungdih, Hutgod Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Most Sabar Dovi w/o Ghana Nath Choudhury (2) Most Pate Dev₁ w/o Eaharan Choudhury (3) Dinanath Choudhury (4) (Prithwi Nath Choudhury (5) Babu Lal Choudhury (6) Prahalad Choudhury S/o. Sabur Choudhury (7) Magu Choudhury s/o Bhaglu Choudhury (8) Babu Choudhury s/o Chaman Choudhury of Village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the claim to the competent authority for payment of compensation for an area of 0.46 acres or 0.19 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispate as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19 (20)/78-CL (23)]

का० ग्रा० 1648.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईधन मंत्रालय की प्रधित्वना सं० का० ग्रा० 3894 तारीख 22 विमम्बर, 1962, जो कि कोयला बाने क्षेत्र (प्रजैन और विकास) प्रधितियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के प्रधीन तैयार की गई थी, के प्रनृसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा) मिवई, भृजुंगडोह, हुटुगवास और गौराबेरा, याना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि ग्राजिन की है;

और मुन्पाडीह ग्राम के हिनबद्ध व्यक्ति (1) मोह० घली पृष्ठ गुलाम गौम (2) इकबाल ह मैन पृष्ठ रमजान घली (3) गरीब साह (4) मनउल्लाह दोनों हमन भण्डारी के पृष्ठ (5) मोह० खलील पृक्ष घजीज भण्डारी (6) बिमिम्ल्ला पृष्ठ मौह० सफी (7) मौह० हबीब (8) मौह० ग्रामी (9) मौह० कलीम (10) मौह० हबीब सभी घन्युल घजीज भण्डारी के पृष्ठ ने उक्त ग्रिक्षिनियम की धारा 14 के अधीन, उक्त घर्जन में से 0.17 एकड़ या 0.07 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारों के पास बावा किया है;

और उक्त मर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

यतः, मन, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (मर्जन और विकास) प्रिविनयम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए एक अंशकालिक प्रधिकरण गठित करती है जिसमें थी चन्द्र गेच्छर सिंह, ध्रपर जिला और सेशन न्यायाधीण, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰ एल॰(7)]

S.O. 1648.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hulugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Md. Ali s/o Gulam Gause (2) Ekbal Hussain s/o Ramian Ali'(3) Garib Shah (4) Sanaullah both sons of Hassan Bhandari (5) Md. Khalil s/o Aziz Bhandari (6) Bismillah s/o Md. Shafi (7) Md. Habib (8) Md. Shami (9) Md. Kalim (10) Md. Hasib all sons of Abdul Aziz Bhandari of Village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority of payment of compensation for an area of 0.17 acre or 0.07 hectares out of the said acquisition;

112 G1/79-9

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Sheqhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19 (20) 78-CL (7)]

कां कां कां 1649. — केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्ष वान और ईंग्रन मंत्रालय की ग्रिंश्स्चना सं कां ग्रा 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाने क्षेत्र (ग्रजॅन और विकास) ग्रिंशियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के ग्रंग्रीम तैयार की गई थी, के ग्रन्सरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा), सिवई, मुब्नाबीह, हुट्गदास और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि श्रांजत की है;

और कोईहारा प्राम के हितबब व्यक्ति (1) जगतू पाहन (2) ठाकुर पाहन (3) केतका पाहन सभी रूपू पाहन के पुत्र (4) लते पाहन पुत्र भाकुर पाहन (5) धनल्य पाहन (6) धरातिया पाहन (7) मुकरा पाहन सभी विष् पाहन के पुत्र (8) धिगमंग पाहन (9) टेका पाहन वोनों खेना पाहन के पुत्र (10) श्रीमती पारबी पत्नी भैरो पाहन ने उक्त धिनियम की धारा 13 के धधीन, उक्त धर्जन में से 0.88 एकड़ या 0.36 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास वावा किया है;

नौर उक्त धर्षन के लिए बेय प्रतिकर की रक्तम, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्तम की पर्याप्तता की धावत विवाद होने के कारण करारद्वारा नियत म की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रक्तम हितबग्र व्यक्ति द्वारा प्रति-वाद सहित स्वीकार की गई है;

'भतः, भन, भेन्द्रीय सरकार, कौयला वाले भेक्न (मर्जन और विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक ध्रधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र गेखर सिंह, भपर जिला और सेमन न्यायाधीम, रांची होंगे।

[#0 19/20/78---सी० एल०(60)]

S.O. 1649.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Jagtu Pahan (2) Thakur Pahan (3) Ketka Pahan all sons of Rupu Pahan (4) Late Pahan S/o Bhakur Pahan (5) Aklu Pahan (6) Baratia Pahan (7) Sukra Pahan all S/o Dipu Pahan (8) Bhikhmang Pahan (9) Teka Pahan both as Ss/o Khaina Pahan (10) Most Parbi W/o Bhairo Pahan of village Koihara the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.88 acres or 0.36 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central

Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-Cf-(60)]

का० आ० 1650.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंग्रन मंत्रालय की ग्रिप्तिसूचना सं० का० भा० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला थाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) ग्रिप्तियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के ग्रिप्तीन तैयार की गई थी, के प्रनुतरण में, कोईहारा, कुम्बारवास (कुम्हारव्रारा), सिक्ई, भूचुंगडीह, हुटुंगवास और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि ग्रिजित की है;

और कोई हारा प्रांम के हितवब्र व्यक्ति (1) वेषकी नत्वन बौधरी (2) ब्रज मोहन चौधरी (3) सूरज मूचण बौधरी सभी धर्म नार्थ बौधरी के पुत्र (4) बाल कृष्ण चौधरी पूत्र पनश्याम चौधरी ने उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, उक्त धर्मन में से 0.78 एक वृं मा 0.31 है हैन्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के समुदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

और उक्त प्रजंत के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करारद्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

म्रतः, भव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (प्रजेन और विकास) मिर्मित्यम, 1957 की घारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त क्षित्तमों का प्रयोग करते हुए एक अंग्रकालिक मिर्मिकरण गठित करती है जिसमें श्री कन्द्र शेखर सिंह, प्रवर जिला और सेशन न्यायाधीश, रांकी होंगे। [सं० 19/20/78—मी० एस० (85)]

S.O. 1650.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Deoki Nandan Choudhury (2) Braj Mohan Choudhury (3) Suraj Bhushan Choudhury all sons of Dharam Nath Choudhury (4) Bal Krishan Choudhury S/o Ghan Shyam Choudhury of village Koihara, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.78 acres or 0.31-1/2 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

(No. 19(20)78-CL(85)]

का॰ धा॰ 1651. — केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व जान और ईंधन मंत्रालय की प्रधिसूचना सं॰ का॰ धा॰ 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962 जो कि कोयला वाल क्षेत्र (धर्जन और विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के धरीन सैयार की ईग थी, के भनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारहारा (कुम्हारधारा), सिक्क, मृचुंगडीह, हृद्गवाग जीर गौराबेरा, याना रामगढ़, जिला हजारीक्षाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगचग) या 1016.55 हेक्टेथर मूमि मर्जित की है:

और भुशुंगबीह प्राप्त के हितबद्ध स्पक्ति (1) गोबिन्द मेहतो (2) छोटू मेहतो बोनों प्रभू मेहतो के पुत्र (3) हरिवास मेहतो (4) मुंशी मेहतो (5) जगवीश मेहतो सभी लाटू मेहतो के पुत्र (6) बिरसा मेहतो पुत्र वरो मेहतो ने उक्त प्रविनियम की धारा 13 के प्रधीन, उक्त प्रजन में से 0.36 एकड़ या 0.145 हैक्टेयर कोत के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास वावा किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देग प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाग्रत विवाद होने के कारण करार द्वारा निमतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

चतः, प्रव, केन्द्रीय सरकार, कोयसा वाने केंब्र (धर्जन और विकास) प्रवित्तियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंग्रकालिक प्रविकरण गठित करती है जिसमें की चन्न गोबार सिंह, प्रपर जिला और सेश्रन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰ एस॰(21)]

S.O. 1651.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act. 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Kolhara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Govind Mahto (2) Chhathu Mahto both sons of Prabhu Mahto (3) Haridas Mahto (4) Munshi Mahto (5) Jagdish Mahto all sons of Latu Mahto (6) Birsa Mehto S/o Rupu Mahto. of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the claim to the competent authority for payment of compensation for an areas of 0.36 acres or 0.145 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(21)]

का० था० 1652. — केन्द्रीय सरकार ने, मारत सरकार के भूतपूर्व वान और इंधन मंद्रालय की घिस्त्वना मं० का० था० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कीयला बाले क्षेत्र (धर्जन और विकास) प्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के घष्ठीन तैयार की गई थी, के घनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवास (कुम्हारधारा), सिवई, भुचुंगबीह, हुदुगदास और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला ह्जारीबाग (बिहार) प्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हे क्टेयर भूमि धजित की है;

और कोईहारा ग्राम के हितबद्ध व्यक्ति दिलनाथ चौधरी सुपुत्र जीवाधन चौधरी ने उक्त ग्रधिनियम की धारा 13 के ग्रधीन, उक्त धर्जन में से 0.48 एकड़ था 0.19 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधि कारी के पास दावा किया है;

नौर उक्त वर्जन के लिए धेय प्रतिकार की रक्तम, प्रस्वापित प्रतिकार की रकम की पर्योग्सता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हित**बद्ध व्यक्ति** द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

मतः, धव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (धर्जन और विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक घश्चिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र शेवर सिंह, घपर जिला और सेशन न्यायाधीश , रांची होंगे।

[सं० 19/20/78-सी० एल०(50)]

S.O. 1652.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas Dil Nath Choudhury S/o Jibadhan Choudhury of village Koihara, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.48 acres or 0.19 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(50)]

का० आ० 1653.—केन्द्रीय सरकार मे, भारत सरकार के भूतपूर्व बान और इंग्रन मंत्रालय की ग्रधिसूचना सं० का० ग्रा० 3894 लारीख 22 विसम्बर, 1962, ओ कि कोयला वाले क्षेत्र (ग्रजैन और विकास) ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 9 के ग्रधीन तैयार की गई थी, के भ्रनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारघारा), सिवई, भूचुंगडीह, हुदुगदास और गौराबेरा, याना रामगढ़, जिला हुआरीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 होक्टेयर भूमि ग्राजित की है;

और कोईहारा भाम के हितबद व्यक्ति सु. भी सत्यभामा कुमारी पृत्ती छोदू मंडल ने उक्त प्रधिनियम की धारा 13 के प्रधीन, उक्त प्रजेंग में से 0.48 एकड़ या 0.19 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के सनुवाय के सिए सकाम प्राधिकारी के पास वावा किया है;

और उक्त धर्मन के लिए देय प्रतिकर की रक्तम, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्तम की पर्याप्तिता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रक्तम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

धतः, धन, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (ग्रजंन और विकास) धिवियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवक्त क्षित्रयों का प्रयोग करते हुए एक अंग्रकालिक धिविरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र शेखर सिंह, धपर जिला और सेंग्रन न्यायाधीग, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰ एस॰(51)]

S.O. 1653.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara

(Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas Most Satya Bhama Kumari D/o Chotu Mandal of village Koihara, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.48 acres or 0.19 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement these being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh. Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(51)]

का • आ • 1554. — केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईश्वन मंत्रालय की अधिसूचना सं • का • आ • , 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कीयला वाले क्षेत्र (भर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 1957 का 20 की धारा 9 के अधीन तैयार की गई थी, के अनुमरण में, कोईहारा, कुम्बारदार कुम्हारधारा सिवई, भुमुंगडीह, हुटुगवाद और गौराबैरा, धाना रामगढ़, जिला हजारीबाग बिहार प्रामों में 2510 एक इ लगभग या 1016.55 हेक्टेयर मुमि अजित की है;

और कोईहारा प्राप्त के हिसबद्ध व्यक्ति (1) रेवा लाल वौधरी (2) विश्वताथ चौधरी (3) मोर्ता लाल बौधरी सभी खेमलाल के पुत्र (4) मोहन चौधरी पुत्र गंगा नाथ चौधरी ने उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन उक्त अर्थन में से 5.63 एकड़ या 2.28 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए समक्ष प्राधिकारी के पास लदावा किया है;

जीर जन्म प्रार्जन के शिए देथ प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिबाद सहित स्वीकार की गई है;

ग्रतः, ग्राम, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र प्रजन और विकास ग्रामिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक ग्राधिकरण गठित करती है जिसमें श्री वश्त्र शेवार सिंह, ग्रापर जिला और सेशन न्यायाधीश, राची हांगे।

[सं॰ 19(20) 78-सी॰ एल॰(52)]

S.O. 1654,—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. 5.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Rowa Lal Choudhury (2) Bishwa Nath Choudhury (3) Moti Lal Choudhury all sons of Khemlal Choudhury (4) Mohan Choudhury S/O Ganga Nath Choudhury of village Koihara, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 5.63 acres or 2.28 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Atens

(Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Slngh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

INo. 19(20)78-CL(52)]

का० आ० 1655: — केन्द्रीय सरकार ने, मारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईधन संक्रालय की प्रधिभूचना सं० का० ग्रा० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962 जो कि कीयला वाले क्षेत्र श्रर्जन और विकास प्रधिनियस, 1957 1957 का 20 की धारा 9 के ग्रधीन तैयार कि गई थी, के प्रतुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा कुम्हारधारा सिवर्ष, भूचंगड़ीहा, हुटुगदाग और गौराबेरा थाना रामगढ़ जिला हजारी बाग बिहार ग्रामों में 2510 एकड़ लगभग या 1016.55 हेक्टेयर भूमि प्रजित की है ;

और भुष्यंग्डीह ग्राम के हिनबद्ध व्यक्ति मंगा मोझी पुन्न सुक्ष्यू मोझी ने उक्त ग्राभिनियम की धारा 13 के श्रधीन, उक्त ग्राजीन में से 0.50 एकड़ या 0.20 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास वाका किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रितकर की रकम प्रस्थापित की रकम की पर्याप्तता की बाबत होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिबाद सहित स्वीकार की गई है;

श्रतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र श्रर्जन और विकास स्रिधिनियम 1957 की धारा 14 की उपधारा 2 द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंश्वकालिक प्रधिकरण गठित है जिसमें श्री चन्द्र शेखर सिंह उपर जिला और सेशन न्यायाधीश, रांची होगे।

[सं॰ 19(20) 78-सी॰ एस॰(35)|

S.O. 1655.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and I ucl No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Kolhara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas Manga Manjhi S/o Suku Manjhi of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.50 acres or 0.20 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(35)]

का॰आ॰ 1656. — केन्द्रीय मरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईधन मंत्रालय की प्रधिवृत्तना मं० का॰ आ॰ 3894 तारीख 22 दिसम्बर 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र प्रजंन और निकास प्रधिनियम, 1957 1957 का 20 की धारा 9 के प्रधीन तैयार की थी, के प्रनुसरण में कोईहारा, कुम्बारदार कुम्हारधारा, सिवई, भूजुगडीह, हुटुगदा और गौराबेरा थाना रण्याह, जिल हजारीबाग बिहार ग्रामों में 2510 एकड़ लगभग या 1016.55 हेक्टेयर भूमि प्रजित की है;

और भुंचुगडीह ग्राम के हितबद्ध व्यक्ति मृतार महतो पुत सधु मेहती ने उकत श्रिश्चियम की धारा 13 के श्रधीन उक्त श्रजैन में से 6.20 एकड़ या 2.51 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास वावा किया है ;

और उक्त श्रकंत के लिए देयं प्रतिकार की रकम प्रस्थापित प्रतिकार की रकम की पर्याप्तत की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा सकी और इस प्रकार प्रतिस्थापित रकम हितबढ़ व्यक्ति ढारा प्रतिवाद सहिस स्वीकार की गई है;

श्रव, श्रव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेष्ठ श्रजंभ और विकास श्रिक्षित्रियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा 2 द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंश्रकालिक श्रिक्षिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र शेखर सिंह अपर जिला और मेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[यं० 19/20/78-सी०-एस०(34)]

S.O. 1656.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara). Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar):

And whereas Mutar Mahto S/o Madhu Mahto of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 6.20 acres or 2.51 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions ludge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(34)]

का० आ० 1657.—केन्द्रीय सरकार में, भारत सरकार के भूतपूर्व जान और इंग्रन मंद्रालय की प्रधिसूचना सं० का० ग्रा० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कीयला वाले क्षेत्र (ग्रर्जन और विकास) ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के प्रधीन तैयार की गई थी, के प्रनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारयारा (कुम्हारधारा), सिवई भुचुगडीह, हुदुश्याग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हआरीखाय (बिहार), ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेम्टेयर भूमि ग्राजित की है;

और भुषुंगडीह ग्राम के हिताबढ़ व्यक्ति (1) सोबरन मेहती पुत्र रासो महतो और (2) श्रीमधी सुमित्रा पत्नी गोबरधन मेहतो ने उक्त ग्राधिनियम की धारा 13 के ग्रधीन, उक्त ग्रर्जन में से 2.27 एकड़ या 0.92 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए नक्रम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

और उक्त धर्मन के लिए वेय प्रतिकर की रक्षम, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्षम की पर्याप्तता की घावत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा मकी और इस प्रकार प्रस्थापित रक्षम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

अतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार, कोयला नाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदक्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंग्रकालिक अधिकरण गठिन करती है जिन्छे। बी बस्द्र शेखर मिहं, अपर जिला और सेग्रन त्यायाधीग, गंकी होंगें [सं० 19/20/(78)-सी० एक०(41)] S.O. 1657.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fucl No. S. O. 3894. dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act. 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510-acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Sobran Mahto S/o Ratho Mahto and (2) Most. Sumitra W/o Gobardhan Mahto of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 2.27 acres or 0.92 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(41)]

का० आ० 1658---केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और इंडन मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० ग्रा० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कीयला काले क्षेत्र (अंजन और विकास) ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के मधीन तैयार की गई थी, के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारहारा (कुम्बारधारा), सिंबई भूचुंगडीह हुटुगदाग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हुजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (अगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि अजिस की है;

और भुचुंगड़ीह ग्राम के हितबद व्यक्ति (1) सलासमुद्दीन (2) जियारुद्दीन (3) बसीहृद्दभीन सभी कमालुद्धीन के पृष्ठ (4) लाल माहम्मद (5) महीरूद्दीन दोनो सीनल धली के पृष्ठ (6) जमालुद्दीन (7) निजासुद्दीन दोनों श्राली बक्स के पृष्ठ (8) श्रीमती बसीरन (9) श्रीमती मसीहृत (10) श्रीमती जलीमन सभी बलीमन की पृष्ठियों) (11) रियाज श्राली (12) ताज मौहम्मद दोनों बाबूजन के पृष्ठ (13) छोटन मिया पृज्ञ बालक मिया ने उक्त श्रिधिनियम की धारा 13 के श्रधीन, उक्त श्रालीन में से 8.32 एकड़ या 3.37 हेक्टेयर श्रीम के प्रतिहर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

और उक्त प्रजंन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की प्रयोग्तिना की बाबल बिवाद होने के कारण करार द्वारा नियम न की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हिनबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रसिवाद महित स्त्रीकार की गई है;

श्रतः, भ्रवः, केन्द्रीय सरकार, कोयला बालें क्षेत्र (भ्रजेंन और विकास) ग्रिधिनियम, 1957 की धारा 14 की जपधारा (2) द्वारा प्रदत्त वक्तियों का प्रयोग करने हुए एक अंग्रकालिक मधिकरण गठिन करती है जिसमें श्री चन्द्र गेल्बर सिंह, ग्रपर जिला और सेशन न्यायाधीक, रांची होंगे।

[सं॰ 19 (20)/78—सी॰ एल॰(40)]

S.O. 1658.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510-acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchangdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazzfibagh (Bihar),

And whereas (1) Salamuddin, (2) Jiyaruddin, (3) Basiruddin all sons of Kamaluddin, (4) Lalmohammad, (5) Mahiruddin

both S/o Sinat Ali, (6) Jamaluddin, (7) Nejamuddin both S/o Ali Bux, (8) Most Basiran, (9) Most Masihan, (10) Most Jalimun all D/o Bali Mian, (11) Reyaj Ali, (12) Taj Mohammed both S/o Babujan, (13) Chotan Mian S/o Balak Mian of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 8.32 acres or 3.37 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sections Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(40)]

कार कार 1659 . किया सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व बान और इंबन मंद्रालय की प्रधिसूचना सं कार प्रा 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962 जो कि कोयला बाने सेत (प्रजंग और विकास) प्रतिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के प्रधीन तैयार की गई बी, के प्रमुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारकारा), सिवई, मुचुंगडीह, हुटुगवाग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार ब्रामों में 2510 एकड़ (लगमग) या 10.16.55 हेक्टेयर भूमि ध्रजित की है;

जौर मुचुंगंबीह ग्राम के हितबंद व्यक्ति (1) प्रमृत मेहतो पृत्र विश्व-माथ मेहतो (2) धनाराम मेहतो (3) प्रान मेहतो (4) मोहन मेहतो संधी श्रिष् मेहतो के पृत्र (5) कूदन मेहतो (6) कार्तिक मेहतो (7) कंदन मेहतो सभी माधु मेहतो के पृत्र (8) लालू महतो (9) रहट् मेहतो दोनों महगू मेहतो (10) रामचन्त्र मेहतो पृत्र लीडल मेहतो (11) श्रीमती रुक्मी पत्नी लीडन मेहतो (12) श्रीमती धागिया पत्नी जिड्यू मेहतो (13) मोमार मेहतो पृत्र मालिक (14) जिलू मेहतो (15) मुकन मेहतो दोनों मिलाल मेहतो के पृत्र (16) बलराम महतो पृत्र लक्षीत मेहतो के पृत्र (17) पंच्र मेहतो (18) चीडन मेहतो दोनों सूख-वेष मेहतो के पृत्र (19) पीलू मेहतो (20) जीवन मोहतो दोनों सूख-वेष मेहतो के पृत्र (21) श्रीमती रेहों पत्नी बृद्धन मेहतो ने उक्त प्रधिनयम की खारा 13 के प्रधीन, उक्त धर्जन में से 16.85 एकड़ या 6.82 हेक्टेयर जैत के प्रतिकर के मंदाय के लिए मक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

और उन्त अर्जन के लिए वेस प्रेतिकर की रकम प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्ता की बाबन विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत्तन की जासकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रति बाद सहित स्वीकार की गई है;

मतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार कोयला काले क्षेत्र प्रजन और विकास श्रध-नियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा 2 द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंग्रकालिक प्रधिकरण करती है जिसमें श्री चन्द्र लेखर सिंह ग्रयर जिला और सेमन न्यायाधीक रांची होंगे।

[सं॰ 19/(20) 78-सी॰ एस॰ (39)]

S.O. 1659.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act. 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectare, in villages Kolhara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai. Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgath, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Amrit Mahto S/o Biswanth Mahto, (2) Ghana Ram Mahto, (3) Paran Mahto, (4) Mohan Mahto all S/o Sibu Mahto, (5) Kandan Mahto, (6) Kartik Mahto, (7) Kanchan Mahto all S/o Madhu Mahto, (8) Lalu Mahto, (9) Rahtu Mahto both S/o Maghu Mahto, (10) Ram Charan Mahto S/o Ledan Mahto, (11) Most Rudni W/o Ledan Mahto, (12) Most Bhagia W/o Jibu Mahto, (13) Somar Mahto S/o Sallk Mahto, (14) Jethu Mahto, (15) Mukun Mahto both sons of Siblal Mahto, (16) Balram Mahto S/o Lalit Mahto, (17) Panchu Mahto, (18) Khedan Mahto both S/o Sukhdeo Mahto, (19) Kitu Mahto, (20) Jodhan Mahto both S/o Budhu Mahto, (21) Most Rasho W/o Budhan Mahto of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 16.85 acres or 6.82 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(39)]

कांश्मार 1660.— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व बान और ईंधन मंत्रालय की अधिसूचता संव काव्याव 3894 तारी बान और ईंधन मंत्रालय की अधिसूचता संव काव्याव 3894 तारी बान 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले केस (धर्जन और विकास) घिधिनयम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन तैयार की गई थी, के मनु सरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा), सिवई, मुचूंग डीह, (नृटुगदाग और गौराबेरा, गान रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि प्रजित की है:

श्रीर भूक्षुंगडीह ग्राम के हिलबढ़ व्यक्ति बोबी हमीदा खातून पत्नी मोह० गुलाम नवी ने उक्त श्रीधिनियम की धारा 13 के श्रधीन, उक्त श्रर्जन में से 1.59 एकड़ या 0.64 हेक्टियर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए मधाम प्राधि-कारी के पास दावा किया है;

श्रीर उक्त श्रर्जन के लिए देय प्रतिकर की रक्षम, प्रस्थापिन प्रतिकर की रक्षम की प्रयस्तितः की बत्बत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियस न की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित हिनबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित्र स्वीकार की गई है:

प्रसः, यन, केन्द्रीय लग्नार, क्रोयला बाले क्षेत्र (सर्जन प्रीगदिकाम) प्रशिविषम, 1957 की घारा 14 की उपवारा (2) प्रारा प्रवस गक्तियों का प्रयोग करते हुए एक प्रंगकालिक प्रक्षिकरण गठित करती है जिल्लों क्षी चन्द्र ग्रेशर सिंह, प्रयंगकालिक प्रक्षिकरण गठित करती है जिल्लों श्री चन्द्र ग्रेशर सिंह, प्रयंग किला धौर सेणन न्यायाधीण, राँची होंगे।

[मं० 19(20) 78-मी० ए**म०(8)**]

S.O. 1660.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510-acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas Bidi Hamida Khatoon W/o Md. Gulam Navi of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 1.59 acres or 0.64 hectares cut of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(8)]

कारकार 1661 — केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व जाम और ईधन संज्ञालय की अधिसूचना संर कार्यार 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कांग्रला वासे केन (ग्रर्जन और विकास) अधिनयम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन तैयार की गई थी, के अनुसरण में कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हा धारा), निवर्ष, भूष्वंगडीह, हुटुगदाग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभन) या 1016.55 हेक्ट्यर भूमि ग्रजिन की है;

भौर भुभंगशीह प्राप्त के हिलबद व्यक्ति (1) मिलक बहाजुदीन (2) समसुधीन दोनों मिलक मोहम्मद गौस के पुत्र ने उक्त श्रीधिनियम की धारा 13 के श्रीमिन, उक्त श्रार्थन में से 0.40 एकड़ था 0.16 हैक्टेयर केंद्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है:

और उक्त धर्जन के लिए वेय प्रतिकर की रकम, स्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बायत जिलाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा भक्ती और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

धनः, प्रज्ञ, केन्द्रीय भरकार, कोयला वाले क्षेत्र (प्रज्ञंन भ्रौर विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक श्रीणकालिक भ्रधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र शेखर सिंह, भ्रपर जिला भ्रौर सेशन न्यायाधीश रांची होंगे।

[सं॰ 19/10/78-सी॰एल॰ 9]

S.O. 1661.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510-acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Mullick Bahazuddin, (2) Samasuddin both sons of Mullick Mohamad Gause of village Bhuchungdin, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.40 acres or 0.16 hectares out of the said acquisition:

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(9)]

काल्झा 1662. स्वाप्त सरकार ने, भारत सरकार के भ्रतपूर्व खान भीर र्डंधन मंत्रालय की अधिभूषना सं काल्झा 3894 तारीख 22 विसम्बर 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (प्रजिन भीर विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के धधीन तैयार कीई गई थी, के अनुरमण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), मिमई, भृज्यदीह हुरुगवाल और गाराबेरा, थाना रामगढ जिला हुआरीधाण (बिहार) ग्रामों 2510 एकड (लगभग) या 1016.55 हैक्टेयर भृमि प्रजित की है;

ग्रीर िवर्ष याम के िलबाइ ब्यक्ति (1) णिकारी मासी (2) वरवारी मासी दोनो अकलू मांसी के पुत्र (3) करदन मासी पुत्र बरका मांसी ने उक्त अर्धिनियम की धारा 13 के अधीन, उक्त अर्जन में से 0.31 एकड़ या 0.125 हैक्टेयर क्षेत्र के अर्थिकर के संवाय के किए मक्षम प्राधिकारी के पाय दावा किया है;

स्रोर उक्त स्रजन के लिए वेय प्रतिकार की रकम, प्रस्थापिन प्रतिकार की रकम की पर्याप्तता की बाबन बिवाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा सकी और देश प्रकार प्रस्थापिन रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद संहित स्वीकरि की गई है:

धतः, धन्न, केन्द्रीय सरकार, कीयला वाले क्षेत्र (धर्मन और निकास) अधिनियम 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) ब्रारा प्रवत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए एक अंग्रकालिक अधिकरण गठिन करती है जिसमें श्री चन्द्र ग्रेखर शिह, अपर जिला और मेग्रन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[मं० 19/20/78-मी०एल० (10)]

S.O. 1662.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510-acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Sikari Manjhi, (2) Darbari Manjhi both sons of Aklu Manjhi, (3) Kandan Manjhi S/o Barka Manjhi of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.31 acres or 0.125 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957. the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(10)]

का०आ० 1663. केन्द्रीय सरकारने, भारत सरकार के भूनपूर्व बान श्रीर इंधन मंत्रालय की अधिसूचना सं० क.०आ० 3894 नारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले केन्न (अर्जन भौर विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन तैयार की गई बी, के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्बारधारा). सिवर्ड, भूखंगडीह, हुटुगदाग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हुआरीबाग (बिहार) प्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि अर्जित की है;

श्रीर भुजुंगडीह ग्राम के हितबद व्यक्ति (1) पृच् मेहतो (2) खेषान मेहतो थोना पृष्ठ मुखदेव मेहतो (3) श्रीमती रासो परनी भुद्धन मेहतो (4) जोधन मेहतो पृष्ठ पृद्ध मेहतो ने उक्त श्रिधिनयम की धारा 13 के श्रिधीन, उक्त श्रर्थन में से 0.74 एकड़ या 0.30 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के मंदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

श्रीर उक्त श्रर्जन के लिए देव प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तना की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जा सकी श्रीर देश प्रकार प्रस्थापित रकम हिलबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

मतः, स्रव, केम्ब्रीय सम्कार, कोयला काले क्षेत्र (म्रर्जम ध्रीर विकास) सर्विश्वियम, 1957 की धारा 14 की खपश्चारा (2) द्वारा प्रवस सक्तियों रा प्रश्लोग करने हार् एक ग्रंशकालिक यभिक्ता गरित करनी है. जिसमें श्री चन्द्र श्रेखर सिंह, प्रपर जिला और सेशन न्यायीधीण, राँची होगे।

[स॰ 19/20/78-सी॰एल॰ (48)]

S.O. 1663.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510-acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Panchu Mahto. (2) Khedan Mahto both sons of Sukhdeo Mahto, (3) Most Raso W/o Budhan Manhto, (4) Jodhan Mahto S/o Budhu Mantho of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.74 acres or 0.30 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh. Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(48)]

कारुकार 1664.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भनपूर्व जान और ईमन मंत्रालय की मिध्यस्वना संर कार्यार 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि विस्ताल वाले क्षेप्त (प्रजेन भौर विकास) भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के प्रधीन तैयार की गई थी. के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवई, मुचुंगडीह, हुद्गदांग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हुजारीबाग (विहार) प्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016 55 हेक्टेयर भूमि प्रजिन की है;

श्रीण हुटुंगशग प्राम के हिन्तबंद स्पक्ति (1) तोमर मेहनो (2) राम जरन मेहतो दोनों सालिख मेहतो के पुन्न (3) श्रीमती रूधानी पत्नी लेदन मेहतो (4) श्रीमती भागों पत्नी जीबू मेहतो (5) जेतू मेहतो (6) मुकुन्द मेहतो दोनों प्रयोलाल मेहतो के पुन्न (7) बलराम मेहतो पुन्न लिलत मेहतो (8) किंदू मेहतो (9) जोधन मेहतो दोनों बुद्ध मेहतो के पुन्न (10) पाचु मेहतो (11) खेदान मेहतो दोनों सुखदेव मेहतो के पुन्न (12) श्रीमती रासो पत्नी बुद्धन मेहतो ने उक्त अधिनयम की धारा 13 के प्रधीन, उक्त अर्जन में से 1.09 एकड़ या 0.44 हेक्ट यर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

न्नीर उक्त मर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम को पर्याप्तिमा की बाबन विवाद होने के कारण करार द्वारा नियसन की जा सकी भीर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हिन्दाब व्यक्तियों द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

प्रमः, प्रज, केन्द्रीय सरकार, कोयला बाने क्षेत्र (प्रजन भ्रौर विकास) प्रिविचयम 1957 की क्षारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए एक प्रजकालिक भ्रधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्त्र भेजर सिंह, अपर जिला और सेशन न्यायाश्रीण, राची होंगे।

[मं० 19/20-78-मी० एल० (24)]

S.O. 1664.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Develop-

ment) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510-acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas, (1) Somar Mahto, (1) Ram Charan Mahto both sons of Salikh Mahto, (3) Most Rudhani W/o Ledan Mahto, (4) Most Bhago W/o Iibu Mahto, (5) Jethu Mahto, (6) Makund Mahto both S/o Scolal Mahto, (7) Balram Mahto S/o Lalit Mahto. (8) Kitu Mahto, (9) Jodhan Mahto both S/o Budhu Mahto, (10) Pachu Mahto, (11) Khedan Mahto both S/o Sukhdeo Mahto, (12) Most Raso W/o Budhan Mahto of village Hutugdag, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the claim to the competent authority for payment of compensation for an area of 1.09 acres or 0.44 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekher Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)/78-CL(24)]

कार्लमार 1665 — केन्द्रीय सरकार ने, भारत मरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंद्रालय की प्रक्षिम्चना मंद्र कांद्रित 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962 जो कि कोयला बाले क्षेत्र (ग्रजन और विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 9 के अधीन तैयार की गई थी, के प्रनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारघारा), शिवर्ष, भुजुंगडीह, हृद्रुपदाग और भौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग्न) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि प्रजित की है;

न्नीर भू बुंगडीह ग्राम के हितबद व्यक्ति (1) अमृत मेहतो पुत्र बिण्या नाथ मेहतो (2) लालू मेहतो (3) रखू मेहतो दोनों मध् मेहतो के पुत्र (4) यामा राम मेहतो (5) परान मेहतो (6) मोहन मेहतो सभी सित् मेहतो के पुत्र (7) कंदन मेहतो (8) कार्तिक मेहतो (9) कंचन मेहतो सभी मध् मेहतो के पुत्र ने उक्त अधिनियम की धारा 13 के अजीन, उक्त अर्जन में से 1.69 एकड़ या 0.68 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए मुक्षम प्राधिकारी के पास यावा किया है;

स्रोर उक्त धर्णन के लिए देय प्रतिकर की रक्तम, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्षम की पर्याप्तता की साबत विवाद होने के कारण करार द्वार। नियत न की जा सकी स्रोर इस प्रकार प्रस्थापित रक्तम हिलबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद महिल स्थीकार की गई है;

श्रतः श्रव, केन्द्रीय सरकार, कोयला बाले खें स (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त काक्तियों का प्रयोग करते हुए एक झंशकालिक अधिकरण गठित करती है जिसमें श्री जन्द्र केश्वर मिह, ऊपर जिला और सेशन न्यायाधीश, राजी होंगे।

[मं॰ 19/20/78-सी॰एल॰ (22)]

S.O. 1665.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510-acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas, (1) Amrit Mahto S/o Bishwanath Mahto, (2) Lalu Mahto, (3) Raghu Mahto both sons of Maghu

Mahto, (4) Ghana Ram Mahto, (5) Paran Mahto. (6) Mohan Mahto all sons of Sibu Mahto, (7) Kandan Mahto, (8) Kartik Mahto, (9) Kanchan Mahto all sons of Madhu Mahto of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 1.69 acres or 0.68 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(22)1

का० आ० 1666.— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंद्रालय की प्रक्षिसूचना सं० का० ग्रा० 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले खेत (ग्रजंन और विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 9 के प्रधीन तैयार की गई थी, के प्रनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हार-धारा), सिवई, भुष्युंगडीह, हुटुगक्षा और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हैक्टेयर भूमि प्रजित की है;

और भूचूंगडीह ग्राम के हितबद व्यक्ति (1) माहो करमावली (2) फूनू करमाली दोनों लाखू करमाली के पुत्र (3) राम बिलाम करमाली पुत्र बद्री करमाली (4) ग्रामर करमाली (5) बालकू करमाली दोनों गिरखारी करमाली के पुत्र ने उक्त मित्रनियम की द्यारा 13 के मधीन, उक्त मर्जन में से 0.56-1/2 एकड़ या 0.23 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास वावा किया है;

और उक्त प्रजेंन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है ;

धतः, त्रव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (म्रर्जन और विकास) विधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंग्रकालिक मधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र शेवर सिंह, प्रपर जिला और सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78 सी॰ एल॰(26)]

S.O. 1666. Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510-acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai. Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas, (1) Maho Karmali, (2) Phunu Karmali S/o Lachu Karmali, (3) Ram Bilas Karmali S/o Badri Karmali, (4) Amar Karmali, (5) Balku Karmali both sons of Girdhari Karmali of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.5-1/2 acres or 0.23 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

112 GI/79---10.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(26)]

का० आ० 1667.— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय की प्रधिसूजना सं० का० ग्रा० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले केन्न (ग्रजन और विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के प्रधीन तैयार की गई थी, के भनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा), सिबई, भुबुंगबीह, हुटुगदाग और गौराबेरा, याना रामगढ़, जिला हजारीबामा (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि भजित की है;

और कोईहारा ग्राम के हिलबग्न व्यक्ति (1) मितू पाहन (2) सितू पाहन दोनों सिख् पाहन के पुल (3) लोकनाथ पाहन पुत्र लालधन पाहन (4) गजेन्त्र नाथ मंकी (5) पुना मंकी (6) चैता मंकी (7) सहजू मंकी (8) विशेष्वर मंकी सभी दयाल पाहन के पुत्र (9) गृलिया पाहन (10) निवारन पाहन दोनों धनपत पाहन के पुत्र (11) गहना पाहन (12) पिक्मा पाहन दोनों बलेश राम पाहन के पुत्र (13) श्रीमती सादमी पत्नी तुलसी पाहन (14) नागेश्वर पाहन (15) टिपा पाहन दोनों तुलसी पाहन के पुत्र (16) ननकू मंकी (17) बालकू मंकी दोनों विश्वनाथ पाहन के पुत्र (18) सैनाथ पाहन (19) चरका पाहन दोनों जिला पाहन के पुत्र (20) मोगवा पाहन (21) मितिया पाहन दोनों सलखू पाहन के पुत्र (22) मितू पाहन (23) विरवाई पाहन दोनों उदय पाहन के पुत्र (22) मितू पाहन (23) विरवाई पाहन दोनों उदय पाहन के पुत्र ने उक्त ग्राधिनियम की धारा 13 के श्रधीन, उक्त ग्राजैन में से 6.97 एकड़ या 2.82 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए समक्ष प्राधिकारी के पास वाला किया है;

और उक्त धर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्सता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्थीकार की गई है;

प्रतः, प्रबं, केन्द्रीय सरकार, कोयला बाले क्षेत्र (प्रजंन और विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंश्वकालिक अधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र शेखर सिंह, अपर जिला और सेशन न्यायाधीण, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰ एल॰(:84)]

S.O. 1667.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510-acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas, (1) Mithu Pahan, (2) Sithu Pahan both S/o Sikhu Pahan, (3) Loknath Pahan S/o Laldhan Pahan, (4) Gajendra Nath Manki, (5) Pusa Manki, (6) Chaita Manki, (7) Sahaju Manki, (8) Bisheshwar Manki all S/o Dayal Pahan, (9) Gulia Pahan, (10) Nibaran Pahan both S/o Dhanpat Pahan, (11) Gahana Pahan, (12) Biruwa Pahan both S/o Balesh Ram Pahan, (13) Most Sadmi W/o Tulsi Pahan, (14) Nageshwar Pahan, (15) Tipa Pahan both S/o Tulsi Pahan, (16) Nanku Manki. (17) Balku Manki both S/o Bishwanath Pahan, (18) Sainth Pahan, (19) Charka Pahan both S/o Jiba Pahan, (20) Mogwa Pahan, (21) Mitia Pahan both S/o Salkhu Pahan, (22) Mithu Pahan, (23) Birwai Pahan both S/o Uday Pahan of village Koiharu, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for and area of 6.97 acres or 2.82 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(84)]

का० आ० 1668.— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंद्रालय की ग्रिधिसूचना सं० का० धा० 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (ग्रजंन और विकास) ग्रिधिन्यम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के ग्रिधीन तैयार की गई थी, के जनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारकारा), सिवई, भूचुंगडीह, हुटुगदाग और गौरावेरा, याना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि ग्रीजत की है;

और भुजुंगडीह ग्राम के हिसबढ़ व्यक्ति (1) चन्दो मांघी पुत्र ग्रतवा मांघी (2) बुद्ध मांघी पुत्र भुक्ख मांघी (3) बरहवा मांघी (4) लूथू मांघी (5) ठाकूर मांघी सभी घाना नांघी के पुत्र (6) सोनवा मांघी पुत्र मांघी (7) श्रीमती रूपमंगी पत्नी दासो मांघी (8) खिरिया करमा मांघी की पुत्री ने या उक्त ग्रधिनियम की भ्रारा 13 के ग्रधीन, उक्त ग्रर्जन में से 6.51 एकड़ 2.63 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

और उक्त धर्णन के लिए वेय प्रतिकर की रक्षम, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्षम की पर्याप्त की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रक्षम हितबद्ध ध्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

श्रतः, श्रवः, केन्द्रीय सरकार, कोयला बाले क्षेत्र (श्रजंन और विकास) श्रिक्षित्यम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवक्ष शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंश्वकालिक श्रिक्षरण गठित करती है जिसमें श्री चम्द्र शेखर सिंह, ध्रपर जिला और सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे। [सं० 19/20/78-सी० एल०(25)]

S.O. 1668.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510-acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera. Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas, (1) Chando Manjhi S/o Atwa Manjhi, (2) Budhu Manjhi son of Sukhu Manjhi, (3) Barhwa Manjhi, (4) Luthu Manjhi, (5) Thakur Manjhi all sons of Chuna Manjhi, (6) Sonwa Manjhi S/o Baso Manjhi, (7) Most Rupmani W/o Daso Manjhi, (8) Khiriya D/o Karma Manjhi of village Bhuchungdih, the person interested, has under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 6.51 acres or 2.63 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(25)]

का॰ आ॰ 1669.— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंग्रन मंत्रालय की ग्रिविस्त्रचना सं॰ का॰ ग्रा॰ 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (ग्रर्जन और विकास) ग्रियिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के ग्रियोन तैयार की गई थी, के ग्रनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा), सिवई, भुचुंगडीह, हुटुगदाग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हुजारी-खाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि ग्रजित की है;

और सिषई ग्राम के हितबद व्यक्ति (1) राम लगन साओ (2) बलराम साओ दोनों गिरिधारी साओं के पुत्र (3) बहरहन साओं (4) बंसी साओं धोनों जात् साओं के पुत्र ने उक्त ग्रिधिनियम की धारा 13 के श्रिधीन, उक्त ग्रजन में से 1.71 एकड़ या 0.69 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रक्तम, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्तम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रक्तम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

भनः, भव, केश्रांय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (ग्रर्जन और विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक प्रधिकरण गठित करती है जिसमें श्री बन्ध शेवार सिंह, भ्रापर जिला और सेशन न्यायाधीण, रांजी होंगे। [सं 19/20/78-सी॰ एल॰(83)]

S.O. 1669.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas, (1) Ram Lagan Sao, (2) Balram Sao both S/o Gigidhari Sao, (3) Barhan Sao, (4) Bansi Sao both S/o Jadi Sao of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 1.71 acres or 0.69 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(83)]

का० आ० 1670.— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रासय की प्रधिसूचना सं० का० प्रा० 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (ग्रर्जन और विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के प्रधीन तैयार की गई थी, के प्रनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा), सिवई, मुचुंगडीह, हुदुगवाग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हुजारी-बाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि प्रजित की है;

और मिन्नई प्राप्त के हितनक व्यक्ति सोना राम मेहतो पुन्न कार मेहतो ने उक्त प्रधिनियम की धारा 13 के प्रधीन, उक्त प्रजैन में से 6.12 एकड़ या 2.48 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास बाना किया है: और उक्त धर्मन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्यतता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई हैं;

धतः, धव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (धर्जन और विकास) ध्रिधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक ध्रिधिकरण गठित करती है जिसमें श्री बन्द्र शेखर सिंह, ध्रपर जिला और सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰ एल॰(82)]

S.O. 1970.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510-acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas Sona Ram Mahto S/o Karu Mahto of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 16.2 acres or 2.48 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(82)]

का० आ० 1671 — केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूलपूर्व खान और इँधन मंत्रालय की भिध्यसूचना सं० का० आ० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोथला वाले क्षेत्र (ग्रर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन सैयार की गई थी, के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हार-धारा), सिवई, भुचुंगडीह, हुटुंगवाग और गौराबेरा, याना रामगढ़, जिला हुजारीबाग (बिहार) प्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 वृहटेयर भूम प्रजित की है;

और मृजुंगबीह ग्राम के हितबद्ध व्यक्ति (1) शिववास साहू (2) वृद्धन साहू (3) बिजो साहू (4) लक्की नारायण साहू (5) नीटू साहू (6) राधारमण साहू सभी भवानी साहू के पुत्र ने उक्त प्रधिनियम की धारा 13 के अधीन, उक्त धर्जन में से 0.67 एकड़ या 0.27 हेक्टेथर क्रेब के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

और उक्त प्रजंन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्ततः की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार स्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिबाद सहित स्वीकार की गई है;

मतः, भव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (प्रार्जन और विकास) मिन्नियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक प्रधिकरण गठित करती है जिसमें श्री बन्द्र शेखर सिंह, प्रपर जिला और सेंगन न्यायाधीय, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰ एस॰(46)]

S.O. 1671.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510-acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas, (1) Shivdas Sahu, (2) Budhan Sahu, (3) Dljo Sahu, (4) Lakhi Narain Sahu, (5) Nito Sahu, (6) Radha Raman Sahu all sons of Bhawani Sahu of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.67 acres or 0.27 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(46)]

का० आ० 1672.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान भीर ईंघन मंत्रालय की प्रिध्नुचना सं० का० भा० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कीयला वाले क्षेत्र (धर्जन घौर विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 9 के भ्रधीन तैयार की गई थी, के भ्रनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारवारा), सिवई, भुचुंगडीह, हुटुगवाग और गौराबेरा, याना रामगढ़, जिला हुजारोबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि धर्जित की है;

श्रीर सिवर्ष प्राम के हितबद्ध व्यक्ति (1) महाश्रीर साहू पुत्र मोहन साहू (2) चरक साहू पुत्र जीत राम साहू ने उक्त श्रधिनियम की धारा 13 के अधीन, उक्त श्रजेन में से 2.37 एकड़ या 0.96 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रति-कर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है:

श्रीर उक्त धर्जन के लिए वेस प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी श्रीर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

श्रतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार कोयला वाले क्षेत्र (धर्जन धौर विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक धशकालिक प्रधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र शेखर सिंह, प्रपर जिला और सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[स॰ 19/20/78-सी॰एस॰(81)]

S.O.. 1672.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510-acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas, (1) Mahabir Sahu S/o Mohan Sahu, (2) Charku Sahu S/o Jit Ram Sahu of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 2.37 acres or 0.96 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shrì Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(81)]

का॰ वा॰ 1673.—केन्द्रीय सरकार में, भारत सरकार के भूतपूर्व खान चौर ईंग्रन मक्षालय की मिश्रमूचना सं॰ का॰ मा॰ 3894 तारीका 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला वासे क्षेत्र (मर्जन चौर विकास) मिश्र-नियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 9 के भ्रश्नीन तैयार की गई थी, के मनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवई, भूषंगडीह, हुटुगदाग मौर गौराबेरा, याना रामगढ़, जिसा हजारीबाग (बिहार) प्रामों में 2510 एकड़ (सगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि मजित की है;

भौर मुचुंगडीह ग्राम के हितबद व्यक्ति (1) केंद्र मेहतो (2) जोधन मेहतो बोनों बुद्धन मेहसो के पुत्र (3) श्रीमती रासो पत्नी मुद्ध मेहसो (4) पंचू मेहसो (5) खेबान मेहतो बोनों सुखदेव मेहतो के पुत्र ने उक्त मधिनियम की धारा 13 के मधीन, उक्त घर्जन में से 0.40 एकड़ या 0.16 हेक्टैयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास वावा किया है;

श्रौर उक्त ग्रजैन के लिये देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विचाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी ग्रौर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध अ्यक्ति द्वारा प्रति-याद सहित स्वीकार की गई है;

भतः, मन, केन्द्रीय सरकार, कोयला बाले क्षेत्र (धर्जन ग्रीर विकास) मिन्नियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक ग्रंशकालिक ग्रधिकरण गठित करती है जिसमें स्री चन्द्र शेखर सिंह, भ्रपर जिला ग्रीर सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।

[स॰ 19/20/78-सी॰एस॰ (45)]

S.O. 1673.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510-acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas, (1) Ketu Mahto, (2) Jodhan Mahto both sons of Budhan Mahto, (3) Most Raso W/ Budhan Mahto, (4) Panchu Mahto, (5) Khedan Mahto both sons of Sukhdeo Mahto of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.40 acres or 0.16 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(45)]

का॰ आ॰ 1674.---केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के मृतपूर्व कान और ईंधन महालय की मधिसूचना सं॰ का॰ आ॰ 3894 तारीक 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (प्रजंग भीर विकास) प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के घ्रधीन तैयार की गई थी, के प्रनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्ब्रारधारा), सिवई, भुनुंगढीह, हुदुंगदांग भीर गौराबेरा याना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भृमि प्रांजल की है;

भीर कोईहारा ग्राम के हिलबढ़ व्यक्ति (1) मगवा (2) मिट्टया दोनों सलखू पाहन के पूज (3) माहू पाहन (4) बिरसाई पाहन दोनों उदय पाहन के पुज (5) मिलू पाहन (6) सिपू पाहन दोने मुखी पाहन के पुज (7) लोकन पाहन पुज लाल धन पाहन (8) श्रीमती पन्डको पत्नी साल धन पाहन ने उक्त मिछिनियम की बारा 13 के घडीन, उक्त मर्जन में से 10.36 एकड़ या 4.19 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्तम प्राधिकारी के पास बावा किया है;

भौर उक्त मर्जन के लिए वेय प्रतिकर की एकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत न की जो सकी भौर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

भतः, भव, केन्द्रीय सरकार, कोयला थाले क्षेत्र (धर्जन भीर विकास) भिष्ठित्यम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त सित्तियों का प्रयोग करते हुए एक श्रंशकालिक पश्चिकरण गठित करली जिसमें भी चन्द्र शेवर सिंह, भपर जिला भीर सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे। [स॰ 19/20/78-सी॰एस॰(13)]

S.O. 1674.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510-acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas, (1) Magwa, (2) Matia both sons of Salkhu Pahan, (3) Mahu Pahan, (4) Birsal Pahan both sons of Udaya Pahan, (5) Mithu Pahan, (6) Sithu Pahan both sons of Sukhi Pahan, (7) Lokan Pahan S/o Lal Dhan Pahan, (8) Most Pandko W/o Lal Dhan Pahan of village Koihara, the person interested has, under section 13 of the said Act, pereferred the competent authority for payment of compensation for an area of 10.36 acres or 4.19 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1947, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(13)]

कां थां 1675.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के मृतपूर्व खान भीर हैं छन मंत्रालय की प्रश्निमूचना सं का भा 3894 नारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला बाने सेव (प्रजेन ग्रीर विकास) प्रश्निम्म, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के भ्रधीन तैयार की गई थी, के भनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवई, भृचुंगबीह, हुबुंगवाग भीर गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) धार्मों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि प्रजित की है;

सौर पुणुंगवीह पास के हितकह व्यक्ति श्रीमती वरीवन पत्नी सेख रमवान ने एक प्रधिनियम की धारा 13 के प्रधीन, उक्त प्रचीन में से 0.12 एकड़ या 0.05 हैक्टेगर क्षेत्र के प्रतिकर के सवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास वाचा किया है: भीर उक्त मजैन के लिए देय प्रतिकर की रक्तम, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्तम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियस न की जा सकी भीर इस प्रकार प्रस्थापित रक्तम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

मतः, मन, केन्द्रीय सरकार, कोयला बाले क्षेत्र (धर्मन प्रौर विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) हारा प्रश्त मिक्सों का प्रयोग करने हुए कु संशकालिक स्विकरण गठिन करती है जिसमें श्री बन्द्र शेखर सिंह, स्वर जिला ग्रीर सेमन न्यायाधीय, राजी होंगे।

[सं० 19/20/78-सी०एल० (38)]

S.O. 1675.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And, whereas Most. Masidan W/o Sd. Ramjan of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.12 acres or 0.05 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(38)]

कां आ 1676 केन्द्रीय सरकार ने, मारत सरकार के मृतपूर्व खान मीर ईंधन मंत्रालय की भिध्नमूचना सं का आ 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (धर्जन ग्रौर विकास) ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के ग्रधीन तैयार की गई थी, के भनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारघारा), सिवई, मृचुंगबीह, हुटुंगदाग भीर गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीवाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर मूमि ग्राजित की है;

भीर भूजुंगडीह ग्राम के हितबद्ध व्यक्ति (1) बंधु मेहती पुत्र भावों मेहती (2) बोधी मेहती पुत्र वयाल मेहती (3) लीलू मेहती पुत्र बिस् भोहती (4) ग्रर्जन मोहती पुत्र सीताराम मेहती ने उक्त मधिनियम की धारा 13 के मधीन, उक्त श्रर्जन में से 21.99-1/6 एकड़ या 8.90 हैक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास धावा किया है;

धीर उक्त भजंग के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतम की जा सकी धीर इस प्रकार प्रस्थापित रक्षय हिनबन्न व्यक्ति द्वारा प्रति-बाद सहित स्वीकार की गई है;

सतः, सवः, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (धर्भन धौर विकास) धिक्षित्रम, 1957 की बारा 14 की उपधारा (2) धारा प्रवस्त लक्तियों का प्रयोग करते हुए एक धंत्रकालिक धिक्षकरण गठित करती है जिसमें धी चन्त्र केक्षर सिंह, ध्यर जिला धौर तैयन व्यायात्रीण, राखी होंने।

[सं॰ 19/20/78-सी॰एल॰ (37)]

S.O. 1676.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S. O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumbardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas, (1) Bandhu Mahto S/o Bhado Mahto, (2) Bodhi Mahto S/o Dayal Mahto, (3) Lilu Mahto S/o Bishu Mahto, (4) Arjun Mahto S/o Sitaram Mahto of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 21.99-1/6 acres or 8.90 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)78-CL(37)]

का० थां० 1677.--केन्द्रीय सरकार ने, मारत सरकार के भूतपूर्व खान मौर ईंधन मंत्रालय की प्रधिस्त्वना सं० का० प्रा० 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन भौर विकास) प्रधिन्यम, 1957 (1957 का 20) की घारा 9 के मधीन तैयार की गई थी, के भमुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवई, भूवृंग-बीह, हुदुगदाग श्रीर गौराबेरा, चाना रामगढ़, जिला हजारीजाग (जिहार) प्रामों में 2510 एकइ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि मजित की है;

भौर भूषंगबीह प्राप्त के हिलबा व्यक्ति पित मेहतो पुत्त खेदू मेहतो ने उक्त प्रधिनियम की धारा 13 के प्रधीन, उक्त प्रजन में से 7.30-5/6 एकड़ या 2.96 हेक्टेयर सेंज के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधि-कारी के पास दावा किया है;

भौर उक्त भर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी भौर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हिनदाब व्यक्ति द्वारा प्रनिवाद सहित स्वीकार की गई है;

धतः, धव, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (धर्जन धौर विकास) श्रीवित्यम, 1957 की धारा 14 की उपवारा (2) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए एक भंशकालिक श्रीवकरण गठित करती है जिसमें जिसमें भी चन्द्र शेखर सिंह, भपर जिला धौर सेजन न्यायाधील, रांची होंगे।

[स॰ 19/20/78-सी॰एस॰ (36)]

S.O. 1677.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar):

And whereas (1) Bipat Mahto S/o. Khedu Mahto, of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 7.30-5/6 acres or 2.96 hectarea out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation paybale for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compention offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20),/78-CL (36)]

का॰ भा॰ 1678:— केन्द्रीय सरकार ने, भारत मरकार के भारपूर्य खान श्रीर इंधन मजालय की अधिसूचना सं॰ का॰ श्रा॰ 3894 तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोगला वाले क्षेत्र (श्रर्जन श्रीर विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन तैयार की गई थी, के प्रवृतरण में , कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हार धारा), सिवई भुचुंगबीह हुवुगवाग श्रीर गौराबेंगा, थाना रामगढ़, जिला हजारी बाग (बिहार) ग्रामों में 5210 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हैक्टेयर भूमि श्रीत की है।

श्रीर भुष्णुगर्धाह ग्राम के हितबंद व्यक्ति (1) शेख ग्रगारफ ग्रली (2) कमरहीन दोनों श्रेख ग्ररणाद ग्रली के पुत्र ने उक्त ग्रिधिनियम की धारा 13 के ग्रधीन, उक्त ग्रर्जन में से 7.14 एकड़ या 2.89 हैक्ट्रेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए समक्ष प्राधिकारी के पास दावा किया है।

श्रीर उक्त धर्जन के लिए वेय प्रतिकर की रक्षम, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्षम की पर्याप्तता की बाबन त्रियाद होने के कारण करार द्वारा नियनन की जा की श्रीर इस प्रकार प्रस्थापित रक्षम हिनबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहिन स्वीकार की गई है;

श्रतः, प्रवं, केन्द्रीय सरकार, कोयला याले क्षेत्र ्श्रर्जन श्रीर विकास) श्रिष्ठिनियम, 1957 की घारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक श्रंशकालिक श्रष्टिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्द्र गेवार सिंह, श्रार जिला स्रोर गेगन न्यायाधीण, राची होंगे।

[শি॰ 19/20/78-मी॰एल॰ (32)]

S.O. 1678.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Minis'ry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Kojhara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Ilutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) SK. Ashraf Ali (2) Kamaruddin both sons of Sk. Arsad Ali, of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 7.14 acres or 2.89 hectares out of the said acquisition:

And whereas the amount of compensation payable for the the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)/78-CL (32)]

का० का० 1679:—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान श्रीर ईश्वन मझालय की श्रिधियूचना मं० का० था 3894 तारी का 22 दिसम्बर, 1962 जा कि को गता वाले क्षेत्र (श्रजैन झोर विकास) श्रियिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के श्रिधान तैयार की गर्ध के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), शिवई, मुबुरईहि, हुकुणवान भीर गोराजेगा, थाना रामगढ़, जिला ह्चारी बाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगमग) या 1016.55 हैक्टेयर मुमि स्थित की है;

श्रीर सिवर्द ग्राम के हितबद्ध व्यक्ति (1) गनेश बौधरी (2) नन्य लाल चौधरी दोनों अगेश्वर घौधरी के पुत्र (3) श्रीमती जनून्या चौधरी पत्ना स्पर्नीर्ध नौश्वर घौधरी (4) भूवनेश्वर घौधरी (5) रामेश्वर घौधरी (6) होरा लाल चौधरी सभा जयनन्वन चौधरी के पुत्र ने उस्त प्रतिनियम को धारा 13 के अधीन उक्त अर्जन में से 4.72 रूड़ के 1.91 हैस्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधि-कारी के पास काला किया है;

प्रोर उन्न प्रर्गन के लिए येय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर का रोग्म की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण कारार द्वारा निग्नन का जासकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हिनवद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहिन स्वीकार की गई है;

भनः, भन, केन्द्रीय सरकार, कोयजा वाले क्षेत्र (धर्मनभीर विकास) श्रिधिनियम, 1957 को धारा 14 का उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए एक ध्रशकालिक ध्राधिकरण गठित करनी है जिसमें श्री जन्द्र गोजर सिंह, भारर जिला भीर सेशन न्यायाधीश, रौकी होंगे। [यं० 19/20/78-सो० एल० (79)]

S.O. 1679.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas, (1) Ganesh Choudhry (2) Nand Lal Choudhury both sons of Jageshwar Choudhury (3) Most Janunda Choudhury W/o. Late Jageshwar Choudhury (4) Bhuneshwar Choudhury (5) Rameshwar Choudhury (6) Hira Lal Choudhury all sons of Jainandan Choudhury, of village Sewal, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 4.72 acres or 1.91 hectares out of the acquisition;

And whereas the amount of compensation paybale for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compention offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)/78-CL (79)]

का॰ अ६० 1680.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व जान और ईंधन पंचानय की अधिभूत्रना सं० का॰ आ॰ 3894 तारीख 22 दिनम्तर, 1962, जो कि कोयला वाले केन्न (अर्जन और विकास) घिनाम, 1957 (1957 का 20) की घारा 9 के भशीन नैयार की उर्द थी, के अनुवरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारक्षारा), सिवर्द, मुदुंडीह, दुट्टा यीर गैरावेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) यामों में 25.10 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर मि प्रजिन की है,

भौरकोईहारा ग्रामके हिनजब ध्यक्तिकोसतो बिजासो कुमारी पत्नी मुख्येन राय ने उनत अधिनियन की धारा 13 के श्रामेल, उनत सर्जन में हे 3.76 एकड़ या 1.52 हैक्टेनर क्षेत्र के प्रतिका के संदाय के निए सक्षम प्राधिकारी के पास दाका किया है ;

श्रीर उक्त श्रार्वन के निए दे। पित्तर की रक्षम, पण्यापित प्रक्षिकर की रक्षम का प्रविचना की बावन विवाद होने के कारण करार द्वारा नियन न की जा गकी श्रीर इस प्रकार प्रस्थापित रक्षम हिनवद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्थीकार की गई है :

भनः, प्रज, केन्द्रीय सरकार, कोयला बाले क्षेत्र (भर्जन ग्रीर विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त माक्तियों का प्रयोग करते दूए एक ग्रंगकालिक प्रधिकरण पठित करती है जिरामें श्री बन्द्र मोखर गिंह, अपर जिता ग्रीर मेगन न्यायाधीण, रांची होंगे।
[मं० 19/20/78-मां० एल० (17)]

S.O. 1680.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas Most Bilaso Kumari W/o. Sukhdeo Ral of village Koihara, the person inferested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 3.76 acres or 1.52 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation paybale for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compention offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)/78-CL (17)]

का॰ मा॰ 1681.—केन्द्रीय सरकार ने, भारस सरकार के भूतपूर्व खान और ईपन संवालय की अधिनूचना सं॰ का॰ आ॰ 3894 तारीख 22 दिसम्बर, 1962 जो कि कोयला नाले क्षेत्र (प्रजंत और विकास) मिधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के प्रधीन नैयार की गई थीं, के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवई, भुनुंगडीह, दूद्वाया और गौराबेरा, थाना रामगढ़ जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि प्रजित की है।

त्रौर भुकुंगर्डाल ग्राम के हितबत व्यक्ति श्रीमती सावित्री परनी सध् साह् ने उक्त श्रीधिनियम की धारा 13 के श्रीधीन, उक्त श्रार्जन में से 1.93 है एक इ.स. 0.78 हैक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकार के सदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दया किया है;

भीर उक्त धर्मन के लिए देय प्रतिकर की रक्तम, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्तम की पर्याप्तता की बादत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी धौर इस प्रकार प्रस्थापित रक्तम हिन्ददा व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

अतः, अब, केन्द्रीय मरकार, कोयना बाले क्षेत्र (यार्गन आरेर (यक्तास) प्रधि-नियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा अदत्त मिल्नियों क प्रवीत करते दुर एक अग्रामिलिक अधिकरण गठित करती है जिसमें थी चन्द्र मेखर सिंह, अपर विना और सेमन न्यायार्थाण, रॉक्ट होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰ एल॰ (43)]

S.O. 1681.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Minis'ry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under action 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act. 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas Most Savitiri W/o. Madhu Sahu of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the saiad Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 1.93\frac{1}{4} acres or 0.78 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation paybale for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compention offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)/78-CL (43)]

का॰ वा॰ 1682:— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व जान और ईंधन मंत्रालय की अधिमूचना सं० का॰ आ॰ 3894 नारित्व 22 दिसम्बर, 1962, जो कि कीयला वाले क्षेत्र (प्रजैन और विकास) अधितियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन तैयार की गई थी , के अनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), निवई, भूवंगडीह, हुटुगवाग और गौरायेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारी वाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हैक्टेयर भिम्म श्रांत की है।

घौर भूजुंग डीह ग्राम के हितबद व्यक्ति (1) तिलक महतो (2) कमल भेहतो (3) श्यामलाल मेहतो (4) मुखलाल मेहतो सभी रामचरन मेहतो के पुत्र ने उक्त प्रश्चितियम, की धारा 13 के घडीन, उक्त प्रर्णन में से 2.61 एकड़ या 1.056 हैक्टेयरक्षेत्र के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है।

ग्रीर उक्त श्रार्थन के लिए देय प्रतिकर की रक्षम, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्षम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियन न की जानकी और इस प्रकार प्रस्थापित रक्षम हिनबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रति-वाद सहित स्वीकार की गई है;

मतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार, कोमला वाले क्षेत्र (धर्णन भीर विकास) श्रिवित्यम, 1957 की बारा 14 की उपधारा (2) बारा प्रवत्त गिक्तियों का प्रयोग करने दुए एक श्रंकालिक भिक्षकरण विद्या करती है जिसमें श्रोजना शेवार निहं, श्रपर जिला श्रीर सेवान न्यायार्थाण, रौकी होंगे।

[न० 19/20/78-सी॰एल॰ (42)]

S.O. 1682.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under action 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera. Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Tilak Mahto (2) Kamal Mahto (3) Shyamlal Mahto (4) Sukhlal Mahto all sons of Ram Charan Mahto of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 2.61 acres or 1.056 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compention offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)/78-CL (42)]

का० थां० 1683.—केन्द्रीय संरक्तार ने, भारत सरकार के सूत्रपूर्व खान श्रीर ईंधन मंत्रालय की श्रिधसूचना सं० का० श्रा० 3894 तारीख 22 दिलम्बर, 1962, जो कि कोगना वाले क्षेत्र (श्रर्थन और विकास) श्रिधनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के धर्धान तैयार की गई थीं, के सन्वरूग में, कोईनारा, कुम्बारवारा (कुम्हारघारा), सिवई, भुचुंगडीह, हुटुगवाग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) श्रामों में 2510 एकड़ (लाज्यन) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि श्रींगन की है।

भीर भुषंगडीह भाम के हिनवज व्यक्ति क्यालाल मेहतो पुत्र नागो मेहतो ने उक्त मधिनियम, की धारा 13 के मधीन, उक्त मर्जन में से 4.84 एकड़ या 1.95 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के मंदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है।

स्रोर जनन सर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाधत विवाद होने के कारण करारद्वारा नियतन की जा तकी स्रोर इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद व्यक्ति द्वारा प्रति-वाद महित स्वीकार की गई है;

शतः, श्रव केन्द्रीय सरकार, कोशना वाले क्षेत्र (श्रर्जन श्रीर विकास) श्रिवित्यम, 1957की धारा 14 की उपधारा (2) बारा प्रदत्त सिक्तयों का प्रयोग करते तुए एक श्रंशकालिक श्रीकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्त्र गोवर सिंह, श्रवर जिला श्रीर सेगान न्यायाधीश, रांची हींगे।

[सं॰ 19/20/78-सी-एल॰ (33)]

S.O. 1683.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara). Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas Braj Lal Mahto S/o. Nago Mahto of village Bhuchungdih, the person interested has under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 4.84 acres or 1.95 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation paybale for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compention offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh. Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20) /78-CL (33)]

का०आ० 1684: — केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान लीर इंग्रन संवालय की ध्रमिस्चना सं० का० ध्रा० 3894, तारीख 22 विसम्बर 1982, जो कि कोयला नामे केब (धर्णन और विकास) ध्रमित्रम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के ध्रमीन तैयार की गईं वी, के धनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारवारा (कुम्हारधारा), सिवई, मुबुंगबीह,

हुटुगवाग और गौराबेरा, बाना रामगढ़, जिला हजारीकांग (बिहार) प्रामी में 2510 एकड़ (लगनग) या 1016.55 हेक्टेमर भूमि भ्राजित की है;

और कोईहारा प्राम के हितबद व्यक्ति श्रीमती पुनिया पत्नी गाणो भगत ने उक्त प्रधिनियम की धारा 13 के श्रधीन, उक्त प्रजैन में से 0.14 एकड़ या 0.05 हेक्टेयर केल के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास दावा किया है;

और उक्त क्रजंन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हितबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

मतः मब, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (मर्जन और विकास) मिनियम, 1957 की घारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवस्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक मिनिकरण गठित करती है जिसमें भी बन्ध शेखर सिंह, भपर जिला और सेशन न्यायाधीण, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰एल॰ (18)]

S.O. 1684.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1937 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara). Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas Most Punia W/o Gajo Bhagat of village Koihara, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 0.14 acres or 0.05 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation paybale for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compention offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20) /78-CL (18)]

का॰ जा॰ 1685.— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय की प्रधिस्थना सं॰ का॰ प्रा० 3894, तारीख 22 विसम्बर, 1962, जो कि कोयला वाले क्षेत्र (प्रजंन और विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 9 के प्रधीन तैयार की गई थी, के धनुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा), सिवई, भूकृंगकीह, हुदुगवाग और गौरावेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एक इ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि प्रजित की है;

और भचुंगडीह ग्राम के हितबद व्यक्ति (1) जया मोशी (2) बिरसई मोशी (3) चरन मोशी सभी फागू मोशी के पुत्र (4) भगवान वास मोशी पुत्र खैरा मोशी (5) बुद्धू मोशी पुत्र विजय मोशी ने उक्त प्रधि-नियम की धारा 13 के प्रधीन, उक्त प्रजैन में से 4.65 एकड़ या 1.88 हेक्टेयर कोन्न के प्रतिकर के संवाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास बाबा किया है;

और अक्त धर्मन के लिए देय प्रतिकर की रक्तम, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्तम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हिनबद्ध व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

धतः धवः, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (ग्रर्जन और विकास) श्रिष्ठित्यम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवस्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंग्रकालिक भशिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्त्र मेचर सिंह, अपर जिला और सेग्रन न्यायाधीम, रांची होंगे।

[सं॰ 19/20/78-सी॰एल॰ (44)]

S.O. 1685.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Jaya Manjihi (2) Binsai Manjihi (3) Charan Manjihi all sons of Phagu Manjihi (4) Bhagwan Das Manjihi S/o. Khaira Manjihi (5) Budhu Manjihi S/o. Bijai Manjihi of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 4.65 acres or 1.88 hectares out of the said acquisition:

And whereas the amount of compensation paybale for the sald acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compention offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)/78-CL (44)]

कां बां कां विहित - केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व लान जीर हैं मन मंत्रालय की मिस्सूचना संव का बांच 3894, तारीख 22 दिसम्बर 1962, जो कि कोयला वाले खेल (ग्रर्जन और विकास) मिस्सिन , 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के भ्रधीन तैयार की गई थी, के मनुसरण में, कोईहारा, अन्वारदारा (कुम्हारधारा), सिवई, भूजूंग-बीह, दुट्गवाग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हजारीबाग (बिहार) भ्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016.55 हेक्टेयर भूमि भिजत की

और भृजुंगहीह प्राम के हिन्बद्ध ष्यक्ति (1) मिलक शाममुबीन (2) मिलक बाहजुदीन (3) मिलक मंजूर सभी मिलक मौहरमद गौस के पुल ने उकत श्रीवित्यम की धारा 13 के ब्राधीन, उकत अर्जन में से 1.32% एकड़ या 0.537 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए मक्षम श्रीविकारी के पास दावा किया है;

और उक्त प्रार्जन के लिए वेय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम हिनबदा व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्थीकार की गई है;

मतः, घन, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (घर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक अंगकालिक अधिकरण गठित करती है जिसमें श्री चन्त्र शेखर सिंह, अपर जिला और सेगन न्यायाधीण, रांकी होंगे।

[सं॰ 19/20/78—सी॰ एल॰ (3)]

S.O. 1686.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of Indla in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara), Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Mullick Shamshuddin (2) Mullick Wahazuddin (3) Mullick Manjur all sons of Mullick Mohhamed Gause of village Bhuchungdih, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 1.322 acres or 0.537 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation paybale for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compention offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh, Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

INo. 19(20)/78-CL (3)]

का०आ० 1687.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूततूर्व खान और ईंधन मंत्रालय की अधिमूचना सं० का० आ० 3894, नारीख 22 विसम्बर, 1962, जी कि कोयला वाने क्षेत्र (प्रजंन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 9 के अधीन तैयार की गई थी, के अमुसरण में, कोईहारा, कुम्बारदारा (कुम्हारधारा), सिवई भुजूंगडीह, हुटुगवाग और गौराबेरा, थाना रामगढ़, जिला हुजारीबाग (बिहार) ग्रामों में 2510 एकड़ (लगभग) या 1016. 55 हेक्टेयर भूमि अजित की है;

और सिवर्ष प्राम के हितवत व्यक्ति (1) बैंदनाथ चौधरी (2) छन्नानाथ चौधरी (3) बानेश्वर चौधरी सभी हुक्म चौधरी के पुत्र ने उक्त प्रधिनियम की धारा 13 के प्रधीन उक्त प्रचिन में से 1.36 र्रे एकड़ या 0.54 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास वावा किया है;

और उक्त धर्जन के लिए वेय प्रतिकर की रक्षम, प्रस्थापित प्रतिकर की रक्षम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियतन की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रक्षम हितबद व्यक्ति द्वारा प्रतिवाद सहित स्वीकार की गई है;

धतः, ग्रब, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (ग्रजंत और विकास)
ग्रिधिनयम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवस्त गक्तियों
का प्रयोग करते हुए एक अंशकालिक ग्रिधिकरण गठित करती है जिसमें
श्री जन्द्र शेखर सिंह, ग्रुपर जिला और सेशन न्यायाधीश, रांची होंगे।
[सं० 19/20/78-सी०एल० (80)]

एस० मार० ए० रिजवी, निदेशक

S.O. 1687.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 3894, dated the 22nd December, 1962 made under section 9 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 2510 acres (approximately) or 1016.55 hectares in villages Koihara, Kumbaradara (Kumhardhara). Sewai, Bhuchungdih, Hutugdag and Gourabera, Thana Ramgarh, District Hazaribagh (Bihar);

And whereas (1) Baidnath Choudhury (2) Chhatranath Choudhury (3) Thaneshwar Choudhury all sons of Hukum Choudhury of village Sewai, the person interested has, under section 13 of the said Act, preferred the competent authority for payment of compensation for an area of 1.36½ acres or 0.55 hectares out of the said acquisition;

And whereas the amount of compensation paybale for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute to the sufficiency of the amount of compention offered and the amount so offered has been accepted by person interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a part-time Tribunal consisting of Shri Chandra Shekhar Singh. Additional District and Sessions Judge, Ranchi.

[No. 19(20)/78-CL (80)] S. R. A. RIZVI, Director

पर्यटन घौर मागर विमानम मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1979

कारुआर 1688.—पिट्निक प्रैमिसेज (एविक्शन ग्राफ धनग्रथाराहण्ड ओक्पोन्ट्स) एक्ट, 1971 (40 श्राफ 1971) की धारा उद्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एनव्द्वारा पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय, भारत सरकार की प्रशिस्त्वना सं० एस० ओ० 1696, विनोक 21 मई, 1975 में निम्नलिखिन संशोधन करती है, यथा:—

उक्त प्रधिसूचना की सारणी में कालम (2) के सामने दी गई प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएंगी, यथा:——

"भारत पर्यंटन विकास निगम लिमिटेड से संबंधित अथवा उसके द्वारा लीज पर ली गई और विल्ली के संघ शासित प्रदेश में स्थित सभी सम्मितियां, निम्निलिखित को शामिल करते हुए:— अयोक होटल, 50—थीं, चायक्यपुरी, नई दिल्ली; जनपथ होटल, जनपथ, नई दिल्ली; लोधी होटल, लाला लाजपन राय मार्ग, नई दिल्ली; होटल रणजीत, महाराजा रणजीत सिंह रोड, नई दिल्ली; अकबर होटल, चाणक्य पुरी, नई दिल्ली; कुतुब रेस्तरा, कुतब विल्ली प्लाट सं० 119, मारायणा इण्डस्ट्रियल एस्टेट, नई विल्ली; कुतुब होटल श्री अरकिन्व मार्ग, नई दिल्ली; विडमर प्लेस होटल, 17 अशोक रोड, नई विल्ली और अशोक यात्री निवास, 19,

> [संख्या यू-11015/6/78-पी॰एस॰यू॰ (पर्यटन)] बानु राम श्रग्रवाल, उप सचिव

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 20th February, 1979

S.O. 1688.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Governmenut of India in the Ministry of Tourism and Civil Aviation No. S.O. 1696 dated the 31st May, 1975, namely:—

In the Table to the said notification, for the entries under column (2), the following entries shall be substituted, namely:—

"All properties belonging to or taken on lease by the India Tourism Development Corporation Limited and situated in the Union Territory of Delhi, including the following:—

Ashoka Hotel, 50-B, Chanakyapuri, New Delhi; Janpath Hotel, Janpath, New Delhi; Lodi Hotel, Lala Lajpat Rai Marg, New Delhi; Hotel Ranjit, Maharaja Ranjit Singh Road, New Delhi; Akbar Hotel, Chanakyapuri, New Delhi; Qu'ab Restaurant, Qutab, Delhi, Plot No. 119, Naraina Industrial Estate, New Delhi; Qutab Hotel, Off Sri Aurobindo Marg, New Delhi; Windsor Place Hotel, 17, Ashoka Road, New Delhi

and Ashok Yatri Niwas, 19, Ashoka Road, New Delhi."

[No. U-11015/6/78-PSU (Tourism)] BANU RAM AGGARWAL, Deputy Secy.

पूर्ति और पुर्नवास मंद्रालय

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली, 30 भप्रैल, 1979

कारुआरु 1689.—पुनर्वास विभाग (बन्दोबस्त खण्ड) के सहायक बन्दोबस्न प्रविकारी श्री टीर्श्यार० चौना को निवर्तन श्रायुक्त के पहुंचने पर 31 मार्च, 1979 के प्रपरान्ह से सेवा निवृत कर दिया गया है।

> [सं० 8(54)/ए०ग्रार०जी०/64-खण्डा] दीनानाथ श्रमीजा, संयुक्त निदेशक

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 30th April, 1979

S.O. 1689.—On attaining the age of superannuation Shri T. R. Chona Assistant Settlement Officer in the Department of Rehabilitation (Settlement Wing) retired from service with effect from the afternoon of 31-3-1979.

[No. 8(54)/ARG/64-Vol. II] D. N. ASIJA, Jt. Director.

श्रम मंत्रालय

प्रादेश

नई दिल्ली, 9 ग्राप्रैल, 1979

कार प्रारं 1690.—केन्द्रीय गरकार की राय है कि इससे उपायद्व प्रमुखी में विनिद्दिष्ट विषय के बारे में भारतीय रिजर्व बैंक, प्रहमदाबाद के प्रबन्धनंत्र में सम्बद्ध नियोजकों धीर उनके कर्षकारों के बीच एक धीधोणिक विवाद विद्यमान हैं;

भौर केन्द्रीय गरकार उक्त विशाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्वेशित करना बाछनीय समझनी है ;

अतः, प्रावः, प्रोवोगिक विवाद प्रक्षितियम, 1947 (1947 का 14) की बारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त प्रक्षित्रधों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक खीवोगिक प्रधि-करण गठित करती है जिपके पीठामीन प्रधिकारी श्री जार० सी० इसरानी होंगे, जिनका मुख्यालय प्रहमदाबाद में होगा और उकत विवाद को उक्त प्रक्षिकरण को त्यायनिर्णयन के लिए निर्वेशित करती है।

भन्सूची

"क्या भारतीय रिजर्भ बैंक ग्रहमदाबाद के प्रबन्वतंत्र हारा श्री एम०एम० मंसूरी, टिक्का मङ्ग्, की सेवाभ्रों को 18-10-76 से समाप्त करना स्यायोचित है? यदि, नहीं तो सन्बन्धित श्रमिक किस अनुतोष का हकवार है?"

[संख्या एल-12012/63/78-डी०2ए]

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 9th April, 1979

S.O. 1690.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Reserve Bank of India, Ahmedabad and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of

the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri R. C. Israni shall be the Presiding Officer, with head-quarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the management of Rescree Bank of India, Ahmedabad is justified in terminating the services of Shri M. M. Mansuri, Tikka Mazdoor, with effect from 18-10-1976? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

[No. L-12012/63/78-D. II. A.]

ग्रावेश

का॰सा॰ 1691.—कंन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायब धनुसूर्च: में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में भारतीय स्टेट बैंक. हैदराहाद के प्रबन्धतंत्र में सम्बद्ध नियोजकों श्रीर उनके कर्नकारों के बीच एक श्रीसोगिक निवाद विद्यागन है :

भीर केन्द्रीय सरकार उक्त जिलाद को न्यापनिर्णयन के लिए निर्देशित करना यांछनीय समझती है :

स्रतः स्रकः, स्रीचोगिक विदाद प्रधिनियम. 1947 (1947 का 14) की धारा 7क स्रीर धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) ढारा प्रदत्त सिक्सर्यों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एक स्रीचोगिक प्रधिकरण गठित करनी है जिसके पीठासीन स्रधिकारी श्री जीव सदाणिव रेड्डी होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा धीर उक्त विद्याद की उक्त स्रधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करनी है।

भ्रन्मुची

"क्या भारतीय स्टेट यैंक (क्षेत्रीय प्रवन्धक-3 हैदराबाद) के प्रवन्धतंत्र द्वारा श्री के० खलन्दर, भृतपूर्व चौकीदार, उराबकोंडा शाखा, की सेवाझों को 14-9-1976 में समाप्त करना त्यायीचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है।

[सं० एल−12012/40/78-की० 2 ए०] एस० के० मुखर्जी, म्रवर सचिव

ORDER

S.O. 1691.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of State Bank of India, Hyderabad and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri G. Sadasiva Reddy shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Is the management of State Bank of India (Regional Manager-III, Hyderabad) justified in terminating the services of Shri K. Khalandar ex-watchman at Uravakonda Branch from 14-9-1976? If not, to what relief is the workman entitled?"

[No. I-12012/40/78-D. II. A.] S. K. MUKERJEE, Under Secy.

नर्ड दिस्स्(, 7 मई, 1979

भाष्मा 1692.— नेर्जाय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहिन में ऐसा करना भ्रोधीन था, श्रौद्योगिक विवाद श्रीधीनयम, 1947 (1947का 14) की भारा 2 के खण्ड (8) के उपखण्ड (ii) के उपबन्धों के अनुगरण के, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की प्रिधिमूचना संख्या 3471 दिनांक 17 नवस्वार, 1978 द्वारा लोहा भ्रयस्क खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 18 नवस्वर, 1978 से छः माम की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया गया था;

भीर केन्द्रोय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालायधि को छ: मारा की भीर कालावधि के लिए बढाया जाना अभेक्षित है;

अतः, श्रव, श्रीकोगिक विवाद श्रिवितयम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखण्ड (ii) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त श्रवित्यों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त श्रिवित्रम के प्रयोगनों के निए 18 मई, 1979 में छः मध्य की श्रीक कालाविध के किए उपयोगी सेवा घोषित करती हैं;

[सं०एम० 11017/९/७9/डो० 1(ए)]

New Delhi, the 7th May, 1979

S.O. 1692—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required, had in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. 3471 dated the 17th November, 1978 the iron ore mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 18th November, 1978;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 18th May, 1979.

[No. S. 11017/8/79/D. I(A)]

का०मा० 1693.—केन्द्रीय गरकार मौबोनिक रोजनार (स्थाई म्रादेश) म्राधिनियम, 1946 (1946 का म्राधिनियम 20) की धारा 2 के खण्ड (ग) के अनुसरण में. सहायक अमायुक्त (केन्द्रीय) भुवनेश्वर को केन्द्रीय सरकार या रेलवे प्रशासन के नियंत्रणाधीन मौबोगिक प्रतिष्ठानों या उड़ीया राज्य में किसी खान के संबन्ध में जन्म ग्राधिनियम के म्राधीन प्रमाणक म्राधिकारी के सभी कार्य करने के लिए नियक्त करनी है।

[संख्या ० ए २० 12013/7/79/डी 1ए]

एल ० के ० नरभाषणन, हेस्क अधिकारी

S.O. 1693.—In pursuance of clause (c) of Section 2 of the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946 (Act 20 of 1946), the Central Government hereby appoints the Assistant Labour Commissioner (Central) Bhubaneshwar, also to perform all the functions of a Certifying Officer under the said Act, in relation to industrial establishments under the control of the Central Government or a Railway administration or in a mine in the State of Orissa.

[No. S. 12013/7/79/D. I(A)]

L. K. NARAYANAN, Desk Officer

नई विल्ली, 7 मई, 1979

का॰आ॰ 1694.—खान अधिनियम (1952 का 35) की धार 5 को उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार श्री रविन्द्र शर्मा को मुख्य खान निरीक्षक के प्रश्रीन खान निरीक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

> [फा० सं० ए-12025/1/77/एम० 1] मीना गप्ता, श्रवर सचिव

New Delhi, the 7th May, 1979

S.O. 1694.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Ravindra Sharma as Inspector of Mines subordinate to the Chief Inspector of Mines.

[F. No. A-12025/1/77-M. I.] MEENA GUPTA, Under Secy.

खावेश

नई दिल्ली, 9 मई. 1979

का श्वा 1695. — वैस्टर्न कोलफोल्डम लिमिटेड, मुख्यालय नागपुर के प्रबन्धतंत्र और उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व महा-राष्ट्र प्रदेश राष्ट्रीय कोयला खदान कामगार संघ (इंटक) करती है, एक ग्रीधोगिक विवाद विद्यमान है;

श्रीर उक्त प्रवन्धतंत्र श्रीर कर्मकारों ने श्रीशोगिक विवाद श्रीतियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10क की उपधारा (1) के उपबन्धों के श्रमुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद की उसमें विणित व्यक्ति के माध्यस्थम् के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है श्रीर उक्त माध्यस्थम् करार की एक प्रिंत केरनीय सरकार को भेजी गई है;

ग्रतः, प्राव, घोद्योगिक विवाद घिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (3) के उपबन्धों के श्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्थम करार को, जो उसे 24 मार्च, 1979 को मिला था, एतद्द्वारा प्रकाशित करसी है।

करार

(भौद्योगिक विवाद श्रिष्टिनियम, 1947 भी घारा 10-क के भ्रष्टीन) पक्षकारों के नाम:

नियोजकों का प्रतिनिधिरव करने वाले: 1. श्री झार० के० मेहता, कार्मिक प्रबन्धक (धाई०धार) और श्री बी०बी० गडकरी, वैस्टनं कोल-कील्ड्स लि०, मुख्यालय एडयोकेट खावडें भवन, सिविल लाईन्स, नागपुर.

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले: 1. श्री पी० के० तालुकदार, संत्री, एम० पी० ग्रार० के० के० के० संघ (इंटक) ग्रांच मुख्यालय नागपुर श्रीर श्री एम०एम० गरिवकर, महासंत्री, बैस्टर्न कोल फील्डस लि० एम्पलाइख एसोसिएशन (वी० एस०एस०) मुख्यालय ज्ञांच नागपुर।

पक्षकारों के बीच निश्नितिष्वित विवाद को श्री डब्ल्यु०के० ग्रालमेलकर, सदस्य, श्रीबोगिक न्यायालय, महाराष्ट्र सरकार, नागपुर पीठासीन श्रीवकारी, श्रीबोगिक श्रीवकरण, के माध्यस्थम के लिए निर्वेषित करने का करार किया गथा है।

- 1. विनिर्विष्ट विवादग्रस्त विषयःकोयला खानों के राष्ट्रीयकरण के परिणामस्वरूप वैस्टर्न कोल फील्ड्स लि० के कर्मचारियों द्वारा, खानों में खपाए जाने के बाब, प्राप्त किए गए प्रतिरिक्त ग्राधिक लाभों पर विचार करते हुए ग्रीर कलकरता/नागपुर में भूनपूर्व कोयला कंपनियों के लिए गए कर्मचारियों को मजदूरी बोर्ड के वेतनमानों में फिट करने के मामले में प्रपनाए गए सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए, क्या सी०एम०ए०एल०/ इष्ट्यू०सी०एल० नागपुर द्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों के संबंध में 1-5-1973 से बेतन निर्धारित करने का प्रस्ताव न्यायोचित है ? यवि नहीं सो वे किस ग्रनुतोष के हकदार है ?
 - 1. श्री पी० डी० शेवाडे,
 - 2. श्री मार०एन० माचार्य

- 3. श्रीएस० डी० बापत,
- 4. श्री एस० प्रार० चौरासिया
- 5. श्रीवी० जी० स्रोजरकर
- 6. श्री जी० के० पाठक
- 7. श्रीडब्स्यू० जी० जोशी
- 8. श्री एस० एस० व्यास
- श्री एन० डी० पुरोहित
- 10. श्री एम० ग्रार० नम्दगिरिकर
- 11. श्री बी०बी० धारध्ये
- 12. श्री के० ग्रार० मनोरंजन
- 13. श्री जोसफ विक्टर
- (2) विवाद के पक्षकारों का विवरण, जिसमें भंतर्वेलित स्थापन या उप-कम का नाम भौर पता भी सम्मिलित है।

 नियोजकों के :— भ्रष्टयक्ष-व-प्रवन्धक नियेणक, वैस्टर्न कोल-फील्ड्स लि० (मुख्यालय) टैम्पल रोड सिविल लाईम्स जागपुर--440001

कर्मेकारों के :-- 1. महामंत्री वैस्टर्न कोलफोल्ड्स लि० एस्पलाइज एसोसिएशन (बी०एम०एस०) ग्ररूण भवन, टैस्पल बाजार रोड, सीताबुल्डी, नागपुर ।

- मंद्री, महाराष्ट्र प्रदेश राष्ट्रीय कोयला खदान कामगार संघ (इंटक) महान, नागपुर
- (3) प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या लगभग 500
- (4) विवाद द्वारा प्रभावित या संभाव्यतः प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राक्तिलत संख्या

13

हम यह करार भी करते हैं कि मध्यस्थ का विनिश्चय हम पर आवदः कर होगा।

समुचित सरकार द्वारा इस करार के सरकारी राजपन्न में प्रकाशन की ता॰ से मध्यस्थ श्रपना पंचाट छः मास की कालाविध या इतने श्रीर समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाय, देगा । यदि पूर्व वर्णित कालाविध के भीतर पंचाट नहीं दिया जाता तो माध्यस्थम के लिए निदेश स्वतः रह हो जायेगा श्रीर हम नए माध्यस्थम के लिए बातचीत करने को स्वतंत्र होंगे ।।

पक्षकारों के हस्ताक्षर

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले कर्मकारों का प्रनिधित्व करने वाले ह०/-(ग्रार०के० मेहना) ह०/-(पी०के० तालुकदार) ह०/-(एम०एम० गिरदकर)

सामो

- ह०/-(एन०के० बोरकर)
- 2. ह०/-(पी०के० निर्मेल)

नागपुर

तारीख: 16 मार्च, 1979

[सं० एल०18013/1/79 डी०4(बी)] शक्ति भूषण, डेस्क द्यधिकारी

ORDER

New Delhi, the 9th May, 1979

S.O. 1695.—Whereas an Industrial dispute exists between the management of Western Coalfields Limited, Rd. Qr. Nagpur and their workmen represented by Maharashtra Pradesh Rashtriya Koyla Khadan Kamgar Sangh (INTUC);

And whereas the said management and their workmen have by a written agreement in pursuance of the provisions of sub-section (1) of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) agreed to refer the said dispute to arbitration of the person mentioned therein and a copy of the said arbitration agreement has been forwarded to the Central Government;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (3) of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the said arbitration agreement which was received by it on the 24th March, 1979.

AGREEMENT

(Under Section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947)

BETWEEN

Name of the Parties: Shri R. K. Mehta, Personnel Manager (IR) with Shri B. B. Godkari, Western Coalfields Ltd., Head Quarter, Adv. Bobde's Building, Civil Lines Nagpur.

Representing Workmen: Shri P. K. Talukdar, Secretary, M. P. R. K. K. K. Sangh (INTUC), branch Hd. Qr. Nagpur, with Shri M. M. Giradkar, Gen-Secretary Western Coalfileds Ltd. Employees Association (BMS), Hd. Qr. branch Nagpur.

It is hereby agreed between the parties to refer the following dispute to the Arbitration of Shri W. K. Almelkar, member, Industrial Court, Govt. of Maharashtra, Nagpur, Presiding Officer, Industrial Tribunal.

- (i) Having regard to the additional monetary benefit secured by the employees of Western Coalfields Ltd. Nagpur after their absorption consequent upon nationalisation of Coal mines and keeping in view the principles adpoted in the matter of fitment of taken-over employees of crstwhile Coal companies at Calcutta/Nagpur in the Wage Board scales of pay, whether the offer made by CMAL/CCL, Nagpur for fixation of pay with effect from 1-5-1973 in respect of the employees named below is justified? If not, what relief they are entitled to?
 - (1) Shri P. D. Shevade.
 - (2) Shri R. M. Acharya.
 - (3) Shri S. D. Bapat
 - (4) Shri S. R. Chourasia
 - (5) Shri V. G. Ozarkar

- (6) Shri G. K. Pathak
- (7) Shri W. G. Joshi
- (8) Shri S. S. Vyas
- (9) Shri N. D. Purohit
- (10) Shri N. R. Nandagirikar
- (11) Shri B. V. Ardhye
- (12) Shri K. R. Manoranjan
- (13) Shri Joseph Victor
- (ii) Details of the parties to the dispute including the names and address of establishment or undertaking involved.
 - For Employers: Chairman-cum-Managing Director, Western Coalfields Ltd., (Hd. Qt.) Temple Road, Civil Lines, Nagpur-440001.
 - For Workmen:—(1) Genl. Secretary, Western Coalfields Ltd. Employees' Association (BMS), Arun Bhavan, Temple Bazar Road, Sitabuilding, Nagpur.
 - (2) The Secretary, Maharashtra Pradesh Rashtriya Koyla Khadan Kamgar Sangh (INTUC), Mahal, Nagpur.
- (iii) Total number of workmen employed in the undertaking affected :—Approximately 500.
- (iv) Estimated No. of workmen affected or likely to be affected by the dispute :—13 in number.

We further agree that the decisions of the $\Lambda(\mathrm{bit}_{\mathrm{c}})\mathrm{tor}$ is binding on us.

The arbitrator shall make his award within a period of Six months from the date of publication of this agreement in the official Gazette by the appropriate Government or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case award is not made within the period aforementioned, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

(FOR EMPLOYER)

Sd/- (R. K. Mehta)

Sd/- (B. S. Gadkari)

(FOR WORKMEN)

Sd/- (P. K. Talukdar)

Sd/- (M. M. Giradkar)

WITNESSES:

- (1) Sd/- (N. K. Borkar)
- (2) Sd/- (P. K. Nirmal)

Nagpur

Dt. 16th March, 1979.

[No. L-18013(1)/79-D IV(B)]

SHASHI BHUSHAN, Desk Officer